निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 150 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

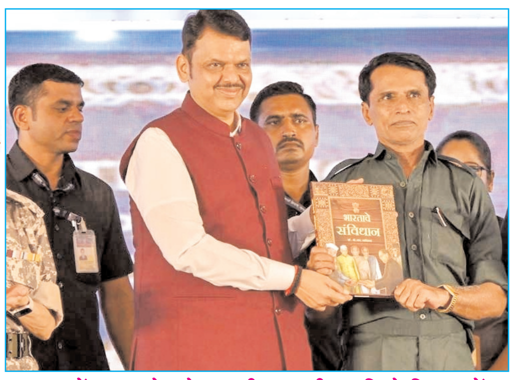
महाराष्ट्र में छह करोड़ के इनामी नक्सली भूपति ने किया सरेंडर

संक्षिप्त समाचार

कारोबारी को मारी गोली

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी के कटहल मोड़ में अपराधियों ने दुःसाहस दिखाते हुए एक कारोबारी को दिनदहाड़े कई गोलियां मारी। अपराधियों की गोलीबारी में घायल कारोबारी राधेश्याम साहू को पुलिस के द्वारा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि राधेश्याम साहू हर दिन की तरह अपनी दुकान शांभवी इंटरप्राइजेज के पास खड़े थे। इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। राधेश्याम साहू को गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए।

ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के कुमारधुबी ओपी क्षेत्र में बुधवार को एक हादसा हुआ। ओवरब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सज्जाद अंसारी और लालचंद बाउरी के 30 वर्षीय पुत्र के रूप में हुई है। दोनों कुमारधुबी बाजार नीचे पट्टी के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार दोनों व्यक्ति रेलवे लाइन के पास पार्टी करने गए थे तभी वे ट्रेन की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

रेलवे ट्रैक पर मिला अधेड़ का शव

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमलटांड गांव के पास रेलवे ट्रैक से एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। यह शव ए केबिन के पास पोल संख्या 401/16 के निकट से मिला। शव मिलने की जानकारी मिलते ही झारखंड पुलिस एवं रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। शव की पहचान नहीं हो सकी है।

पीएम किसान योजना के नाम पर सवा लाख की ठगी

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। साइबर अपराधी आज के समय में अपना दायरा बढ़ाते जा रहे हैं। अगर थोड़ी सी भी चूक हुई तो आप साइबर अपराधियों के झांसे में फंस सकते हैं। अनवांटेड लिंक टच करना किसी खतरा से कम नहीं है। इसी कड़ी में हजारीबाग से पीएम किसान योजना का लालच दिखाकर साइबर ठगी करने का मामला सामने आया है।

घाटशिला उपचुनाव में झामुमो ने सोमेश सोरेन व भाजपा ने बाबूलाल सोरेन को बनाया उम्मीदवार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। घाटशिला उपचुनाव के लिए झामुमो एवं भाजपा ने अपने प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है। झामुमो की ओर से सोमेश सोरेन जबकि भाजपा की ओर से बाबूलाल सोरेन को प्रत्याशी बनाया गया है। सोमेश सोरेन पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के बेटे हैं। रांची में आयोजित झामुमो की केंद्रीय समिति की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमेश सोरेन के नाम की घोषणा की। बैठक में यह भी बताया गया कि 17 अक्टूबर को सोमेश चंद्र सोरेन अपना नामांकन दाखिल करेंगे। गौरतलब हो कि आज बुधवार को रांची के सोहराय भवन में झामुमो की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष हेमन्त सोरेन ने

सोमेश सोरेन

बाबूलाल सोरेन

की। बैठक में पार्टी संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान की समीक्षा के साथ-साथ बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव और घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर विशेष चर्चा हुई। झामुमो की केंद्रीय समिति की इस बैठक में सीएम हेमन्त सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन के अलावा सांसद और विधायक के साथ-साथ बिहार, झारखंड, असम, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। घाटशिला से पूर्व शिक्षा मंत्री दिवंगत रामदास सोरेन की पत्नी और पुत्र भी बैठक में उपस्थित हुए। वहीं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के बेटे हैं। वे इसी घाटशिला सीट से पूर्व में विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस सीट पर झामुमो के रामदास सोरेन ने बाबूलाल सोरेन को शिकस्त दी थी। विधानसभा चुनाव में रामदास सोरेन को 98356 वोट मिले जबकि बाबू लाल सोरेन को 75910 वोट मिले। घाटशिला विधानसभा सीट पर उपचुनाव 11 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, 14 नवंबर को मतगणना होगी। उपचुनाव की अधिसूचना 13 अक्टूबर (शेष पृष्ठ 7 पर)

शिक्षक की पिटाई से घायल छात्रा ने इलाज के क्रम में तोड़ा दम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। जिले के बड़गड़ प्रखंड स्थित परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय की 12वीं की छात्रा दिव्या कुमारी की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। दिव्या के पिता अजय प्रसाद ने बताया कि उनकी बेटी पिछले 15 सितंबर को स्कूल गई थी, जहां प्रभारी प्रिंसिपल द्रौपदी मिंज ने असेंबली के समय जूता न पहनने के कारण उसकी पिटाई की। सबके सामने मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इसके बाद दिव्या लगातार दो दिन रोती रही और डिप्रेशन की वजह से बीमार पड़ गई। उसे डाल्टेनगंज इलाज के लिए ले जाया गया। वहां से रिम्स रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बड़गड़ थाना में आवेदन देकर न्याय की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधानाध्यापिका की पिटाई और मानसिक प्रताड़ना सीधे तौर पर छात्रा की मौत की वजह बनी। दिव्या की मौत के बाद बड़गड़ बाजार स्थित हनुमान मंदिर चौक के पास ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने न्याय की मांग करते हुए टायर जलाए और रास्ता रोका। जाम की सूचना मिलने पर भंडरिया के इंस्पेक्टर सुभाष कुमार, बड़गड़ थाना प्रभारी दीपक कुमार मौर्य, बीडीओ अमित कुमार और सीओ राकेश भूषण सिंह मौके पर पहुंचे। जाम हटाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीणों ने कोई समझौता नहीं किया। इस दौरान स्थानीय सांसद बीडी राम ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत करने की कोशिश की। सांसद के हस्तक्षेप के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने आरोपी प्रधानाध्यापिका द्रौपदी मिंज को (शेष पृष्ठ 7 पर)

स्कूल से चोरी हुए कंप्यूटर सरकारी शौचालय से बरामद, दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र में सरकारी शौचालय से चोरी हुए कंप्यूटर और एक टेंपो बरामद किए गए हैं। इस मामले में दो आरोपियों अभय कुमार राम और दीप रंजन पांडे उर्फ छोटू पांडे को गिरफ्तार किया गया है। ये उपकरण उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसना के आईसीटी लैब से चोरी हुए थे। पुलिस ने बसना निवासी गोविंद राम की शिकायत पर टेंपो चोरी का मामला दर्ज किया था। इसके अलावा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसना के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार महतो ने स्कूल के आईसीटी लैब से उपकरण चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इंस्पेक्टर पाण्डु अंचल के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। जांच के दौरान, पुलिस ने बसना के अभय कुमार राम और रजहारा के दीप रंजन पांडे उर्फ छोटू पांडे को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने बसना के आयुष पांडे उर्फ चांसी और रेहला थाना के तोलरा निवासी आयुष कुमार तिवारी के साथ मिलकर स्कूल से कंप्यूटर और अन्य उपकरण चुराने की योजना बनाई थी। आरोपियों ने बताया कि 13 अक्टूबर की रात उन्होंने पहले गोविंद राम का टेंपो (शेष पृष्ठ 7 पर)

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में 16वें अंतर्राष्ट्रीय रेल उपकरण प्रदर्शनी तथा सम्मेलन का किया उद्घाटन

11 वर्षों में बिछाए गए 35 हजार किलोमीटर नए ट्रैक : वैष्णव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा रेलवे मंत्रालय के सहयोग से आयोजित 16वें अंतर्राष्ट्रीय रेल उपकरण प्रदर्शनी 2025 और अंतर्राष्ट्रीय रेल सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया। आइआरइइ एशिया का सबसे बड़ा तथा विश्व का दूसरा सबसे बड़ा रेल और परिवहन क्षेत्र से संबंधित प्रदर्शनी है जो विश्वभर के उद्योग जगत के नेताओं, नवाचारकर्ताओं और

हितधारकों को एक साथ लाती है। इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया है और इसके परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अवधि में लगभग 35,000 किलोमीटर नए ट्रैक बिछाए गए हैं और 46,000 किलोमीटर रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण किया गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस, 30 अमृत भारत और 4 नामो भारत सेवाएं संचालित हो रही हैं, जो देशभर में अत्यधिक लोकप्रिय हैं। हमारे उत्पादन स्तर में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अब प्रतिवर्ष लगभग 7,000 कोच निर्मित किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी के बारे में उन्होंने कहा कि यह भारत की रेल तकनीक, निर्माण और नवाचार के क्षेत्र में हुई प्रगति को प्रदर्शित करने का एक प्रमुख मंच है, जो साझेदारी, निवेश और विकास के नए अवसरों के द्वार भी खोलता है। इस (शेष पृष्ठ 7 पर)

संदिग्ध हालत में मिला युवक का शव

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सारठ थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब अजय नदी पुल के पास एक युवक का शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फौरन पुलिस को दी। मृतक की पहचान सारठ मुस्लिम टोला निवासी मंजूर शेख के रूप में हुई। परिजनों ने आरोप लगाया कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि एक सुनियोजित तरीके से की गई हत्या है। परिजनों ने इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया है। वायरल वीडियो में कुछ लोग मंजूर शेख की पिटाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फौरन पुलिस को दी। मृतक की पहचान सारठ मुस्लिम टोला निवासी मंजूर शेख के रूप में हुई है।

प्राइवेट नर्सिंग होम में मरीज की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले के पचम्बा थाना क्षेत्र के लखारी स्थित क्रेसेंट नर्सिंग होम में इलाज के दौरान 50 वर्षीय जोसेफ हांसदा की मौत हो गई। मृतक देवरी थाना क्षेत्र के बुढ़ियासारे गांव के निवासी थे। जोसेफ को दो दिन पहले अपेंडिक्स के ऑपरेशन के लिए नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन सफल रहा। बाद में इंजेक्शन लेने के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। मृतक के भतीजे राजेश हांसदा ने बताया कि उनके चाचा की हालत इंजेक्शन के बाद बिगड़ी थी। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद नर्स ने एक और इंजेक्शन दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए नर्सिंग होम में जमकर हंगामा किया। उन्होंने सही समय पर उचित इलाज न किए जाने की शिकायत की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। नर्सिंग होम के संचालक डॉ. बी. हेम्ब्रम ने लापरवाही के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि मृतक को पहले से शुगर और हाई बीपी की समस्या थी। उन्होंने कहा कि इंजेक्शन के तुरंत बाद अचानक प्रतिक्रिया हुई जिससे स्थिति बिगड़ गई। डॉक्टरों ने तुरंत चिकित्सकीय सहायता दी लेकिन बावजूद इसके जोसेफ हांसदा की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही पचम्बा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रण में किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन भी इस घटना की पड़ताल कर रहा है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

हेमंत कैबिनेट की बैठक में 24 प्रस्तावों पर लगी मुहर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के नगर निकाय क्षेत्रों में होने वाले चुनाव में इस बार आरक्षण का दायरा बदला हुआ रहेगा। पिछड़ा वर्ग आयोग के द्वारा सौंपे गए ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट पर आरक्षण की हुई अनुशंसा को हेमंत सरकार ने मानते हुए मंगलवार को कैबिनेट की मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके तहत अलग-अलग निकाय क्षेत्रों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है। आरक्षण की अधिसीमा 50% निर्धारित की गई है। कैबिनेट से मिली मंजूरी की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में जहां त्योहार का सौगात देते हुए राज्य सरकार ने अपने कर्मियों और पेंशनधारियों को मिलनेवाले महंगाई भत्ता की दरों में 1 जुलाई 2025 से 3% की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब महंगाई भत्ता 58% मिलेगा। सारंडा को अभयारण्य घोषित करने संबंधी प्रस्ताव पर कैबिनेट में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय में जवाब दाखिल करनी है ऐसे में इसको लेकर चर्चा हुई है। इस बात की सहमति बनी है कि सबसे पहले सारंडा क्षेत्र में रहने वाले लोगों के रहने के विषय को लेकर है। वहां के जल जंगल जमीन को लेकर हम चाहते हैं कि अपने वन क्षेत्र में रहने वाले लोगों के साथ अन्याय ना हो। सबसे पहले तो किसी भी हालत में वह जंगल से ना निकल पाएं या ना

निकाले जाएं, वन अधिकार कानून उनका संरक्षित रहे, विस्थापन ना हो और सरकार चाहे केंद्र हो या राज्य सरकार हो वह सभी योजनाओं का लाभ वह ले सकें। जिस तरह से सामाजिक सांस्कृतिक रूप से सैकड़ों वर्षों से वह सारंडा के जंगलों में रहते आए हैं अपना जीवन यापन सामान्य रूप से जैसे करते आए हैं वैसे करते रहेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में मंगलवार देर शाम तक चली कैबिनेट की बैठक में कुल 24 प्रस्ताव पर मुहर लगी है। कैबिनेट में विनोद बिहारी महतो यूनिवर्सिटी कोयलांचल धनबाद के विश्वविद्यालय और अंगीभूत महाविद्यालयों में शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक पदों के पुनर्गठन की मंजूरी दी गई। पुनर्गठन के बाद शैक्षणिक में 38 नए पदों को सृजित किया जाना है। वहीं गैर शैक्षणिक में 249 पदों को प्रत्यर्पित किया जाएगा। कुल 371 अतिरिक्त मल्टीटास्किंग स्टाफ की नियुक्ति आउटसोर्सिंग से की जाएगी। मंत्री परिषद ने अब चाइल्ड केयर लीव यूनिवर्सिटी एवं एंगीभूत उसके कॉलेज में महिला शिक्षकेत्तर कर्मियों एवं एकल पुरुष शिक्षकेत्तर कर्मियों को देने का फैसला किया है। इसके तहत 730 दिनों का चाइल्ड केयर लीव मिलेगा। मंत्री परिषद ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम व्यय विवरणी को घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा केन्द्र प्रायोजित मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत संचालित आंगनबाड़ी सेवाएं अन्तर्गत प्रशासनिक व्यय मद के तहत व्यय दर प्रति आंगनबाड़ी केन्द्र 2,000 रुपये वार्षिक को बढ़ाते हुए प्रति आंगनबाड़ी केन्द्र 8,000 रुपये प्रतिवर्ष करने की स्वीकृति दी गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना अन्तर्गत राज्य में सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रेफरल सेवाओं को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 207 इखट्ट एम्बुलेन्स के क्रय के लिए कुल एक अरब तीन करोड़ पचास लाख रुपए मात्र पर योजना की स्वीकृति दी गई है।

CMYK

बरही पुलिस की बड़ी सफलता, लूट की योजना बनाते चार अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

हजारीबाग पुलिस ने किया मामले का खुलासा, कई पुरानी घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बरही थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लूट की योजना बना रहे चार अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ के क्रम में आरोपियों ने जिले में पूर्व में घटित कई लूट और चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को गुप्त सूचना मिली थी कि हजारीबाग की ओर से दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार व्यक्ति हथियार के साथ बरही की ओर लूट की योजना बनाते हुए जा रहे हैं। सूचना पर देवचंदा मोड़ के पास पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। रात करीब 10:10 बजे दो मोटरसाइकिलें आती दिखाई दीं। पुलिस को देखकर अपराधी भागने लगे, लेकिन पुलिस बल ने उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया।

गिरफ्तार अपराधियों के नाम

1. संतोष मुंडा (25 वर्ष), पिता सीताराम मुंडा, ग्राम-गुरूडीह, थाना-कटकमसांडी — बरामदः एक देशी पिस्टल, एक मैगजीन में 2 गोली, REALME मोबाइल।

2. दीनानाथ बेदिया उर्फ दिनेश बेदिया (34 वर्ष), पिता दशरथ बेदिया, ग्राम-डाड़, थाना-कटकमसांडी — बरामदः एक देशी कट्टा, 2 गोली (8 एमएम), अउए कीपैड मोबाइल।

3. राहुल ठाकुर (27 वर्ष), पिता धनेश्वर ठाकुर, ग्राम-सरौनी, थाना-मुफस्सिल— बरामदः टूटा हुआ स्मार्टफोन।

4. तुलेश्वर प्रजापति (31 वर्ष), पिता बाढो प्रजापति, ग्राम-डाड़, थाना-कटकमसांडी।

बरामद सामान

02 हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (JH02BT-6811 एवं JH13H-6072)
01 देशी पिस्टल
01 देशी कट्टा
02 जिंदा कारतूस (8MM)
02 जिंदा कारतूस (7.65MM)
03 मोबाइल फोन

छापेमारी दल

1. श्री अजीत कुमार विमल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही
2. पु.नि. सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार, बरही थाना
3. पु.अ.नि. दीपक कुमार, बरही थाना
4. पु.अ.नि. रूपलाल यादव, बरही थाना
5. हवलदार मनोज मंडल
6. हवलदार मिथलेश सिंह
7. आरक्षी गंगा उरांव (480)
8. आरक्षी संजीत कुमार यादव (1545)
9. तकनीकी शाखा, हजारीबाग

हजारीबाग पुलिस ने जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने का संकल्प दोहराया है।

बहेरा पंचायत के फुसरी गांव में मुखिया देवकी महतो ने किया 'आदि कर्मयोगी कार्यालय' का उद्घाटन

ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं की पहचान और समाधान में होगी सहूलियत : मुखिया देवकी महतो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चरही/चुरचू। हजारीबाग जिले के चुरचू प्रखंड अंतर्गत बहेरा पंचायत के फुसरी गांव स्थित मध्य विद्यालय फुसरी में बुधवार को आदि कर्मयोगी कार्यालय का उद्घाटन मुखिया संघ उपाध्यक्ष सह चुरचू प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष एवं बहेरा पंचायत की मुखिया देवकी महतो के द्वारा फीता काटकर किया गया।

यह कार्यालय भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित ह्लआदि कर्मयोगी अभियानह्व के अंतर्गत खोला गया है। इस योजना के तहत सीसीएल से प्रभावित गांव फुसरी को चयनित किया गया है, ताकि क्षेत्र के ग्रामीणों की मूलभूत जरूरतों और विकास कार्यों की पहचान और समाधान किया जा सके।

उद्घाटन के अवसर पर मुखिया देवकी महतो ने कहा कि ह्लइस कार्यालय के खुलने से ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं — जैसे विकास कार्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार से जुड़ी समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान में तेजी लाई जाएगी।ह्व उन्होंने कहा कि यह अभियान गांव के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ग्रामीण आत्मनिर्भर और जागरूक बनेंगे।

इस मौके पर पंचायत सेविका अनिता राय अंगारे, रोजगार सेवक तालेश्वर हांसदा, वार्ड सदस्य प्रियंका मुर्मू, समाजसेवी आरिफ अंसारी, प्रधानाध्यापक मनोज हंसदा सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ह्लआदि कर्मयोगी कार्यालयह्व के माध्यम से अब पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन अधिक सटीक और पारदर्शी ढंग से हो सकेगा।

मवि खेरौन में 14 सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित

बच्चों में दिखा उत्साह, अध्ययन के प्रति बढ़ी रुचि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय खेरौन में सामान्य वर्ग के 14 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बी.पी.एम. अरुण कुमार की उपस्थिति में साइकिलें वितरित की गईं।

इस अवसर पर केदारूत पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विश्वेश्वर यादव, पंचायत समिति सदस्य विकास सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी प्रद्युम्न सिंह, तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक तुलसी कुमार दास सहित सभी अभिभावक उपस्थित रहे। मुखिया प्रतिनिधि विश्वेश्वर यादव ने कहा कि साइकिल मिलने से बच्चों में नया उत्साह आया है और अब वे नियमित रूप से विद्यालय आ सकेंगे। आने-जाने में होने वाली कठिनाइयाँ भी अब समाप्त होंगी। वहीं पंचायत समिति सदस्य विकास सिंह ने इसे सरकार की सराहनीय पहल बताया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा तक पहुँच में सुविधा होगी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक तुलसी कुमार दास ने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। समाजसेवी प्रद्युम्न सिंह ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें मेहनत और लगन से आगे बढ़ने का संदेश दिया। जिन 14 बच्चों को साइकिल मिली, उनमें शामिल हैं— मयूर कुमारी, मेंहदी कुमारी, सृष्टि कुमारी, सुप्रिया कुमारी, पायल कुमारी, प्रतिविंद कुमार, सुमन कुमार, आनंद कुमार, पीयूष कुमार, शनि कुमार, अंजनी कुमारी, उज्जवल कुमार, रौशनी कुमारी और सिंपी कुमारी।

आम लोगों के आवेदन पर पदाधिकारी 15 दिनों के अंदर सुनिश्चित करें त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू की उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा। पब्लिक की बातों को सुनते हुए उपायुक्त ने मौके पर ही संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदनों की प्रति अग्रसारित करते हुए त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने की बात कही। जनता दरबार में मनातू से आयी विधवा महिला ने बताया कि गरीबी के कारण उनके पति गुड्डू यादव दो माह पहले रोजगार की तलाश में हिमाचल प्रदेश गये थे। 27 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में ही उनकी मृत्यु हो गयी।

इस क्रम में गांव के लोगों से ही कर्ज लेकर उनके शव को मनातू लाकर दाह-संस्कार किया।महिला सरिता देवी ने डीसी को बताया कि उनके मृतक पति के आय से ही उनका घर चलता था। उनपर कर्ज वापस करने का भी दवाब है। उसे श्रम प्रावधानों के अनुरूप मुआवजा राशि देने का अनुरोध किया। इसी तरह राहुल प्रसाद ने डीसी के समक्ष अबुआ आवास की राशि किसी दूसरे व्यक्ति के खाते में भेजे जाने की शिकायत की। चैनपुर से आये गौरव कुमार पांडेय ने बताया कि वो पीएम कसुसुम योजना के लाभुक हैं। वर्ष 2022 में उन्हें इसका लाभ दिया गया था। लेकिन वेंडर उनके खेत में सोलर पंप का अधिष्ठापन नहीं कराया है। इसी तरह विभिन्न अंचलों से कूल 5 से अधिक महिलाओं ने मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना का पैसा नहीं मिलने के संबंध में आवेदन दिया। इन सभी आवेदनों के जांच के लिए सामाजिक सुरक्षा के यहां भेज दिया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त जनता दरबार में भूमि विवाद, सार्वजनिक रास्ता रोकने, अयोग्य लाभुकों को पीएम आवास दिये जाने, दाखिल खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति,पेयजल, शिक्षा, कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त किये गये।

समय पर कुपोषित बच्चों तक पहुंच बनाकर बेहतर पोषण व स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ना समर सीएमएएम का मुख्य उद्देश्य : नीता चौहान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। कुपोषण की चुनौती से निपटने व समुदाय स्तर पर बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से समर तीव्र कुपोषण का समुदाय- आधारित प्रबंधन (सीएमएएम) कार्यक्रम के अंतर्गत महिला पर्यवेक्षिकाओं व स्वास्थ्य कर्मियों को जिला स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण जिला समाहरणालय ब्लॉक ए में आयोजित हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने स्वागत भाषण से दिया। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के महत्व व इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कहा कि समर तीव्र कुपोषण का समुदाय-आधारित प्रबंधन कार्यक्रम के माध्यम से गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों तक समय पर पहुंच बनाकर उन्हें बेहतर पोषण व स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ना चाहते हैं। कार्यक्रम में रिम्स रांची की रीमा मालाकार, डिस्ट्रिक्ट न्यूट्रीशन कंसल्टेंट नईम व डॉक्टर चमन ने मुख्य ट्रेनर के रूप में सहभागिता की। उन्होंने प्रतिभागियों को गंभीर कुपोषण से ग्रस्त बच्चों की पहचान, वजन व लंबाई की माप, गृह आधारित देखभाल संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया। इसके अतिरिक्त, माताओं को पोषण संबंधी जानकारी देने, समुदाय में जन-जागरूकता बढ़ाने व नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कराने के व्यावहारिक उपायों पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण में कूल 50 प्रतिभागियों में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सभी महिला पर्यवेक्षिकाएं व स्वास्थ्य कर्मियों ने समर तीव्र कुपोषण का समुदाय-आधारित प्रबंधन प्रशिक्षण में भाग लिया।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत 21वां जत्था अमनारी पंचायत से रवाना, सांसद पुत्र करण जायसवाल ने किया पुष्पवर्षा कर विदा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा बुजुर्गों के सम्मान में संचालित ह्लसांसद तीर्थ दर्शन महाअभियानह्व के तहत बुधवार को 21वां जत्था हजारीबाग सदर प्रखंड के अमनारी पंचायत से पवित्र तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए रवाना हुआ। इससे पूर्व हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से 20 जत्थे सफलतापूर्वक तीर्थ यात्रा पूरी कर चुके हैं। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल के सुपुत्र करण जायसवाल उपस्थित रहे।

उनके साथ सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, किशोरी राणा, द्वारिका सिंह (खोखा सिंह), लब्बू गुप्ता, दामोदर साव, अनूप ठाकुर, बलदेव बाबू, कृष्णा मेहता, रणधीर पांडेय, अशोक कुशवाहा, महेंद्र राम बिहारी, जुगनू सिंह, महेश प्रसाद, अजीत सिंह, कौलेश्वर रजक, प्रमोद सिंह, राजकुमार महतो, प्रेम यादव एवं उमेश प्रसाद मेहता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने पुष्प वर्षा कर 65 तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। कई श्रद्धालुओं के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद भी लिया गया। पूरा परिसर 'जय श्री राम' और 'सांसद मनीष जायसवाल अमर रहें' जैसे नारों से गूंज उठा। करण जायसवाल ने तीर्थयात्रियों की मंगल यात्रा की कामना करते हुए कहा कि सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान क्षेत्र के जरूरतमंद बुजुर्गों के तीर्थाटन के अरमान को पूरा कर रहा है। इस यात्रा के तहत श्रद्धालु अयोध्या, विंध्याचल, वाराणसी और प्रयागराज जैसे पवित्र स्थलों की यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल का यह जनसेवा अभियान न केवल धार्मिक भावनाओं को सशक्त कर रहा है, बल्कि समाज में 'बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संस्कार' की भावना को भी पुनर्जीवित कर रहा है।

बिरहोर बच्ची की मौत ने हिलाया सिस्टम– चौपारण की स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

एंबुलेंस के अभाव में खटिया पर अस्पताल लाई गई 12 वर्षीय सरस्वती, इलाज के दौरान तोड़ा दम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर सवालिया निशान खड़ा करने वाली दर्दनाक घटना चौपारण प्रखंड के जमुनियातरी गांव से सामने आई है। बिरहोर समुदाय की 12 वर्षीय सरस्वती कुमारी की तेज बुखार में इलाज के अभाव में मौत हो गई। परिजनों ने कई बार एंबुलेंस सेवा को कॉल किया, लेकिन गाड़ी नहीं पहुँची। ग्रामीणों के अनुसार, एक एंबुलेंस तो आधे रास्ते से ही लौट गई।

सड़क विहीन और दुर्गम इलाके में बसे इस गांव से परिजनों ने बच्ची को खटिया पर कंधे से उठाकर अस्पताल तक पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उसकी तबीयत और बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने पर इलाज के दौरान सरस्वती ने दम तोड़ दिया।

यह घटना न केवल एक बच्ची की मौत की कहानी है, बल्कि उस व्यवस्था की असफलता का प्रमाण है जो आदिम जनजातियों के लिए योजनाएं तो बनाती है, परंतु उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करने में पूरी तरह विफल है। जानकारी के अनुसार, चौपारण की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. फरहाना महफूज के कार्यकाल में पिछले एक माह में बिरहोर समुदाय के चार लोगों की इलाज के अभाव में मौत हो चुकी है।

सरकारी योजनाएं केवल कागजों पर

राज्य सरकार द्वारा बिरहोर व अन्य आदिम जनजातियों के लिए 'बिरहोर विकास योजना', 'पोषण अभियान', 'विशेष स्वास्थ्य कैंप' और छात्रवृत्ति योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन इनका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक नहीं पहुँच पा रहा है।

ग्रामीणों की मांगें

जमुनियातरी जैसे दुर्गम गांवों में स्थायी स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना

24 घंटे एंबुलेंस सेवा की उपलब्धता

लापरवाह स्वास्थ्यकर्मियों पर सख्त कार्रवाई

आदिवासी बस्तियों में नियमित मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालन

इस घटना ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी प्रश्न खड़ा किया है — क्या चुनावी वादे सिर्फ वोट तक सीमित हैं?

वहीं, झामुमो नेता बीरेन्द्र राणा ने सरस्वती की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि 'चौपारण का दुर्भाग्य है कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही की कीमत बिरहोर समाज चुका रहा है। सरकार को अब जवाब देना होगा।'

सरस्वती की मौत एक चेतावनी है — अगर अब भी सिस्टम नहीं जागा, तो ऐसे मासूमों की जान यूँ ही जाती रहेगी और जिम्मेदार लोग सिर्फ बयान देते रहेंगे।

केरेडारी में सनसनी, खेत में मिला नवजात शिशु का शव, पुलिस जांच में जुटी

केरेडारी हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।। केरेडारी थाना क्षेत्र के पगार ओपी अंतर्गत पांडु गाँव के नट्टीचट्टी टोला में बुधवार की सुबह एक खेत से नवजात शिशु का शव बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

स्थानीय ग्रामीणों ने खेत में शव देखकर तुरंत पगार ओपी प्रभारी दिनेश मंडल को सूचना दी। सूचना मिलते ही ओपी प्रभारी अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे और शव को अपने कब्जे में लिया। ओपी प्रभारी ने घटना की जानकारी वरीय पुलिस अधिकारियों को दी और शव को पोस्टमार्टम हेतु हजारीबाग सदर अस्पताल भेज दिया गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि नवजात शिशु का शव खेत में किसने और क्यों फेंका।

समाहरणालय परिसर में शिशुपालना गृह का हुआ उद्घाटन

महिला अनुकूल कार्यस्थल बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की सराहनीय पहल

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। समाहरणालय स्थित समाज कल्याण विभाग परिसर में बुधवार को शिशुपालना गृह का विधिवत उद्घाटन भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव सह नीति आयोग की केंद्रीय प्रभारी पदाधिकारी श्रीमती आराधना पटनायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह, उप विकास आयुक्त श्री इस्तियाक अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिकाएँ एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीमती आराधना पटनायक ने कहा कि शिशुपालना गृह की स्थापना जिला प्रशासन की एक सराहनीय पहल है, जिससे कामकाजी माताओं को अपने शिशुओं की देखभाल की चिंता किए बिना कार्यालयीन कार्यों में पूर्ण दक्षता से योगदान देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह सुविधा न केवल महिला कर्मचारियों के लिए, बल्कि जनता दरबार में आने वाली महिलाओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी, जहाँ वे अपने बच्चों को सुरक्षित वातावरण में रख सकेंगी।

इसके साथ ही समाहरणालय परिसर में स्तनपान कक्ष की भी व्यवस्था की गई है, जहाँ माताओं के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और निजी वातावरण उपलब्ध कराया गया है।

उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि 'शिशुपालना गृह का उद्घाटन महिला अनुकूल कार्यस्थल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब महिलाएँ अपने बच्चों को सुरक्षित वातावरण में रखकर निश्चिंत होकर अपने कार्यों में योगदान दे सकेंगी। हमारा लक्ष्य है कि हजारीबाग हर महिला के लिए सशक्त और समर्थ जिले के रूप में उभरे।'

सामान्य शाखा प्रभारी सना उस्मानी ने कहा कि ऐसी सुविधाएँ महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और उन्हें कार्यस्थल पर सहजता से अपनी जिम्मेदारियाँ निभाने में मदद करती हैं। वहीं महिला पर्यवेक्षिका संगीता ने कहा कि यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण है। अधिकारियों ने इस पहल को कार्यस्थल पर महिला अनुकूल माहौल सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और इसे अन्य जिलों के लिए भी अनुकरणीय कदम कहा।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने गुड़वां में झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का किया शिलान्यास

बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया विद्यालय को

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को सदर प्रखंड अंतर्गत गुड़वाँ में लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का विधिवत शिलान्यास किया।

यह विद्यालय क्षेत्र की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित आवासीय सुविधा और आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों की बेटियों को शिक्षा के समान अवसर प्राप्त होंगे और उनके सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। शिलान्यास के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि 'यह विद्यालय हजारीबाग की बेटियों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा। शिक्षित बेटियाँ न केवल अपने परिवार का गौरव बढ़ाएँगी बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी योगदान देंगी।' उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान को सशक्त रूप से आगे बढ़ाएगी। विधायक ने कहा, 'हजारीबाग की हर बेटी को शिक्षा, सम्मान और अवसर दिलाना मेरा संकल्प है। शिक्षा, सशक्तिकरण और समानता की भावना को जमीनी स्तर तक पहुँचाना ही हमारी प्राथमिकता है।' शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। लोगों ने विधायक प्रदीप प्रसाद का आभार और सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में हजारीबाग विधानसभा में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे— सदर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष रणधीर पांडे, कटकमसांडी पूर्वी मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, पूर्व जिला परिषद सदस्य कोलेश्वर रजक, परमेश्वर यादव, पंडल यादव, रामावतार शर्मा, बिरजू रवि, शिवपाल यादव, पवन गिरी, अनूप ठाकुर, कृष्णा साहू, पिंटू साहू, प्रीत गुप्ता, दिलीप यादव, जागो यादव, अमृत पासवान, राजु कुशवाहा, मनोज यादव और दामोदर साहू सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

अंत में विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई और युवाओं के कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जनता और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि —'जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।'

पीवीयूएनएल ने हर्षोल्लास के साथ मनाया11वां स्थापना दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातु (रामगढ़)। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड ने आज अपने 11वें स्थापना दिवस का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया। इस अवसर पर अशोक कुमार सहगल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीवीयूएनएल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने बीते वर्ष के महत्वपूर्ण मील के पत्थरों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शीघ्र ही ट्रायल ऑपरेशन पूर्ण करने के लिए पूरा प्रयास जारी है तथा ऐश माउंड का कार्य भी जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

इस अवसर पर के. एस. सुंदरम, निदेशक (प्रोजेक्ट्स), एनटीपीसी एवं अध्यक्ष, पीवीयूएनएल ने वर्चुअल माध्यम से पीवीयूएनएल परिवार को संबोधित किया और संस्था की निरंतर प्रगति पर सभी को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम के उपरांत कॉन्फ्रेंस हॉल में केक काटने का समारोह आयोजित किया गया, जिसके बाद कर्मचारियों को बीते एक वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित वीडियो दिखाया गया।

कार्यक्रम में अनुपम मुखर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) एवं संगिता दाश, महाप्रबंधक (टीएस) सहित सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध कवियों ने प्रस्तुत की ओजपूर्ण रचनाएं, ठहाकों से गूंजा परिसर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातु। पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के तत्वावधान में टाउनशिप परिसर में मंगलवार को हास्य कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश के विख्यात कवियों शंभू शिखर, प्रताप फौजदार, राजेश अग्रवाल, पद्मिनी शर्मा एवं चेतन चर्चित ने अपनी ओजपूर्ण, व्यंग्यात्मक और हास्य रचनाओं से श्रोताओं को खूब आनंदित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक कुमार सेहगल उपस्थित रहे। उन्होंने मंच पर पहुंचे सभी कवियों का पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक स्वागत किया। उनके साथ जीएम एवं सीजीएम प्रोजेक्ट अनुपम मुखर्जी, मनीष खेत्रपाल, जीएम ऑपरेशंस ओ. पी. सोलंकी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मंचासीन थे, जिन्होंने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। कवियों की रचनाओं पर श्रोता देर तक ठहाके लगाते रहे। पूरे परिसर में तालियों की गूंज और हंसी का वातावरण छाया रहा। कवियों ने अपने चुटीले व्यंग्य के साथ सामाजिक संदेश भी दिए, जिससे कार्यक्रम मनोरंजक होने के साथ-साथ सारगर्भित भी बना।

कार्यक्रम में पीवीयूएनएल लेडीज़ क्लब की सदस्याएं, बड़ी संख्या में कर्मचारीगण तथा उनके परिजन मौजूद रहे। सभी ने इस यादगार संध्या का भरपूर आनंद लिया।

बरही विधायक मनोज यादव ने किया चार विकास योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं : मनोज यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। बरही विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने बुधवार को बच्छई और सिंघरावां पंचायतों में चार योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और क्षेत्र में हो रहे लगातार विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। विधायक ने जिन योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया, उनमें प्रमुख रूप से सिंघरावा मोड़ से नया सिंघरावां तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य, ग्राम टिटही में उपस्वास्थ्य केंद्र निर्माण, सिंघरावा देवी मंडप से गोविंदपुर आरईओ रोड तक सड़क निर्माण कार्य तथा प्राथमिक विद्यालय टिटही के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन शामिल है। सभा को संबोधित करते हुए विधायक मनोज यादव ने कहा कि "क्षेत्र का सर्वांगीण विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। जनता की हर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा। सांसद मनीष जायसवाल के सहयोग से बरही विधानसभा निरंतर विकास की राह पर अग्रसर है।" उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में और भी कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी ने किया। इस मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक, पूर्व अध्यक्ष राजदेव यादव, पूर्व जीप सदस्य रामस्वरूप पासवान, सहदेव यादव, रामअशीष सिंह, सियाराम सिंह, मुखिया संतोष सिंह, मनोज मिश्रा, देवल यादव, संजय गुप्ता, अरुण पांडेय, दीपक गुप्ता, राजेश रवानी, शिक्षक विजय सिन्हा, मनोज कुमार, सुभाष राणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हजारों दीयों से जगमगाएगा शहीद स्मारक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। दीपावली से पहले देश के वीर अमर शहीदों की याद में हजारीबाग में गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025 को भावपूर्ण कार्यक्रम "आपका एक दीया शहीदों के नाम" का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम लगातार नौवें वर्ष स्थानीय हजारीबाग परिषद के सामने स्थित शहीद स्मारक परिसर में शाम 4:30 बजे से शुरू होगा। शाम 5:30 बजे हजारों दीये जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। आयोजन समिति से जुड़े सांसद मनीष जायसवाल के लोकसभा मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि इस वर्ष भी कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। मुख्य आकर्षण मूक-बधिर और दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाए गए दीये होंगे, जिन्हें सामूहिक रूप से जलाया जाएगा। इसके साथ ही सुप्रसिद्ध आरंभ बैंड देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देगा, जबकि नन्हे कलाकार और स्कूली बच्चे देशभक्ति गीत-संगीत से कार्यक्रम में जोश भरेंगे। रंजन चौधरी ने बताया कि वर्ष 2017 में छोटे स्तर पर शुरू हुआ यह आयोजन आज हजारीबाग की परंपरा बन चुका है। इसका उद्देश्य दिव्यांग बच्चों और स्थानीय कुम्हारों द्वारा बनाए गए दीयों के माध्यम से समाज में राष्ट्रप्रेम और शहीदों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करना है। इस अवसर पर शहर के चार शहीद परिवारों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन में अजय कुमार साहू, किशोरी राणा, रंजन चौधरी, प्रो. शंकर चंद्र पाठक और युवा पत्रकार रवि कुमार की प्रमुख भूमिका रहेगी।

राज्य स्तरीय स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आगाज, खिलाड़ियों ने दिखाया दम

पहले दिन के परिणाम

अंडर-14 बालक वर्गः बोकारो, पलामू, लोहरदगा, पाकुड़।
बालिका वर्गः गढ़वा, रांची, दुमका, धनबाद, ईस्ट सिंहभूम।
अंडर-17 वर्गः हजारीबाग, बोकारो, चतरा, गिरिडीह।
अंडर-19 वर्गः कोडरमा, लातेहार, चतरा, साहिबगंज, रांची, ईस्ट सिंहभूम।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में बुधवार को राज्य स्तरीय स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन हुआ। इस प्रतियोगिता का आयोजन स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग, झारखंड के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची द्वारा किया गया है। राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित बालक-बालिकाएं इस मुकाबले में भाग ले रही हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) के प्रशासनिक पदाधिकारी सोमदत्त दीक्षित ने किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में शिवेंदु दुबे (कोषाध्यक्ष, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन), गोपाल ठाकुर (अध्यक्ष, झारखंड कबड्डी एसोसिएशन), विपिन कुमार और राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने पुष्पगुच्छ, पौधा और मोमेंटो देकर किया। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी अपने आप में एक चैंपियन है। कबड्डी टीमवर्क, एकाग्रता और त्वरित निर्णय क्षमता विकसित करता है, जो जीवन और करियर दोनों में सफलता की कुंजी है। मुख्य अतिथि सोमदत्त दीक्षित ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित स्कूली खेल प्रतियोगिताओं से राज्य में खेलों का स्तर निरंतर बेहतर हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष SGFI मेडल टैली में झारखंड का 13वां स्थान राज्य के खेलों की सफलता का प्रमाण है।

विशेष अतिथि शिवेंदु दुबे ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं झारखंड के खेल भविष्य को नई दिशा दे रही हैं और राज्य को देश के अग्रणी खेल राज्यों में स्थापित करने में मदद करेंगी। पूरे दिन इंडोर स्टेडियम में खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना चरम पर रही। ग्रामीण अंचलों से आए छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन ने साबित किया कि झारखंड की मिट्टी प्रतिभा से भरी है। आयोजन को सफल बनाने में राज्य खेल कोषांग, शारीरिक शिक्षा विभाग, शिक्षक और झारखंड कबड्डी संघ के अधिकारी जुटे रहे। पहले दिन के मुकाबलों में अंडर-14 बालक वर्ग में बोकारो, पलामू, लोहरदगा और पाकुड़ की टीमें विजेता रहीं। बालिका वर्ग में गढ़वा, रांची, दुमका, धनबाद और ईस्ट सिंहभूम ने जीत दर्ज की। अंडर-17 वर्ग में हजारीबाग, बोकारो, चतरा और गिरिडीह की टीमें आगे बढ़ीं, जबकि अंडर-19 वर्ग में कोडरमा, लातेहार, चतरा, साहिबगंज, रांची और ईस्ट सिंहभूम ने अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह, खेल भावना और दर्शकों का समर्थन देखने योग्य रहा। राज्य स्तरीय यह आयोजन झारखंड में स्कूली खेलों को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव आराधना पटनायक ने किया कटकमदाग प्रखंड का निरीक्षण, आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं आकांक्षी जिला नोडल पदाधिकारी आराधना पटनायक ने हजारीबाग जिले के आकांक्षी प्रखंड कटकमदाग का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने नीति आयोग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण कर कार्यों की समीक्षा की। भ्रमण के क्रम में उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पसई, कटकमदाग में ओपीडी, टीकाकरण, एनसीडी स्क्रीनिंग, ब्रेस्ट कैंसर जांच जैसी सेवाओं का जायजा लिया। साथ ही जन आरोग्य समिति के सदस्यों और सहियाओं के साथ बैठक कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर चर्चा की। इस अवसर पर पांच आयुष्मान लाभुकों को आयुष्मान कार्ड, पांच लाभुकों को आभा कार्ड, छह टीबी मरीजों को फूड बास्केट तथा 12 फाइलेरिया लाभुकों को फाइलेरिया किट प्रदान किए गए। उन्होंने 100 दिवसीय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चिन्हित रोगियों का शत-प्रतिशत एक्स-रे और खांसी वाले रोगियों का नेट टेस्ट 31 दिसंबर 2025 तक पूरा कराने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कुसुंभा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सुल्ताना का भी निरीक्षण किया। सेवाओं को संतोषजनक पाया गया तथा और सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता आराधना पटनायक ने की। बैठक में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, उपविकास आयुक्त इस्तियाक अहमद, प्रशिक्षु आईएएस, जिला योजना पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से आकांक्षी जिला और प्रखंड कार्यक्रमों के सभी सूचकांकों की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि और आधारभूत संरचना से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। श्रीमती पटनायक ने कुपोषित और गंभीर कुपोषित बच्चों की देखरेख हेतु एमटीसी केंद्रों की कार्यप्रणाली सुधारने, टीबी ड्रॉपआउट मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग और कॉलिंग बढ़ाने, तथा सभी पीएचसी और एचएससी केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को पूर्णतः डिजिटल और पेपरलेस बनाने की दिशा में कार्य करने को कहा। इसके अतिरिक्त सदर अस्पताल, हजारीबाग में कैंसर ट्रीटमेंट सुविधा शुरू करने के लिए भी निर्देश जारी किए गए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को समन्वयपूर्वक कार्य करते हुए जिले के विकास सूचकांकों में उल्लेखनीय सुधार लाने का प्रयास करना चाहिए। निरीक्षण के पूर्व उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की और क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं

सीएसपी संचालक से 2.80 लाख रुपए और लैपटॉप लूटे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना क्षेत्र के पचार गांव में बुधवार की सुबह हथियारबंद अपराधियों ने पंजाब नेशनल बैंक के सीएसपी संचालक से 2 लाख 80 हजार रुपए एवं एक लैपटॉप लूट लिया। घटना को चार अपराधियों ने दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर अंजाम दिया और कासमा की ओर फरार हो गए। सीएसपी संचालक राजू रंजन (पिता अंबिका प्रसाद, निवासी ढोसिला खुर्द) ने बताया कि सुबह लगभग 9:30 बजे वे अपने सीएसपी केंद्र पहुंचे ही थे कि इसी दौरान रफीगंज की ओर से दो मोटरसाइकिल पर चार युवक आए। उन्होंने बंदूक की नोक पर धमकाकर बैग में रखे 2 लाख 80 हजार रुपए और एक लैपटॉप लूट लिया और फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही सर्किल इंस्पेक्टर, थानाध्यक्ष शंभू कुमार, एसआई एस. पी. गुप्ता, एएसआई रामा अवधेश सिंह, बबनजीत कुमार, सिपाही सतीश कुमार सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जांच-पड़ताल शुरू की। घटनास्थल से एक कारतूस बरामद हुआ है। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी अभियान चला रही है।

कुम्हार की चाक को लगा बाजारवाद की नजर

डॉ रंजीत कुमार भारतीय/ नबिटा ब्यूरो

जहानाबाद। मिट्टी का बर्तन बनाकर अपनी जीविका चलाने वाले कुम्हार जाति के लोग अपनी परंपरा के रोजगार को छोड़कर दैनिक मजदूरी करने को विवश हैं। दीपावली, छठ सहित कई पर्व त्योहारों से लेकर शादी विवाह के उत्सवों एवं अन्य दिनों में जहां यह वर्ग लगातार मिट्टी के बर्तन बनाने और पकाने में व्यस्त रहता था, आज चाक की गति शिथिल हो गई है। हुलासगंज बाजार से सटे उतीमपुर गांव के टोला कन्हैयागंज में कई परिवार जिनकी जीविका चाक के सहारे चलती थी उनकी पुस्तैनी परंपरागत रोजगार छीन गई है। आज इस वर्ग के अधिकांश लोग बाहर जाकर नौकरी करने को विवश हैं या खेती में मजदूरी करके गुजारा कर रहे हैं। कुछ परिवार ऐसे भी यहां दिख गया जिनकी रगों में आज भी परंपरागत रोजगार बसा है। ये लोग दीपावली, छठ के आसपास और लग्न के दिनों में मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं , बाकी दिन दिहाड़ी करके अपने पेट को पालते हैं। कभी ग्रामीण परिवेश में मिट्टी के बर्तन और उसमें सोंधी खुशबू के साथ व्यंजनों का सुगंध चूल्हे पर पक्का था लेकिन आज का पीढी इससे बिल्कुल अंजान है। हर त्योहार, शादी विवाह, उत्सवों के लिए मिट्टी के बर्तन की जरूरत किसान को पड़ती थी। लेकिन बदलते परिवेश और तेजी से विकास करता औद्योगिक समाज के कारण आज चाक की गति मंद पड़ चुका है। कहा जाए तो मिट्टी के रंग बिरंगे बर्तन और मिट्टी के बने खिलौनों का युग अब समाप्ति के कगार पर है। इस रोजगार में लगे परिवार के युवा पीढ़ी तो मिट्टी के बर्तन बनाने की कठिनाइयों को देखते हुए और बाजार में इसकी मांग नहीं होने से इस रोजगार से अपने आप को अलग कर लिए हैं, लेकिन इस वर्ग के बुजुर्ग अभी भी इस परंपरा को जीवंत बनाए रखने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएनजीजी-07/25-26 (खुली), दिनांक 11.10.2025; मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे, कंचरापाड़ा वर्कशॉप, उत्तर 24 परगना, डाकघर-कांचरापाड़ा, पिन 743145 (प.बं.) द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के निष्पादन के लिए विशेषकर रेलवे/सीपीडब्ल्यूडी/पीडब्ल्यूडी/एमईएस/सिंचाई अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में अतीत में समतुल्य प्रकृति के कार्य निष्पादन करने का समुचित अनुभव तथा वित्तीय क्षमता रखने वाले प्रतिष्ठित ठेकेदारों से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं : **निविदा सं. : डब्ल्यूटी-13-25-26, कार्य का विवरण :** केपीएडब्ल्यू में - कांचरापाड़ा में रेलवे मिक्स्ड प्राइमरी स्कूल में बुनियादी सुविधा का विकास एवं नवीनीकरण। **निविदा मूल्यः** रु. 1,12,97,322.32। **बयाना राशिः** रु. 2,06,500। **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **एलओए के जारी किए जाने की तारीख से समापन अवधिः** 12 महीने। **निविदा खुलने की तारीखः** 03.11.2025। कार्य का दायरा सांकेतिक मात्र है। हालांकि, विस्तृत विवरण भारतीय रेल की ई-टेंडरिंग साइट (आईआरईपीएस) **https://www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। **प्रस्ताव जमा अवधिः** निविदा खुलने के 15 दिन पहले। निविदा दिनांक 03.11.2025 को 14.00 बजे बंद कर दी जाएगी एवं निविदा उसी दिन अपराह्न 14.30 बजे के उपरांत खोलने वाले कर्मियों एवं नेट की उपलब्धता के अनुसार किसी भी समय खोली जाएगी।

(MISC-233/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.: एफ/सीआर/डब्ल्यूसी/123, दिनांक 11.10.2025; मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे रेल इंजन कारखाना, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार, पिन-811214 द्वारा नीचे उल्लिखित कार्य के निर्धारित समय-सीमा के अंदर निष्पादन हेतु समुचित वित्तीय एवं तकनीकी संसाधन के साथ प्रमाणित अनुभव एवं दक्षता रखने वाले निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा केस सं.:** एफ/सीआर/डब्ल्यूसी/123, **कार्य का नामः** जेएमपी के 9 सेट पावर पैक (1 अदद कमिन्स इंजन मॉडल एन 855 आर एवं 1 अदद हिन्दुस्तान ट्रांसमिशन (एलिसन) मॉडल सीआरटी-5633 मेक एम-IV टावर कार तथा 8 अदद कमिन्स इंजन मॉडल एनटी 855 आर एवं 8 अदद हिन्दुस्तान ट्रांसमिशन (एवटेक) मॉडल फूलटास का सीआरटी-5633 मेक एम-IV टावर कार की ओवरहॉलिंग एवं चालू करना। **निविदा मूल्यः** रु. 4,42,65,182.44; **बोली सुरक्षाः** रु. 3,71,300; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य (जीसीसी, अप्रैल, 2022 के भाग I के कार्यों के लिए अनुच्छेद 03 निविदाओं के अनुसार)। **कार्य समापन की तारीखः** सम्पूर्ण कार्य स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 24 महीने के अंदर सम्पन्न करना होगा। हालांकि, प्रत्येक ओवरहॉल किए गए पावर पैक की डिलीवरी पावर पैक के संग्रह किए जाने की तारीख से 45 दिनों के अंदर की जानी चाहिए। **प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 03.11.2025 को 15.00 बजे। निविदा दस्तावेज वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेगा। "समतुल्य प्रकृति के कार्य" की परिभाषाः निविदादाता को रेलवे/मेट्रो रेल के टावर वैगनों में इस्तेमाल किए जाने वाले किसी भी निर्माता की इंजन/ड्राइव का या तो ओईएम अथवा उसका अधिकृत डीलर होना चाहिए, जिनके पास रेलवे/मेट्रो रेल के टावर वैगनों की इंजन/ड्राइवर की मरम्मत/ओवरहॉलिंग का अनुभव हो।

(MISC-234/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, आसनसोल स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा **आसनसोल मंडल के तहत मंडल रेलवे अस्पताल, आसनसोल में स्टाफ कैंटीन के संचालन एवं रखरखाव तथा मॉड्युलर कैटरिंग स्टाल (जीएमयू), वाटर वेंडिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएम), मल्टी पर्पज स्टॉलों (एमपीएस) के प्रावधान** के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के तहत आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए निम्नानुसार खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है : **(क) नीलामी सूचीपत्र सं.: सीएटीजी-जीएमयू-25-13, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, विवरण, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **(एए/1),** सीएटीजी-एएसएन-एमएनएई-जीएमयू-71-23-1, मानकड़ (श्रेणी डी) रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 3-4 पर 5 वर्षों की अवधि के लिए मॉड्युलर कैटरिंग स्टॉल (आकार 6'x10' = 60 वर्ग फीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवा का प्रावधान, 29.10.2025 को 11.30 बजे। **(ख) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-डब्ल्यूवीएम-25-14, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, विवरण, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **(एए/1),** एमएसएस-एएसएन-एसयूआरआई-डब्ल्यूवीएम-89-25-1, सिउड़ी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 2-3 पर ओएचई पी/सं. 54/8 तथा एसयूआरआई/1018 के बीच एकल आधार पर 5 वर्षों की अवधि के लिए 1 अदद वाटर वेंडिंग मशीन (30 वर्ग फीट) की स्थापना एवं संचालन, 31.10.2025 को 12.30 बजे। **(एए/2),** एमएसएस-एएसएन-एसटीएन-डब्ल्यूवीएम-90-25-1, सीतारामपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 2-3 पर पुराने एफओबी के निकट एकल आधार पर 5 वर्षों की अवधि के लिए 1 अदद वाटर वेंडिंग मशीन (30 वर्ग फीट) की स्थापना एवं संचालन, 31.10.2025 को 12.40 बजे। **(एए/3),** एमएसएस-एएसएन-पीएएन-डब्ल्यूवीएम-91-25-1, पानागढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1-2 पर ओएसओपी स्टॉल के बगल में एकल आधार पर 5 वर्षों की अवधि के लिए 1 अदद वाटर वेंडिंग मशीन (30 वर्ग फीट) की स्थापना एवं संचालन, 31.10.2025 को 12.50 बजे। **(एए/4),** एमएसएस-एएसएन-बीएसकेएच-डब्ल्यूवीएम-47-25-2, बासुकीनाथ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 पर ट्रैक्शन पोल सं. 49/3 तथा 49/4 के बीच एकल आधार पर 5 वर्षों की अवधि के लिए 1 अदद वाटर वेंडिंग मशीन (30 वर्ग फीट) की स्थापना एवं संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान करना, 31.10.2025 को 13.00 बजे। **(ग) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-एमपीएस-25-13, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, विवरण, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **(एए/1),** एमपीएस-एएसएन-यूडीएल-एमपीएस-5-25-1, अंडाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 3-4 पर वाटर कूलर तथा एफओबी के बीच 5 वर्षों की अवधि के लिए बहु उद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट = 60 वर्ग फीट) का आवंटन, 29.10.2025 को 12.30 बजे। **(एए/2),** एमपीएस-एएसएन-डीजीआर-एमपीएस-20-25-1, दुर्गापुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 (हावड़ा छोर) पर सीट सं. 63 एवं 67 के बीच 5 वर्षों की अवधि के लिए बहु उद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट = 60 वर्ग फीट) का आवंटन, अनारक्षित श्रेणी (सभी श्रेणियों के लिए खुला) निर्धारित, 29.10.2025 को 12.40 बजे। **(एए/3),** एमपीएस-एएसएन-एसटीएल-एमपीएस-12-24-1, सिमुलतला रेलवे स्टेशन में पुराने सर्कुलेटिंग क्षेत्र एवं पुराने स्टेशन भवन (पूर्वी ओर) के निकट 5 वर्षों की अवधि के लिए बहु उद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट = 60 वर्ग फीट) का आवंटन, अनारक्षित श्रेणी (महिला) के लिए निर्धारित, 29.10.2025 को 12.50 बजे। **(घ) नीलामी सूचीपत्र सं.: एमएसएस-एएसएन-एसटीजीईएन-7, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, विवरण, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **(एए/1),** एमएसएस-एएसएन-एएसएन-एसटीजीईएन-49-25-1, मंडल रेलवे अस्पताल, आसनसोल में 3 वर्षों की अवधि के लिए स्टाफ कैंटीन का संचालन एवं रखरखाव, 03.11.2025 को 12.30 बजे।

(ASN-208/2025-26) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल**

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्णिया में एनडीए प्रत्याशी विजय खेमका का भव्य स्वागत, पूरे शहर में गूंजे 'खेमका जिंदाबाद' के नारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

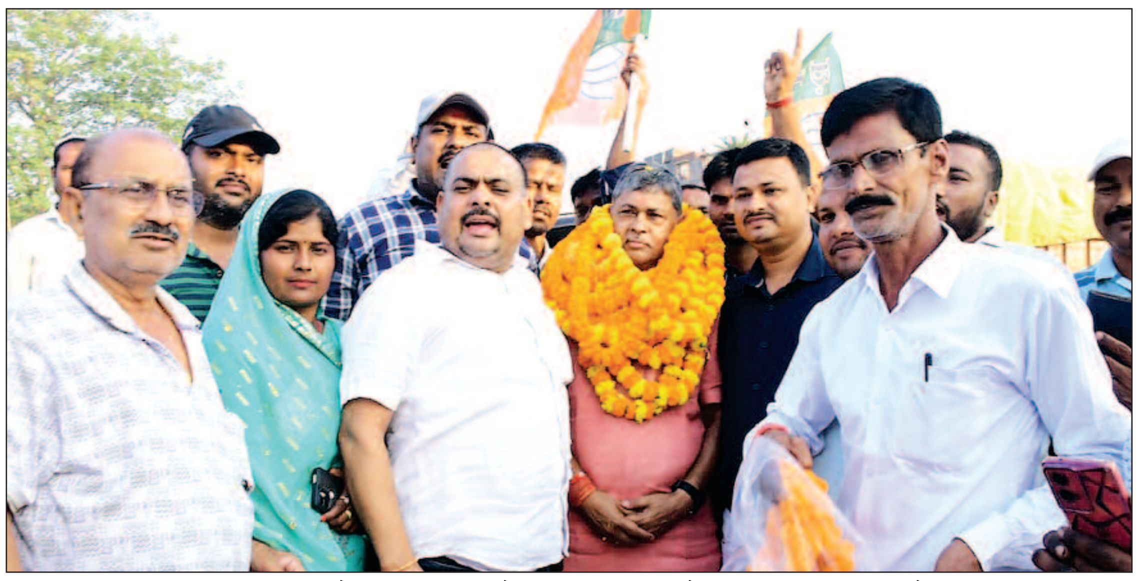

पूर्णिया। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पुनः पूर्णिया विधानसभा से एनडीए प्रत्याशी बनाए जाने के बाद विधायक विजय खेमका का पूर्णिया आगमन पर जोरदार स्वागत हुआ। कार्यकताओं और समर्थकों ने जगह-जगह फूलमालाओं से उनका अभिनंदन किया। हरदा बाजार, मधुबनी बाजार, रजनी चौक, रामबाग, कटिहार मोड़—हर मोड़ पर जयघोष और नारों की गूंज से पूरा इलाका गूंज उठा।

विजय खेमका जिंदाबाद, एनडीए जिन्दाबाद' के नारों के बीच सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। तीसरी बार भाजपा और एनडीए प्रत्याशी बनाए जाने पर कार्यकताओं में जबरदस्त जोश और आत्मविश्वास देखा गया। इस मौके पर विधायक विजय खेमका ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, वह कार्यकताओं की निष्ठा और जनता के आशीर्वाद का परिणाम है। पूर्णिया की जनता इस बार फिर से कमल खिलाएगी और विकास की नई गाथा लिखेगी। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा का संकल्प विकसित, आत्मनिर्भर और सुरक्षित पूर्णिया का है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के सहयोग से पूर्णिया को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाया जाएगा।

मिर्चएबारी पोखर से अपराधी धराए पुलिस ने बड़ी साजिश नाकाम की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी/पूर्णिया। आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित कराने के मद्देनजर प्रशासन अलर्ट मोड में है। प्रतिबंधित मादक पदार्थ तस्करों और आपराधिक गिरोहों पर नकेल कसने के लिए पुलिस की सघन कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने गुप्त सूचना पर त्वरित छापेमारी करते हुए बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना रच रहे दो अपराधियों को धर दबोचा, जबकि उनके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जानकारी देते हुए जानकीनगर थानाध्यक्ष परीक्षित पासवान ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूर्णिया के निदेशानुसार पूरे क्षेत्र में विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि चकमका ओपी क्षेत्र के मिर्चएबारी पोखर के समीप पांच अपराधी किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं।

सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) शैलेश प्रीतम के नेतृत्व में थानाध्यक्ष परीक्षित पासवान, चकमका ओपी प्रभारी पुअनि विवेक कुमार और रूपेश्वरी ओपी प्रभारी अनुष्का कुमारी की टीम ने विशेष कार्रवाई की।

जैसे ही पुलिस बल मिर्चएबारी पोखर के समीप पहुंचा, अपराधियों में अफरा-तफरी मच गई और वे भागने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो अपराधियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अपराधियों की पहचान मो. इम्तियाज और मो. तबारक, दोनों निवासी लक्ष्मीपुर, वीरनगर थाना, भरगामा (अररिया) के रूप में हुई है।

गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। वहीं, मो. इरशाद सहित तीन अन्य अपराधी फरार होने में सफल रहे, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अपराधियों के पास से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। गिरफ्तार दोनों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बनमनखी में सियासी गणित उलझा, जन सुराज की चाल से बदला समीकरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी/पूर्णिया (एसएनबी)। बनमनखी विधानसभा क्षेत्र संख्या 59 (अनुसूचित जाति) की राजनीति इस बार पूरी तरह नए समीकरणों में ढलती नजर आ रही है। जहां एक ओर भाजपा के दिग्गज विधायक कृष्ण कुमार ऋषि लगातार पांच बार की जीत का रिकॉर्ड अपने नाम रखते हैं, वहीं दूसरी ओर जन सुराज पार्टी की सक्रिय एंट्री ने इस परंपरागत राजनीतिक ढांचे में नई हलचल पैदा कर दी है।

बीते दो दशकों से बनमनखी सीट को भाजपा का गढ़ माना जाता रहा है, लेकिन इस बार सियासी तापमान कुछ और ही कहानी कह रहा है। जन सुराज पार्टी की रणनीतिक सक्रियता और राजद की संभावित नई रणनीति से मुकाबला सीधा नहीं, बल्कि त्रिकोणीय होता दिख रहा है। राजद की ओर से भले ही उम्मीदवार की घोषणा अब तक नहीं हुई हो, पर पार्टी के भीतर संजीव सोना उर्फ सोना पासवान की दावेदारी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। वे सामाजिक समीकरणों और स्थानीय उपस्थिति—दोनों मोर्चों पर मजबूत माने जा रहे हैं। यदि राजद ने उन पर भरोसा जताया, तो मुकाबला भाजपा और जन सुराज दोनों के लिए कड़ी चुनौती बन सकता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि पांच बार की सत्ता-समीक्षा झेल चुके विधायक के सामने अब जनता की अपेक्षाओं का नया प्रश्नपत्र है। लंबे कार्यकाल के बाद मतदाता अब काम और व्यक्तित्व—दोनों के तुलनात्मक मूल्यांकन की ओर झुकते दिखाई दे रहे हैं। दूसरी ओर, जन सुराज पार्टी का उभार बनमनखी की राजनीति में तीसरे विकल्प की तलाश के रूप में देखा जा रहा है। यह पार्टी उन मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश में है जो पारंपरिक दलों से दूरी बनाकर विकल्प आधारित राजनीति की ओर झुकाव दिखा रहे हैं। नामांकन प्रक्रिया जारी है, लेकिन अब तक किसी भी उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल नहीं किया है। यह संकेत भी महत्वपूर्ण है—राजनीतिक दल अभी अपने अंतिम पत्ते खोलने से बच रहे हैं। प्रशासन ने अनुमंडल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को सख्त कर दिया है और हर गतिविधि पर सीसीटीवी निगरानी रखी जा रही है।

मतदाता जागरूकता को भव्य रूप देने की तैयारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर मतदाता जागरूकता को प्रभावशाली बनाने के लिए जिले में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। नोडल पदाधिकारी, स्वीप कोषांग एवं सह- जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन स्टॉप सेंटर स्थित पालना घर को स्वीप कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए चिन्हित किया गया। बैठक में स्वीप कोषांग में तैनात प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और कर्मियों की समीक्षा की गई। विशेष रूप से 18 अक्टूबर 2025 को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय स्वीप कार्यक्रम और विधानसभा क्षेत्रों के उन मतदान केंद्रों (Low VTR) पर चर्चा की गई, जहां मतदान प्रतिशत कम रहता है।

जब आंखें ठहर गईं उजाला बनकर, पूर्णिया में नेत्रदान ने लिखी नई कहानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मानवता के विस्तार की दिशा में दधीचि देहदान समिति का 16वां कदम

पूर्णिया। कभी समाज में मृत्यु का अर्थ अंत माना जाता था, आज वही मृत्यु किसी और के जीवन का आरंभ बन रही है। पूर्णिया में नेत्रदान की परंपरा अब सेवा का नहीं, संवेदना का आंदोलन बन चुकी है। दधीचि देहदान समिति के निरंतर प्रयासों ने उस सोच को तोड़ा है, जो वर्षों तक अंधविश्वास और झिझक के बोझ तले दबी रही।

मंगलवार की रात गुलाबबाग में स्वर्गीय त्रिलोकचंद संचेती का नेत्रदान कराया गया। समिति और लायंस क्लब ऑफ पूर्णिया के संयुक्त प्रयास से संपन्न यह 16वां नेत्रदान केवल एक चिकित्सीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता की नई परिभाषा का प्रतीक बन गया। कटिहार मेडिकल कॉलेज से आई विशेषज्ञ टीम ने डॉ. अतुल के नेतृत्व में डॉ. मासूम और डॉ. अभिनव की मौजूदगी में यह नेत्र प्रत्यारोपण कार्य पूरा किया। घर के आंगन में गम का सन्नाटा था, लेकिन उस सन्नाटे में भी उम्मीद की एक किरण झिलमिला रही थी। स्वर्गीय त्रिलोकचंद संचेती की धर्मपत्नी गिन्नी देवी संचेती ने नम आंखों से कहा —हमारे लिए यह केवल नेत्रदान नहीं, बल्कि जीवन के प्रति उनका अंतिम संदेश है — कि मरने के बाद भी इंसान किसी के काम आ सकता है। यह सोच ही उनके जीवन को अमर कर गई। दधीचि देहदान समिति के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. एके गुप्ता ने कहा नेत्रदान किसी पुण्य से कम नहीं। जब एक व्यक्ति अपनी आंखें किसी अनजान को रोशनी देने के लिए दान करता है, तब वह केवल इंसान नहीं रहता, वह विचार बन जाता है — एक ऐसा विचार जो पीढ़ियों को रास्ता दिखाता है।

उन्होंने आगे कहा कि बीते एक वर्ष में पूर्णिया में 16 नेत्रदान कराना इस बात का संकेत है कि समाज अब संवेदना के स्तर पर परिपक्व हो रहा है। लोग अब यह समझने लगे हैं कि मृत्यु केवल शरीर का अंत है, आत्मा की उपयोगिता नहीं। कार्यक्रम में समिति की जिलाध्यक्ष हेना सईद, सचिव रविंद्र कुमार साह, लायंस क्लब के लायन नेमचंद बैंस, लायन संजय संचेती, लायन रूपेश डुंगरवाल, लायन पीयूष केडिया, संजय केडिया, सुरेंद्र गिरिया और प्रेमजी यश संचेती सहित कई समाजसेवी उपस्थित रहे।

नेत्रदान की यह श्रृंखला अब केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि समाज की चेतना का उत्सव बन चुकी है — जहाँ आंखें बंद होती हैं, वहीं किसी और की जिंदगी में उजाला जन्म लेता है।

गोरिया करमा कृषि विवि में तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रबी फसलों के बीज उत्पादन पर मिला व्यावहारिक ज्ञान, किसानों ने जताई संतुष्टि

बरही। बरही प्रखंड के गोरिया करमा स्थित कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति उप-परियोजना के अंतर्गत रबी फसलों के बीज उत्पादन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य हजारीबाग जिले के किसानों को रबी फसलों के बीज उत्पादन, संरक्षण और वैज्ञानिक खेती की विधियों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम में आईसीएआर-आईएआरआई गोरिया करमा परिसर के प्रभारी डॉ. सनत कुमार महंता ने किसानों को रबी फसलों के बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि 'अगर किसान वैज्ञानिक पद्धति से खेती करें तो हजारीबाग जिले में बीज उत्पादन के क्षेत्र में एक नई क्रांति आ सकती है।' डॉ. महंता ने यह भी बताया कि एससीएसपी योजना के तहत आने वाले तीन महीनों में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए बागवानी, सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, मछली पालन, केंचुआ खाद, जैव उर्वरक उत्पादन, मशरूम खेती, मोटे अनाज और कृषि मशीनरी तकनीक जैसे विषयों पर कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विशाल नाथ ने किसानों को रबी फसलों के बीज उत्पादन से होने वाले आर्थिक लाभ और फसल की गुणवत्ता बढ़ाने के वैज्ञानिक उपायों की जानकारी दी।

प्रशिक्षण का संचालन डॉ. सनत कुमार महंता और डॉ. विशाल नाथ के निर्देशन में कोर्स समन्वयक डॉ. आकाश ए (वैज्ञानिक, बीज विज्ञान), डॉ. कृष्ण प्रकाश (एससीएसपी नोडल अधिकारी), डॉ. पंकज कुमार सिन्हा, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. हीमानी प्रिया, डॉ. साहेब पाल, डॉ. पवित्रा के.एन., और श्री अरुण कुमार रजक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 30 किसानों ने भाग लिया और नवीन कृषि तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया।

कार्यक्रम के अंत में किसानों को कृषि उपकरण, गेहूं, सरसों, मक्का एवं सब्जियों के बीज वितरित किए गए तथा फीडबैक सत्र के दौरान किसानों ने विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की।

रूपौली विधानसभा क्षेत्र : आमोद कुमार बने जन सुराज के अधिकृत उम्मीदवार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रूपौली/पूर्णिया। जन सुराज ने रूपौली विधानसभा क्षेत्र से आमोद कुमार मंडल को अपना आधिकारिक प्रत्याशी घोषित कर दिया है। यह घोषणा पार्टी अध्यक्ष उदय सिंह और आर.पी. सिंह ने 13 अक्टूबर को पटना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान की।

टिकट मिलने के बाद आमोद कुमार ने बुधवार को रूपौली में मीडिया से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने अपने संकल्प को स्पष्ट करते हुए कहा कि वे जन सुराज के आदर्शों और प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे।

आमोद कुमार ने कहा, 'जन सुराज केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि जनता की आवाज और शासन व्यवस्था में बदलाव का प्रतीक है। हम हर घर तक अपने एजेंडे—शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और भ्रष्टाचारमुक्त शासन—को पहुंचाने का प्रयास करेंगे।'

प्रत्याशी ने इस अवसर पर अपने सभी कार्यकताओं, प्रखंड, अनुमंडल और जिला पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और आगे की लड़ाई को एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, पार्टी ने मुझे चेहरा बनाया है, लेकिन यह संघर्ष हम सभी का है। रूपौली के सभी साथियों से मैं मिलकर यह लड़ाई जीतने का आग्रह करता हूँ। इस कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी राजीव रंजन, वरिष्ठ नेता नेहार चंद्र और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

ठगा हुआ न महसूस करें मतदाता, कानूनी दायरे में लाये जाए दलों के घोषणा पत्र : अविनाश वर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ अविनाश वर्मा ने राष्ट्रपति को भेजा सुझाव पत्र

मेदिनीनगर (पलामू)। राजनीतिक, सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े अविनाश वर्मा ने देश के राष्ट्रपति को पत्र लिखकर देश के मतदाताओं के पक्ष में एक सुझाव पत्र ईमेल से प्रेषित किया है। पत्र में अविनाश वर्मा ने राष्ट्रपति को पर्व त्योहारों की बधाई देते हुए उनके लंबी उम्र की कामना की है । साथ ही उनके संघर्ष व सादगी को झारखंड समेत पूरे देश के लिए मिसाल बताया।

उन्होंने सुझाव के रूप में लिखा है कि देश में प्रतिवर्ष कहीं ना कहीं कई स्तर के चुनाव होते रहते हैं। उन चुनावों में राजनीतिक पार्टियां कई लुभावन घोषणाओं के साथ वायदों की सूची जारी करती है।? इसे वे सभी घोषणा पत्र के नाम से जानते हैं। मगर सत्ता प्राप्त होते संबंधित पार्टियां अपने ही घोषणा पत्र में किए गए वायदे से मुकर जाती है। देश के मतदाता अपने को ठगा व लाचार महसूस करता है।उनके पास कोई रास्ता या कानून नहीं है जहां वह आपत्ति दर्ज कर सके। साथ ही घोषणा पत्र के खिलाफ जाने वाली राजनीतिक पार्टियों पर कोई कानूनी कार्रवाई हो सके। अविनाश वर्मा ने कहा कि ऐसी स्थिति में इसे भी भारतीय दंड संहिता 420 व वर्तमान में भारतीय न्याय संहिता 318 के अंतर्गत लाकर दंड व सजा का प्रावधान तय किया जाना चाहिए।

जनादेश का अपमान कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं करेंगे कभी बर्दाश्त : रेखा सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । पलामू जिला महिला कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में हुई । इसकी अध्यक्षता पलामू जिला अध्यक्ष रेखा सिंह ने की। इसमें संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक महिलाओं की सक्रिय भागेदारी बढ़ाने व वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के विषय पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष रेखा सिंह ने कहा कि महिला कांग्रेस पूरी निष्ठा के साथ इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि जनादेश का अपमान कांग्रेस कार्यकर्ता कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। महिला कांग्रेस का हर सदस्य वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान को जिले के हर बूथ, हर वार्ड व हर गली तक पहुंचाएगा। रेखा सिंह ने कहा कि यह समय संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने का है। इससे कांग्रेस पार्टी की विचारधारा व जनता की आवाज को और सशक्त रूप से सामने लाया जा सके। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं से टीम भावना के साथ कार्य करने व अभियान की सफलता में सक्रिय योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित महिला कार्यकताओं ने एकजुट होकर अभियान को गति देने का संकल्प लिया। बैठक में सुनीता देवी, सीमा देवी, पूजा देवी, पिंकी देवी, रेखा देवी, बबीता देवी सहित दर्जनों महिला कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्रीमती रेखा सिंह ने अंत में कहा कि महिला कांग्रेस जनता की शक्ति पर विश्वास रखती है और सच्चाई व लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रहेगा।

जनता की उम्मीदों पर नई जिम्मेदारी
रानीपतरा की बेटी को जन सुराज ने दिया मौका

खगड़िया विस से जयंती पटेल प्रत्याशी घोषित मायके में खुशी तो उम्मीदों का बोझ भी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। संघर्ष, सेवा और सामाजिक सरोकार के लंबे सफर के बाद रानीपतरा की बेटी जयंती पटेल अब राजनीति के मैदान में उतरने जा रही हैं। जन सुराज पार्टी ने उन्हें खगड़िया विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाकर जनता की उम्मीदों की नई कहानी लिखने का अवसर दिया है। यह खबर जैसे ही उनके मायके रानीपतरा पहुँची, रानीपतरा में हर्ष का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने मिठाई बाँटकर बधाई दी और कहा कि यह न सिर्फ. एक बेटी की उपलब्धि है बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। हालांकि, लोगों ने यह भी स्वीकार किया कि अब जयंती पटेल के सामने असली चुनौती जनता का भरोसा जीतने की है — क्योंकि घोषणा तो सफलता की पहली शुरूआत है, जीत की मंज़िल अभी शेष है। रानीपतरा निवासी संजय कुमार चौधरी का कहना है कि जयंती पटेल ने समाजसेवा, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में लगातार काम किया है। उनकी सादगी, जनसरोकार से जुड़ी सोच और वर्षों का संघर्ष उन्हें आम लोगों के करीब लाया। यही कारण है कि पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है। स्थानीय निवासी , वकील यादव, दुर्गेश सोनी, अनिल ठाकुर, भगवान पोद्दार, और गजेंद्र ठाकुर ने संयुक्त रूप से कहा कि यह अवसर उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। इस मौके पर उपस्थित रानी पतरा निवासी सुदीप सरकार ने कहा कि जनता की अपेक्षाएँ अब जयंती पटेल से और बढ़ गई हैं। उम्मीद है कि वे इन्हें पूरा करने की दिशा में ईमानदारी से काम करेंगी और खगड़िया विधानसभा क्षेत्र से अपनी जीत दर्ज कर पार्टी के सिर्फ नेतृत्व और आम जनता के भावनाओं की मान रखेगी। जन सुराज पार्टी के इस निर्णय ने स्पष्ट किया है कि राजनीति में अब जनता से जुड़े लोगों को ही आगे लाया जा रहा है। परंतु यह भी उतना ही सच है कि राजनीति का असली मूल्यांकन जनता के मतदान से होता है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि रानीपतरा की यह बेटी अपने क्षेत्र के समर्थन को खगड़िया की जीत में कितना बदल पाती हैं। रानीपतरा की खुशी इस समय उम्मीद में तब्दील हो चुकी है— एक ऐसी उम्मीद जो संघर्ष, सेवा और सादगी से जन्मी है। जनता की नजर अब जयंती पटेल के अगले कदम पर है।

प्रमंडल स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिले में चार दिवसीय प्रमंडल स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य आगाज बुधवार को जिला स्कूल के खेल मैदान में हुआ। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उनके साथ उप विकास आयुक्त अंजनि कुमार, अपर समाहर्ता (विधि व्यवस्था), जिला खेल पदाधिकारी रवि शंकर झा, जिला शिक्षा पदाधिकारी अरविंद प्रकाश तथा अन्य शिक्षा और खेल विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस प्रतियोगिता में प्रमंडल के चारों जिलों से लगभग 350 छात्र-खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक मार्च पास्ट ने सभी का ध्यान खींचा, वहीं भारत स्काउट एंड गाइड्स की कलर पार्टी बैंड ने उत्साहपूर्ण धुनों से कार्यक्रम का रोमांच बढ़ाया। इस अवसर पर रामबाग उच्च विद्यालय के छात्रों ने मतदाता जागरूकता अभियान के तहत एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। छात्रों ने श्लोक, गीत और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से मतदान के महत्व और लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी को समझने का संदेश आम जनता तक पहुँचाया। इसके साथ ही कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत नृत्य ने दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी।

प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें शामिल थे—

जिला स्कूल ग्राउंडः कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल

डी.एस.ए. ग्राउंडः फुटबॉल (बालक-बालिका)

महात्मा गांधी इंडोर स्टेडियमः बैडमिंटन (बालक-बालिका)

खेल भवन पूर्णियाः ताइक्वांडो, भारोत्तोलन और शतरंज

उप विकास आयुक्त ने छात्रों को प्रेरक संबोधन देते हुए कहा, 'खेल केवल शौक नहीं, बल्कि करियर और भविष्य की दिशा भी हो सकता है। अनुशासन और मेहनत के साथ अभ्यास करें। सरकार खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए अनेक अवसर प्रदान कर रही है।' जिला पदाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'आप अपने खेल पर पूरा ध्यान दें, नियमित अभ्यास करें और अपने कौशल को निखारते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचें। हमें विश्वास है कि पूर्णिया के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा जिले का नाम रोशन करेगी।'

चार दिवसीय इस प्रतियोगिता का समापन 18 अक्टूबर 2025 को होगा, जिसमें विजेताओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए किया जाएगा।

राघोपुर में तेजस्वी ने किया नामांकन

लालू-राबड़ी और मीसा भारती रहीं मौजूद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राघोपुर से नामांकन कर दिया है। इस दौरान लालू यादव, राबड़ी देवी और बड़ी बहन मीसा भारती भी मौजूद रहीं। तेजस्वी के नामांकन केंद्र पर पहुंचते ही समर्थकों की भारी भीड़ जुटी। साथ ही सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किये गए थे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में आज नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राघोपुर सीट के लिये नॉमिनेशन कर दिया है। तेजस्वी यादव ने राघोपुर विधानसभा सीट से तीसरी बार अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान पूरे समाहरणालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

सुरक्षा को लेकर थी विशेष व्यवस्था

तस्वीरों में देखा गया कि लालू यादव व्हील चेयर पर मौजूद थे। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और तेजस्वी की बड़ी बहन मीसा भारती भी मौजूद रहीं। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई। समाहरणालय कैंपस में अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। डीएम वर्षा सिंह, एसडीएम रामबाबू बैठा और एसडीपीओ सुबोध कुमार ने नामांकन स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की थी और सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे कि किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी या अव्यवस्था न होने पाए।

समर्थकों के बीच भारी उत्साह

तेजस्वी यादव के नामांकन को लेकर समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। समर्थकों की भीड़ की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने समाहरणालय परिसर के आसपास नो व्हीकल जोन घोषित किया था। जगह-जगह पर बैरिकेडिंग लगाकर लोगों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया। इस दौरान पूरे इलाके में पुलिस बल, मजिस्ट्रेट और अर्धसैनिक बल मुस्तैद रहे।

राजद की पारंपरिक सीट रही है राघोपुर

मालूम हो राजद के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में तेजस्वी यादव ने नामांकन दाखिल किया। दरअसल, राघोपुर सीट राजद का पारंपरिक गढ़ रही है। यहां से पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी विधायक रह चुके हैं। तेजस्वी यादव अब तीसरी बार इसी सीट से चुनावी मैदान में हैं। हाजीपुर का पूरा इलाका बुधवार को चुनावी माहौल में डूबा रहा और सभी की नजरें अब राघोपुर की इस हॉट सीट पर टिकी हैं जहां मुकाबला बेहद दिलचस्प होने की उम्मीद है।

प्रेम कुमार और बिजेंद्र यादव 9वीं बार लड़ रहे चुनाव, हरिनारायण जीते तो बनेगा नया रिकार्ड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हरनौत से मौजूदा विधायक हरिनारायण सिंह लगातार 10वां चुनाव जीतते हैं तो नया रिकार्ड बना देंगे। बिहार में अब तक 10 बार बिहार विधानसभा का चुनाव कोई नहीं जीत सका है। जदयू ने उन्हें हरनौत से एक बार फिर उम्मीदवार बनाया है। हालांकि उम्र व स्वास्थ्य के कारण उनके फिर से चुनाव लड़ने पर संशय था। लगातार 8 बार चुनाव जीतनेवाले मौजूदा दो विधायकों ने क्लब 9 में शामिल होने के लिए चुनावी मैदान में अपनी दावेदारी पेश कर दी है। भाजपा के प्रेम कुमार और जदयू के बिजेंद्र प्रसाद यादव अगर इस बार चुनाव जीतते हैं तो नौ बार चुनाव जीतनेवाले सदस्यों की सूची में इन दोनों का नाम भी शामिल हो जायेगा।

हरिनारायण सिंह बना सकते हैं रिकार्ड

अब तक बिहार में नौ बार चुनाव जीतने का रिकार्ड केवल तीन लोगों के पास है जिनमें सदानंद सिंह, रमई राम और हरिनारायण सिंह शामिल हैं। सदानंद सिंह और रमई राम का निधन हो चुका है, ऐसे में माना जा रहा है कि हरिनारायण सिंह 10वीं बार चुनाव लड़ने का रिकार्ड इस बार अपने नाम करेंगे। हरिनारायण सिंह 1977, 1983, 1990, 2000, 2005 फरवरी, 2005 अक्टूबर, 2010, 2015 और 2020 में चुनाव जीता है। इसी तरह सदानंद सिंह पहली बार 1969 में कहलगांव से विधानसभा का चुनाव जीते। इसके बाद उन्होंने 1972, 1977, 1980, 1985, 2000, 2005 फरवरी, 2010, 2015 में विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की। इसी तरह रमई राम ने पहली बार बोचहां से 1972 में चुनाव जीता और फिर 1980, 1985, 1990, 1995, 2000, 2005 फरवरी, 2005 अक्टूबर, 2010 में विधानसभा का चुनाव जीते। रिकॉर्ड नौ बार जीतनेवाले लोगों के क्लब में शामिल होने की दहलीज पर ऊर्जा और योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव के अलावा सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार भी खड़े हैं। इन दोनों को पार्टी ने इस बार भी उम्मीदवार बनाया है। दोनों आठ बार विधानसभा पहुंच चुके हैं। बिजेन्द्र प्रसाद सुपौल से तो प्रेम कुमार वर्ष 1990 से गया से लगातार जीत रहे हैं। दोनों ही 1990, 1995, 2000, 2005 फरवरी, 2005 अक्टूबर, 2010, 2015 और 2020 में जीत दर्ज की है।

जदयू ने एलजेपी (रामविलास) के दावे वाली सीटों पर भी उतारे उम्मीदवार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जनता दल यूनाइटेड ने बुधवार को अपने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी ने आगामी चुनावों के लिए औपचारिक रूप से चुनावी रणभेरी फूंक दी है। उम्मीदवारों की इस पहली सूची में जेडीयू ने उन चार सीटों पर भी अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं, जिन पर लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान दावा कर रहे थे। इनमें सोनबरसा से रत्नेश सदा, मोरवा से विद्यासागर निषाद, एकमा से धूमल सिंह और राजगीर से कौशल किशोर शामिल हैं। यह कदम एनडीए गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर चल रहे तनाव के बीच आया है। हालांकि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने घोषणा की कि एनडीए पूरी तरह एकजुट है और बिहार के विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगा। पार्टी के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। वह पहले चरण में उम्मीदवारों के नामांकन में शामिल होंगे और कोसी इलाके में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। जेडीयू की पहली लिस्ट में कई मौजूदा विधायकों और राज्य मंत्रियों को फिर से टिकट दिया गया है जबकि कुल 23 वर्तमान विधायकों के नाम शामिल हैं। इस बार का विधानसभा चुनाव एक और बड़े बदलाव का गवाह बन रहा है। लगभग 20 वर्षों में यह पहली बार है जब जेडीयू चुनावी गठबंधन के तहत भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से अधिक सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रही है। एनडीए में सीट बंटवारे के तहत जेडीयू को बीजेपी के बराबर 101 सीटें मिली हैं। राजनीतिक गलियारों में इसे सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर बीजेपी के बढ़ते प्रभाव और जेडीयू द्वारा 'बड़े भाई' के दर्जे को खोने के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच टिकट बंटवारे को लेकर जेडीयू में कुछ नाराजगी की खबरें भी सामने आई हैं। गोपालपुर से जेडीयू विधायक गोपाल मंडल टिकट और पार्टी सिंबल न मिलने से नाराज होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास के बाहर धरने पर भी बैठ गए थे। हालांकि वरिष्ठ जेडीयू नेता विजय चौधरी ने स्वीकार किया कि पुराने कार्यकर्ताओं में नाराजगी है, लेकिन उन्हें मनाने की कोशिश की जा रही है।

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत 'चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा एवं स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत पूर्व मध्य रेल में 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में 'चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया तथा राजीव कुमार, मुख्य पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतियोगिता के विजेता को प्रशंसा पत्र एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही साथ मुख्यालय में कार्यरत सफाईकर्मियों के बीच जूट बैग एवं टोपी का वितरण किया गया। इस दौरान प्लास्टिक निर्मित बैग का प्रयोग न करने एवं प्रकृति को प्लास्टिक से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया तथा रेल परिसर, रेलवे स्टेशन को साफ एवं स्वच्छ रखने हेतु निर्देशित किया गया।

विदेशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी/गयाजी। गयाजी जिला के समेकित जांच चौकी डोभी गयाजी के द्वारा की गई वाहन जांच के दौरान एक पिकअप से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब के साथ दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की पुष्टि आबकारी विभाग निरीक्षण ने किया। उन्होंने बताया कि विधान सभा चुनाव को देखते हुए सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। वाहन जांच अभियान के दौरान समेकित जांच चौकी डोभी से एक चार पहिया वाहन पिकअप से 720 लीटर विदेश शराब के साथ दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

दीपावली-छठ के लिए पटना से 166 अतिरिक्त उड़ानें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा को देखते हुए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस पटना एयरपोर्ट से कुल 166 अतिरिक्त उड़ान सेवा देगी। इस कड़ी में 2 नवंबर तक एयर इंडिया पटना से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के लिए 114 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। इनमें दिल्ली-पटना-दिल्ली, मुंबई-पटना-मुंबई और बेंगलुरु-पटना-बेंगलुरु के लिए 38-38 उड़ानें शामिल हैं। दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा को देखते हुए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पटना एयरपोर्ट से कुल 166 अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की है। इसमें एयर इंडिया की 114 और एयर इंडिया एक्सप्रेस की 52 उड़ानों को शामिल किया गया है।

बेहतर होगी कनेक्टिविटी

मिली जानकारी के अनुसार ये उड़ानें न सिर्फ घरेलू, बल्कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को भी बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। 15 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच एयर इंडिया पटना से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के लिए 114 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। इनमें दिल्ली-पटना-दिल्ली, मुंबई-पटना-मुंबई और बेंगलुरु-पटना-बेंगलुरु के लिए 38-38 उड़ानें हैं।

इन शहरों के लिए उड़ान सेवा

इसके अलावा एयर इंडिया एक्सप्रेस 22 अक्टूबर से 3 नवंबर तक 52 उड़ानें संचालित करेगी। इसके तहत दिल्ली-पटना-दिल्ली और बेंगलुरु-पटना-बेंगलुरु के लिए 26-26 उड़ानों को शामिल किया गया है। यानी 15 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच दोनों एयरलाइंस दिल्ली-पटना-दिल्ली मार्ग पर 64, मुंबई-पटना-मुंबई मार्ग पर 38 और बेंगलुरु-पटना-बेंगलुरु मार्ग पर 64 उड़ान सेवा देगी।

वीमेंस ट्रेनिंग कॉलेज में दो दिवसीय दीवाली कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वीमेंस ट्रेनिंग कॉलेज में दो दिवसीय दीवाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ मुन्नवर जहां ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ जहां ने छात्राओं की ओर से लगाये गये स्टॉल की सराहना की और आर्ट एंड क्राफ्ट के मानव जीवन में महत्व को समझाया। कार्यक्रम में बीएड प्रथम वर्ष की सभी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं को आर्ट एंड क्राफ्ट के तहत ज्वेलरी और साज-सज्जा का सामान बनाना सिखाया गया।

जीबीएम कॉलेज में करियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज के सावित्री महाजन सभागार में प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल के निर्देशन में छात्राओं के लिए करियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन किया गया जिसमें एमिटी यूनिवर्सिटी के सेंटर मैनेजर रवि कुमार सिंह एवं लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब की ऑफिसर नूपुर ने छात्राओं को विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानकारियां दीं। एनआईआरएफ तथा नैक के बारे में सविस्तार समझाया। एमिटी यूनिवर्सिटी एवं एलपीयू यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित विभिन्न कोर्सेज एवं मिलने वाले एजुकेशनल बेनेफिट्स के बारे में बताया। कार्यक्रम को संबोधित करती हुई प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल ने छात्राओं को अपनी रुचि एवं सहूलियत का ध्यान रखते हुए कोर्सेज एवं करियर ऑप्शन सेलेक्ट करने के लिए कहा। उन्होंने छात्राओं को प्रोफेशनली इंडिपेंडेंट होने की सलाह दी। ताकि उन्हें उनके परिजन कभी भी बोझ कहकर हतोत्साहित नहीं करें। प्रधानाचार्या ने छात्राओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र एवं सशक्त होने का परामर्श दिया। उन्होंने कॉलेज में एक करियर काउंसिलिंग सेल के गठन की भी घोषणा की जिससे छात्राओं को कॉलेज के अनुभवी प्राध्यापक, प्राध्यापिकाओं एवं बाहर से आमंत्रित मार्गदर्शकों द्वारा करियर संबंधित उलझनों का हल बताया जायेगा। उनके लिए कौन से कोर्सेज एवं प्रोफेशन्स बेहतर होंगे, की जानकारी दी जायेगी। कॉलेज की पीआरओ डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने बताया कि कॉलेज में दिसंबर माह में एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा साइबर सेक्युरिटी सत्र का आयोजन किया जायेगा जबकि एलपीयू यूनिवर्सिटी द्वारा कॉलेज में आईटी स्किल्स एंड कम्प्यूटर प्रोफिशिएंसी विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन होगा। काउंसलिंग सेशन में डॉ सहदेब बाउरी, डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी, डॉ वीणा कुमारी जायसवाल, डॉ जया चौधरी, डॉ प्यारे मांझी, डॉ रानी, रौशन कुमार, अभिषेक कुमार एवं अनेक छात्राओं की उपस्थिति थी।

एएम कॉलेज में 45 विद्यार्थियों के बीच प्लेसमेंट सर्टिफिकेट वितरित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। गयाजी के अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय में बजाज सीपीबीएफआई ने ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट का अध्यनरत विद्यार्थियों के बीच प्रमाणपत्र वितरण किया। कार्यक्रम में बजाज फिनसर्व टाइम्स प्रो एवं कॉलेज के प्लेसमेंट सेल की सहभागिता से आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 45 विद्यार्थियों के बीच सर्टिफिकेट वितरित किया गया जिससे उनके रोजगार के अवसर में सहायक होगा। अतिथि के रूप में टाइम्स प्रो नई दिल्ली से अमरेश कुमार एवं कोलकाता से राहुल बसाक उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मो. नजीर अख्तर ने विद्यार्थियों को उनके लगन और मेहनत के लिए सराहा एवं अतिथियों के साथ उन्हें सर्टिफिकेट दिया। इस अवसर पर डॉ. अमृतेंदु घोषाल, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, डॉ. श्वेता सिंह, विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, डॉ. नीरज कुमार कमल भौतिक विज्ञान विभाग, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. अनामिका भगत अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. मोहन सिंह मनोविज्ञान विभाग, डॉ. सुनीता गणित विभाग एवं डॉ. रीना कुमारी अंग्रेजी विभाग उपस्थित थे। इस ट्रेनिंग कार्यक्रम के सफल संचालन में शिक्षार्थी अविश कुमार सलूजा बीसीए विभाग एवं खुशी कुमारी अंग्रेजी विभाग ने मुख्य भूमिका निभाई।

स्टडी किट एवं टूल किट के द्वारा रोजगार एवं स्वरोजगार का सुनहरा अवसर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। श्रम संसाधन विभाग अंतर्गत निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण (नियोजन), बिहार पटना के नियोजन सेवा का विस्तार एवं नियोजन-सह-मार्गदर्शन कार्यक्रम योजना के अंतर्गत योग्य अभ्यर्थियों को इन शर्तों के अनुरूप टूल-किट एवं स्टडी-किट प्रदान किया जाना है जिसमें टूल किट योजना के अंतर्गत वैसे अभ्यर्थी जिन्होंने इलेक्ट्रिशियन, फिटर, मोबाइल रिपेयर, ब्यूटीशियन, प्लंबर, इलेक्ट्रॉनिक रिपेयर, होम अप्लायंसेज रिपेयर, सिलाई मशीन ऑपरेटर इत्यादि के क्षेत्र में सेटी, जन शिक्षण संस्थान, पीएमकेभीवाई, डीडीयूजीकेवाई इत्यादि मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा (न्यूनतम तीन माह का) प्रशिक्षण प्राप्त एवं पूर्व से कार्य/ट्रेड में निपुण आरपीएल (रिकॉग्निशन ऑफ प्रेयर लर्निंग) के तहत नियमानुसार निर्गत प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो वो आवेदन दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थियों की उम्र सीमा 18-40 वर्ष तक होनी चाहिए। टूल किट प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी के पास एनसीएस आईडी, आय प्रमाण पत्र (वार्षिक 3 लाख तक), निवास प्रमाण पत्र, मैट्रिक सर्टिफिकेट, प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। टूल किट योजना का लाभ में दिव्यांजन, ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग एवं महिलाओं को प्राथमिकता दिया जाएगा। स्टडी किट योजना के अंतर्गत वैसे अभ्यर्थी जो किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा जैसे यूपीएससी, बीपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें स्टडी किट योजना के अंतर्गत परीक्षा की तैयारी से संबंधित पुस्तक दी जाएगी। स्टडी किट योजना में अभ्यर्थियों की उम्र सीमा एवं शैक्षणिक योग्यता प्रतियोगिता परीक्षा के मापदंड के अनुरूप होना चाहिए। आवेदन संबंधी दस्तावेज के अंतर्गत अभ्यर्थियों के पास एनसीएस आईडी, आय प्रमाण पत्र (वार्षिक 3 लाख तक), निवास प्रमाण पत्र, मैट्रिक सर्टिफिकेट, संबंधित प्रतियोगिता परीक्षा का साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा। योजना के लाभ में दिव्यांजन, ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग एवं महिलाओं को प्राथमिकता मिलेगी। उपरोक्त योजना का लाभ लेने हेतु अभ्यर्थियों को 6 माह पूर्व का एनसीएस निबंधन का साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा जिन अभ्यार्थियों के पास एनसीएस का रजिस्ट्रेशन नहीं है वो अवर प्रादेशिक नियोजनालय गया जी में अपना निबंधन कर सकते हैं।

युवक से मोबाइल छीनने की कोशिश, विरोध करने पर चाकू से हमला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। जिले में एक युवक पर चाकू से हमला हुआ। गंभीर हालत में परिजनों ने जय प्रकाश नारायण अस्पताल में एडमिट कराया जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद मगध मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घायल की पहचान मोख्तार आलम के पुत्र फरहान (25) के तौर पर हुई है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अबगिला बड़ी मस्जिद के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार फरहान ई-रिक्शा से शहर की ओर जा रहा था। बड़ी मस्जिद के पास एक अनजान युवक ने मोबाइल छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर फरहान के गर्दन और हाथ पर चाकू से हमला कर दिया जिससे लहूलुहान होकर वे गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया। लोगों ने हमलावर को मौके पर ही पकड़ लिया। गुस्साई भीड़ ने हमलावर की पिटाई कर दी जिससे वह भी घायल हो गया। पुलिस ने भीड़ से बचाकर अस्पताल पहुंचाया। मुफस्सिल थाना के इंस्पेक्टर एसके द्विवेदी ने बताया कि विवाद का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। छानबीन की जा रही है। फिलहाल दोनों घायल अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस मोबाइल लूट के प्रयास से जुड़े एंगल पर भी जांच कर रही है।

बीच की खाई को पाट कर ही विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की हो सकती है प्राप्ति : कुलपति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी(गयाजी)। ग्रामीण भारत एवं नगरीय भारत दोनों में बड़ी खाई है, आज देश के सामने गांव में रहने वाले युवा खासकर पढ़ने - लिखने वाले छात्रों का ज्ञान संवर्धन कैसे हो, उनके परिष्करण कैसे हो, उनका विकास कैसे हो ये सभी चुनौती का विषय है। केवल नगरीय क्षेत्र विकसित होते जाएं और ग्रामीण क्षेत्र पिछड़ते जाएं यह देश की सुरक्षा के लिए सही नहीं है और इस पर विचार-विमर्श कर समाधान निकालने की आवश्यकता है। इसलिए चाहे वो ज्ञान का क्षेत्र हो, चिकित्सा का क्षेत्र हो, चाहे अधिक्वता के क्षेत्र में हों, चाहे अभियंता के क्षेत्र में हों, चाहे निर्माण का क्षेत्र हो, चाहे उद्योग का क्षेत्र हो या कोई भी विकास का क्षेत्र हो जितनी जल्दी हो सके ग्रामीण और नगरीय भारत के बीच की खाई को समाप्त कर दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों एवं नगरीय क्षेत्रों के बीच की खाई को पाट कर ही हम एक समृद्ध भारत एवं विकसित भारत की परिकल्पना कर सकते हैं। उक्त वक्तव्य दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में राजर्षि जनक सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा ग्रामीण छात्रों के विकास में सार्वजनिक पुस्तकालय की भूमिकाः चुनौतियां और अवसर विषय पर मंगलवार को आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में दिया। राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं सीयूएसबी के सेन्ट्रल लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो के एन सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला का विषय समसामयिक और काफी महत्वपूर्ण है क्यूंकि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की बात करते हैं। वर्तमान परिदृश्य में समाज के हर वर्ग एवं ग्रामीण तथा शहरी इलाके के रहने वाले लोगों को बिना किसी भेदभाव के कंधे-से-कंधा मिलाकर साथ चलना होगा तभी विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति संभव हो पाएगी। मुझे प्रसन्नता है कि सीयूएसबी का ध्यय कैंपस फॉर कम्युनिटी है और ग्रामीण क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए इस तरह के कार्यशाला का आयोजन काफी सराहनीय है। कुलपति प्रो. सिंह ने कार्यशाला के आयोजन मंडल में शामिल सदस्यों क्रमशः लाइब्रेरियन डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. पंकज माथुर, असिस्टेंट लाइब्रेरियन डॉ. मयंक युवराज एवं अन्य पुस्तकालय कर्मियों की सराहना करते हुए बधाई तथा शुभकामनाएं दी। जन सम्पर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई और इसके पश्चात, लाइब्रेरियन डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने स्वागत भाषण में सभागार में मौजूद विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों, अधिकारियों, शोधार्थियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए दो-दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्यों से अवगत कराया।

पीएचसी डोभी में दिया गया सीपीआर का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी/गयाजी। गयाजी जिला के डोभी प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी के प्रांगण में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डोभी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति गया के निर्देशानुसार सीपीआर का प्रशिक्षण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी में आए सभी ग्रामीणों को दिया गया एवं बताया गया कि किसी भी तरह के मरीज जैसे एक्सीडेंट या किसी को हार्ट अटैक आता है तो इसे सीपीआर देकर बचाया जा सकता है। इसी प्रकार सरकारी स्कूल में भी छात्र-छात्राओं को भी प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में आये सहभागिता आईसीएमआर गया जी के टीम में डॉ आशीष की अहम भूमिका रहा। उन्होंने ग्रामीणों और विद्यालय के बच्चों को हार्ट अटैक के लक्षणों के बारे में बारीकी से बताया और सीपीआर देने का प्रशिक्षण दिया। साथ में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शिव शंकर झा, डॉ नरेश मालाकार, डॉ. अल्पेश, रूपेश कुमार, सीमा गुप्ता एवं अन्य कर्मी समिल्लित हुए।

कन्नड़ फिल्म अभिनेता किच्चा सुदीप ने किया पूर्वजों का पिंडदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। गयाजी में बहुभाषी व कन्नड़ फिल्म अभिनेता किच्चा सुदीप पहुंचे। मशहूर साउथ एक्टर सुदीप संजीव उर्फ किच्चा सुदीप ने अपनी मां और पूर्वजों के लिए पिंडदान का कर्मकांड किया। गयाजी में सुदीप संजीव ने कहा कि यहां पिंडदान का कर्मकांड कर अद्भुत शांति मिली है। पिंडदान तीर्थ पुरोहित विनोद आचार्य के द्वारा संपन्न कराया गया। इस दौरान किच्चा सुदीप के अलावे उनके परिवार के कई और सदस्य मौजूद थे जिसमें भाई-बहन और चाची शामिल थी। करीब 2 घंटे तक रहकर अपने मां और पूर्वजों का पिंडदान का कर्मकांड किया अभिनेता किच्चा सुदीप ने किया। वहीं तीर्थ पुरोहित बिनोद आचार्य ने बताया कि साउथ एक्टर किच्चा सुदीप ने गयाजी में पिंडदान किया। पिंडदान के बाद उन्होंने कहा कि यहां अद्भुत शांति मिली है। पिंडदान का कर्मकांड करने के बाद वह काफी प्रसन्नता महसूस कर रहे हैं। इसके अलावा सुदीप संजीव ने बिहार और गया की प्रशंसा की। बहुभाषी फिल्म अभिनेता सुदीप संजीव आज मंगलवार को गया एयरपोर्ट पहुंचे और फिर उसके बाद तीर्थ पुरोहित विनोद आचार्य द्वारा पिंडदान का कर्मकांड किया। इसके बाद विष्णुपद मंदिर पहुंचकर पिंड अर्पित किया। भगवान विष्णु के अलौकिक चरण चिन्ह का दर्शन किया। वहीं पावन फल्गु नदी को भी गए। इस तरह साउथ अभिनेता ने विष्णुपद अक्षयवट और फल्गु में पिंडदान का कर्मकांड संपन्न किया।

संपादकीय

कूटनीति बनाम मूल्यों की लड़ाई

भारत में महिला सशक्तीकरण की तस्वीर को सिर्फ इतने से समझा जा सकता है कि आज यहां महिलाएं अमूमन हर क्षेत्र में पुरुषों के समकक्ष खड़ी हैं। वे किसी भी जिम्मेदारी या दायित्व के मामले में बेहतरीन नतीजे दे सकती हैं। मगर चाहे-अनचाहे कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें महिलाओं के खिलाफ दुराग्रह आम दिखते हैं। गौरतलब है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने अपने भारत दौरे के क्रम में नई दिल्ली में शुक्रवार को जो संवाददाता सम्मेलन किया, उससे महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया। जिस दौर में भारत की बहुत सारी महिला पत्रकार देश-दुनिया की मुख्यधारा की पत्रकारिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कर रही हैं, वैसे समय में किसी देश के विदेश मंत्री से सवाल करने वालों के बीच उन्हें जगह नहीं दी जाए, तो यह न केवल सामान्य औपचारिकता के खिलाफ है, बल्कि पत्रकारिता के मोर्चे पर बेहद सक्षम रही महिलाओं को कमजोर मानने की तरह है। यह संभव है कि किसी देश के दूतावास के परिसर के संदर्भ में जो नियम-कायदे लागू होते हैं, उसके मुताबिक मेजबान देश के दखल की एक सीमा होगी। मगर यह विचित्र है कि संवाददाता सम्मेलन से महिला पत्रकारों को बाहर रखने के मसले पर सरकार की ओर से कोई औपचारिक विरोध दर्ज नहीं किया गया। इस मुद्दे के तूल पकड़ने के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक स्पष्टीकरण जरूर जारी किया कि इस संवाददाता सम्मेलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी ! सवालों से घिरने के बाद रविवार को मुत्ताकी के एक और संवाददाता सम्मेलन में महिला पत्रकारों को भी बुलाया गया। इसे सिर्फ गलती में सुधार की कोशिश ही कहा जा सकता है ! इससे पहले के संवाददाता सम्मेलन में महिलाओं को बाहर रखने के पीछे की मानसिकता सवालों से परे नहीं हो जाती। दुनिया भर में भू-राजनीतिक तकाजों के मुताबिक रणनीतिक रूप से किसी अन्य देश के साथ संवाद और संबंध के ऐसे प्रारूप तय किए जा सकते हैं, जिससे अपने देश के हित सुनिश्चित किए जा सकें। आतंकवाद के मोर्चे पर अफगानिस्तान के साथ संवाद कायम करना भारत के हित में हो सकता है, लेकिन इस क्रम में तालिबान के वैचारिक मानदंडों या मानसिकता को जगह देना कितना सही माना जा सकता है। अफगानिस्तान में वर्ष 2021 में सत्ता में आने के बाद तालिबान की सरकार की राजनीतिक विचारधारा और सामाजिक सोच से जुड़े पूर्वाग्रह छिपे नहीं रहे हैं। खासतौर पर महिलाओं के जीवन को लेकर उसकी संकीर्णता जगजाहिर रही है। अफगानिस्तान की महिलाओं और उनके मानव अधिकारों पर चोट करने वाली तालिबान की मानसिकता पर भारत में एक ठोस विरोध रहा है। मगर तमाम प्रगतिशील मूल्यों और अपेक्षाओं को दरकिनार करके तालिबान ने अफगानिस्तान की महिलाओं की शिक्षा और नौकरी से लेकर सार्वजनिक गतिविधियों तक को नियम-कायदे बना कर नियंत्रित किया।

आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्तूबर को मनाया गया। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है।

विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

(ललित गर्ग)

मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों।

यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात् स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम 'सहयोग' है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को 'सतत विकास लक्ष्यः लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी' के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानकीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है।

विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है।

विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाज़े बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि जो विश्व पहले एक साझा बाज़ार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से सीमाओं और अविश्वास की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवस यह सन्देश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं बल्कि मानकीकरण है। मानक देशों को एक साझा धरातल प्रदान करते हैं, जहाँ उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा का विश्वास इतना मजबूत होता है कि किसी अतिरिक्त शुल्क या रोक की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मानकीकरण दरअसल विश्वास का पुल है जो सीमाओं के आर-पार लोगों, वस्तुओं और विचारों को जोड़ता है। जब एक देश दूसरे देश के मानकों को स्वीकार करता है, तो यह आपसी सम्मान और पारदर्शिता का प्रतीक होता है। इसी प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सरलता आती है, सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी मिलती है और उपभोक्ता हित सुरक्षित रहते हैं। मानकीकरण की यह प्रक्रिया न केवल औद्योगिक या व्यापारिक है बल्कि यह मानवीय भी है। इसके मूल में समानता, निष्पक्षता और सहयोग की भावना निहित है। यह वह दर्शन है जो कहता है कि विश्व एक परिवार है और सबकी भलाई में ही अपनी भलाई है। अतः जब कोई राष्ट्र टैरिफ या प्रतिबंधों की दीवार खड़ी करता है, तो वह इस वैश्विक परिवार के बीच विभाजन की रेखा खींचता है। मानक उन रेखाओं को मिटाते हैं और संबंधों को जोड़ते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मानकीकरण केवल औद्योगिक मंच तक सीमित न रहे, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय नीति का भी आधार बने। विश्व के सभी देश मानकों के निर्धारण में समान भागीदारी करें ताकि कोई भी राष्ट्र या कंपनी इस प्रक्रिया पर वर्चस्व न जमा सके। छोटे और विकासशील देशों को भी अंतरराष्ट्रीय मानक संस्थाओं में समान अवसर मिले ताकि वे अपने उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से वैश्विक व्यापार में समान रूप से शामिल हो सकें। इसके साथ ही प्रमाणन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना आवश्यक है ताकि छोटे उद्योग भी मानक के अनुरूप अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। विश्व मानक दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानवता की प्रगति केवल आर्थिक शक्ति में नहीं बल्कि उस सहयोग और विश्वास में है जो मानकीकरण के माध्यम से संभव होता है। अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ जैसी नीतियाँ क्षणिक राजनीतिक लाभ तो दे सकती हैं, पर वे विश्व के समन्वित विकास और आपसी विश्वास को नष्ट करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि सभी राष्ट्र मानकीकरण की भावना को अपनाएँ और विश्व व्यापार को किसी प्रतिस्पर्धा या प्रतिशोध का माध्यम न बनाकर साझेदारी और साझा उन्नति का माध्यम बनाएँ। मानकीकरण ही वह अदृश्य तंतु एवं बुनियादी आधार है जो दुनिया को एकजुट रखता है। यह न केवल उत्पादन और व्यापार में गुणवत्ता लाता है बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में विश्वसनीयता और सुरक्षा का भाव जगाता है। विश्व मानक दिवस इस विचार का प्रतीक है कि जब तक हम समान मानकों और साझा मूल्यों से नहीं जुड़ते, तब तक विश्व की एकता अधूरी है। इसलिए इस दिवस पर यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि हम ऐसी नीतियों से दूर रहें जो विभाजन उत्पन्न करें, और मानकीकरण की उस साझा राह पर चलें जो सबके लिए विश्वास, सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। संपूर्ण मानक प्रणाली सहयोग पर आधारित है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

मंगोलिया से सामरिक साझेदारी कर मोदी ने चीन और रूस के प्रभाव को संतुलित कर दिया

(नीरज कुमार दुबे)

मंगोलिया के साथ मजबूत संबंध भारत के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। मंगोलिया, चीन और रूस के बीच स्थित एक भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र है। इस क्षेत्र में स्थिर और विश्वसनीय साझेदार के रूप में भारत की मौजूदगी, चीन और रूस के प्रभाव को संतुलित करने में मदद कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के बीच हुई वार्ता ने भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय रिश्तों की गहराई और बहुआयामी महत्व को पुनः रेखांकित किया है। यह बैठक केवल औपचारिक कूटनीतिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामरिक संबंधों को नई ऊर्जा देने का प्रयास थी। वार्ता के दौरान दोनों देशों ने मानवतावादी सहायता, मंगोलिया में सांस्कृतिक धरोहर स्थलों के पुनरुद्धार, आव्रजन, भूविज्ञान और खनिज संसाधनों, सहकारी समितियों के विकास और डिजिटल समाधानों के साझा उपयोग के लिए समझौता ज्ञापन (रूश) पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त, भारत और मंगोलिया के 70 वर्षों के द्विपक्षीय संबंधों की स्मृति में एक संयुक्त डाक टिकट भी जारी किया गया। ये पहलें स्पष्ट रूप से दिखाती हैं कि दोनों देशों का सहयोग अब केवल कूटनीतिक या आर्थिक नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और तकनीकी क्षेत्रों तक भी विस्तृत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत मंगोलियाई नागरिकों को मुफ्त ई-वीज़ा प्रदान करेगा और मंगोलिया के युवा सांस्कृतिक दूतों के वार्षिक दौरे का प्रायोजन भी करेगा। प्रधानमंत्री ने इसे सिर्फ कूटनीतिक कदम के रूप में नहीं बल्कि आत्मिक और आध्यात्मिक संबंधों के प्रतीक के रूप में बताया। यह ध्यान देने योग्य है कि मंगोलिया में बौद्ध धर्म के विकास में नालंदा विश्वविद्यालय का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मोदी ने नालंदा और गंदन मठ को जोड़ने की पहल का जिक्र करते हुए इस ऐतिहासिक संबंध में नई ऊर्जा लाने की बात कही। हम आपको बता दें कि सिर्फ सांस्कृतिक सहयोग ही नहीं, भारत ने मंगोलिया के विकास में भी एक स्थायी और भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। भारत की 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट से मंगोलिया में तेल रिफाइनरी परियोजना का निर्माण हो रहा है, जो मंगोलिया की ऊर्जा सुरक्षा को नई दिशा देगा। मंगोलियाई राष्ट्रपति ने इस परियोजना में भारत के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और डिजिटल सहयोग पर हस्ताक्षरित समझौते को भी ऐतिहासिक करार दिया। सामरिक दृष्टि से, मंगोलिया के साथ मजबूत संबंध भारत के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। मंगोलिया, चीन और रूस के बीच स्थित एक भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र है। चीन और रूस के प्रभाव को संतुलित करने में मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त, मंगोलिया में भारत की ऊर्जा और डिजिटल परियोजनाओं की भागीदारी न केवल आर्थिक लाभ देती है, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग को भी सुदृढ़ बनाती है। भारत और मंगोलिया के बीच सहयोगी खनिज और भूविज्ञान परियोजनाएं, दोनों देशों को प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण लाभ देती हैं। मंगोलियाई राष्ट्रपति की चार दिवसीय भारत यात्रा का औपचारिक कार्यक्रम भी इस रिश्ते की गंभीरता को दर्शाता है। राष्ट्रपति ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात एवं भोज का भी उनका कार्यक्रम रहा। उनके साथ उच्चस्तरीय मंत्रियों, सांसदों, वरिष्ठ अधिकारियों, व्यवसायिक नेताओं और सांस्कृतिक प्रतिनिधियों की टीम भी है। यह भारत-मंगोलिया संबंधों में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विमाओं के समन्वय का प्रतीक है। देखा जाये तो भारत-मंगोलिया संबंध सिर्फ कूटनीतिक प्रोटोकॉल नहीं हैं; ये एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी का संकेत हैं। भारत के लिए मंगोलिया केवल एक पारंपरिक मित्र देश नहीं, बल्कि एक भू-राजनीतिक सहयोगी है, जिसके माध्यम से क्षेत्रीय स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल साझेदारी को मजबूत किया जा सकता है। साथ ही, यह साझेदारी भारत को उत्तर और मध्य एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर देती है। इस तरह, मोदी और खुरेलसुख की नई पहलें केवल वर्तमान सहयोग की पुष्टि नहीं करतीं, बल्कि भविष्य की रणनीतिक साझेदारी की नींव भी रखती हैं। सहयोग और ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से भारत और मंगोलिया का संबंध अब न केवल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत प्रासंगिक हो गया है। यह यात्रा और समझौते इस ऐतिहासिक बंधन को और अधिक मज़बूत और बहुआयामी बनाते हैं। बहरहाल, भारत और मंगोलिया का रिश्ता केवल आधिकारिक या औपचारिक नहीं है; यह एक गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामरिक साझेदारी है। ऐसे रिश्ते न केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि भारत को एशिया में अपनी रणनीतिक और आर्थिक उपस्थिति मजबूत करने में भी सहायक हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तालिबान को इतना महत्व क्यों दे रहा भारत

राजेश कुमार पासी

विदेश नीति के बारे में एक बात कही जाती है कि कोई भी आपका स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता. अगर कुछ स्थायी होता है तो वो आपके देश के हित होते हैं। अपने देश के हित के सामने सिद्धांत और नैतिकता की भी अनदेखी करनी पड़ती है। आपको अपनी नीतियां देश के हित को देखते हुए बनानी पड़ती है और समय-समय पर उसमें बदलाव करने होते हैं । चाणक्य नीति कहती है कि आपके पड़ोसी का पड़ोसी आपका सच्चा दोस्त होता है । अफगानिस्तान हमारे पड़ोसी देशों पाकिस्तान और चीन का पड़ोसी है। यही कारण है कि वो हमारा सच्चा दोस्त बन सकता है ।

तालिबान पाकिस्तान की मदद से पैदा हुआ संगठन है जिसे अमेरिका ने अफगानिस्तान में रूस से लड़ने के लिए तैयार किया था। जब पिछली बार तालिबान सत्ता में आया तो वो पूरी तरह से पाकिस्तान के प्रभाव में रहा जिसके कारण हमारे रिश्ते बहुत बिगड़ गए थे । वाजपेयी सरकार के दौरान 1999 में भारत का एक हवाई जहाज हाईजैक करके कंधार ले जाया गया था । तब भारत ने तालिबान से मदद मांगी थी लेकिन उसे मदद नहीं मिली । तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह को तीन कुख्यात आतंकवादियों को लेकर वहां जाना पड़ा ताकि यात्रियों को सुरक्षित वापिस लाया जा सके । 2021 में अफगानिस्तान में एक बार फिर तालिबान के हाथ में सत्ता आ गई है । शुरुआत में लगा कि ये पुराना तालिबान है तो भारत के लिए अफगानिस्तान में अब कोई जगह नहीं बची है । कहा जाने लगा कि भारत ने अफगानिस्तान में जितना भी निवेश किया है, सब बेकार चला गया है । भारत ने वहां अपना दूतावास भी बंद कर दिया और अपने नागरिकों को वापिस बुला लिया । धीरे-धीरे भारत को अहसास हुआ कि ये पुराना तालिबान नहीं है बल्कि ये एक बदला हुआ तालिबान है । देखा जाए तो तालिबान की सोच और विचारधारा में कोई अंतर नहीं आया है लेकिन अब वो अफगानिस्तान में आतंकवाद को खत्म करना चाहता है । तालिबान खुद भी एक आतंकवादी संगठन है लेकिन सत्ता में आ जाने के बाद वो खुद को बदल रहा है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उसे अब एक देश को चलाना है और इसके लिए उसे पैसे चाहिए। तालिबान दूसरे देशों के साथ संबंध बना रहा है ताकि अपनी अर्थव्यवस्था को बेहतर कर सके और दुनिया में उसके शासन को मान्यता मिल सके। अमेरिका और चीन तालिबान के साथ बातचीत कर रहे हैं जबकि उन्होंने भी तालिबान को मान्यता नहीं दी है। भारत भी इसी रास्ते पर चल पड़ा है, उसने तालिबान को मान्यता नहीं दी है लेकिन उसके साथ संवाद स्थापित कर लिया है। अब भारत ने तालिबान के साथ रिश्तों को नया आयाम देना शुरू कर दिया है क्योंकि तालिबान भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है। भारत की मुख्य चिंता यह है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होना चाहिए। तालिबान कई बार भारत सरकार को यह आश्वासन दे चुका है कि वो अपनी धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं करने देगा। कुछ महीने पहले भारत के विदेश सचिव ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री से बात की थी । 9 अक्टूबर से अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी 6 दिन की भारत यात्रा कर रहे हैं। तालिबान की दोबारा वापसी के बाद उनका इस स्तर पर नई दिल्ली का पहला दौरा है, जो बता रहा है कि सही मायनों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। ये भारत की विदेश नीति का बड़ा मोड़ है, जिससे पूरी दुनिया हैरान है और कई देश बैचेन हैं। 2014 के बाद जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, उसने आतंकवाद के खिलाफ बेहद सख्त रुख अपनाया है । पाकिस्तान के साथ संवाद और व्यापार इसलिए बंद कर दिए गए हैं क्योंकि भारत का स्पष्ट रूप से कहना है कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है, इसलिए पाकिस्तान के साथ रिश्ते लगभग खत्म हो चुके हैं। पाकिस्तान आतंकवाद की नीति को छोड़ने को तैयार नहीं है, इसलिए भारत के साथ उसका संघर्ष बढ़ता जा रहा है । बेशक तालिबान एक आतंकवादी संगठन है लेकिन उसने वादा किया है कि वो अब आतंकवाद के रास्ते पर नहीं बढ़ेगा । इसके विपरीत वो आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का साथ देने को तैयार है । विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुत्ताकी की वार्ता में भारत ने अपने तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास में बदलने का फैसला किया है । देखा जाए तो ये भारत की तालिबान को मान्यता देने की ओर एक बड़ा कदम है । भारत का ये कदम दुनिया को हैरान करने वाला है क्योंकि भारत तालिबान की विचारधारा और उसकी सोच के साथ खड़ा नहीं हो सकता । सवाल पैदा होता है कि भारत अपनी सख्त आतंकवादी विरोधी नीति के बावजूद तालिबान के साथ रिश्ते क्यों बढ़ा रहा है। तालिबान की महिलाओं के प्रति जो नीति है, भारत उसका सख्त विरोधी है । मोदी सरकार की आलोचना हो रही है कि वो एक आतंकवादी संगठन से रिश्ते बना रही है । सवाल किया जा रहा है कि तालिबान भारत के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है । भारत ने यह सच स्वीकार कर लिया है कि तालिबान आज अफगानिस्तान की हकीकत है। वो लंबे समय तक अफगानिस्तान में शासन करने वाला है, निकट भविष्य में उसकी सत्ता को चुनौती देने वाला कोई दिखाई नहीं देता है। पाकिस्तान के साथ तालिबान के रिश्ते इतने बिगड़ चुके हैं कि वो पहले जैसे नहीं हो सकते। दूसरी बात यह है कि तालिबान पाकिस्तान की कठपुतली बनकर नहीं रहना चाहता, वो अपनी स्वतंत्र सत्ता चाहता है। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता जताई है। दूसरी तरफ मुत्ताकी भारत को अपना घनिष्ठ मित्र बता रहे हैं। अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस के कब्जे की अमेरिकी मंशा के विरोध में भारत ने चीन, रूस और पाकिस्तान के साथ खड़े होकर तालिबान के प्रति समर्थन दिखाया है । भारत के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अफगानिस्तान उन देशों में है जिन्होंने सबसे पहले पहलगाम आतंकी हमले की सार्वजनिक रूप से निंदा की थी । मुत्ताकी के दौरे के दौरान भारत ने इसके लिए तालिबान के प्रति आभार प्रकट किया है । जिस तालिबान को पाकिस्तान भारत के खिलाफ इस्तेमाल करना चाहता था, आज वही पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ सीमा संघर्ष में उलझा हुआ है। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा झटका है कि जिस तालिबान की उसने बड़ी मदद की, वो आज स्वतंत्र रूप से निर्णय ले रहा है। अमेरिका और चीन अफगानिस्तान में दखल बढ़ा रहे हैं, इसलिए भारत के लिए जरूरी हो गया है कि वो तालिबान के साथ अपने रिश्ते बनाए ताकि उसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ न किया जा सके । भारत और अफगानिस्तान के कई साझे हित हैं जिनके लिए दोनों मिलकर काम करना चाहते हैं । जिस तालिबान को आतंकवादी संगठन कहा जाता है, वह आज खुद आतंकवाद से डरा हुआ है । इस्लामिक स्टेट(आईएसआईएस) पाकिस्तान की मदद से अफगानिस्तान में पैर फैलाना चाहता है जिसे तालिबान अपने लिए बड़ा खतरा मानता है। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ इस संगठन का समझौता हो चुका है, यह भारत के लिए खतरे की घंटी है । इस्लामिक स्टेट से दोनों देशों को बड़ा खतरा है, इसलिए इस मामले में दोनों ने मिलकर चलने का फैसला किया है । मुत्ताकी का भारत दौरा दोनों देशों के बीच एक सकारात्मक पहल है। भारत ने अफगानिस्तान में सड़क, बिजली, बांध और अन्य कई परियोजनाओं से अफगानिस्तान की जनता के लिए बहुत काम किया है। तालिबान के लिए इन परियोजनाओं को चलाए रखने के लिए पैसे की जरूरत है जो उसे अन्य देशों के साथ रिश्ते बनाकर ही हासिल हो सकती है। भारत इसमें उसकी बड़ी मदद कर सकता है। चीन अफगानिस्तान में निवेश करना चाहता है, इसलिए भारत नहीं चाहता है कि अफगानिस्तान पूरी तरह से चीन और पाकिस्तान के कब्जे में चला जाए। ये दोनों देश मिलकर अफगानिस्तान पर अपना प्रभुत्व जमाना चाहते हैं। मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को नहीं बुलाया गया था लेकिन जब भारत में इसका विरोध हुआ तो उन्होंने दूसरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को पहली पंक्ति में बैठाया और उनके सवालों के जवाब भी दिए। इससे पता चलता है कि तालिबान भारत के महत्व को देखते हुए अपनी विचारधारा से भी समझौता करने को तैयार है । तालिबान को पता चल गया है कि भारत उसका इस्तेमाल नहीं करना चाहता है बल्कि वो अफगानिस्तान में शांति, स्थिरता और विकास चाहता है। यही कारण है कि तालिबान भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। उसने अफगानिस्तान में मौजूद दुर्लभ खनिज पदार्थों की खोज और खनन के लिए भी भारत को आमंत्रित किया है। इससे पता चलता है कि तालिबान भारत को भरोसेमंद मित्र देश मानता है। आज की हकीकत यह है कि तालिबान भारत पर सबसे ज्यादा भरोसा जता रहा है।

New page 7_page 12 29.05.2025.qxd 15-10-2025 20:14 Page 1

नकॉर्ड की जिलास्तरीय समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज समाहरणालय सभागार में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में मादक पदार्थों की तस्करी एवं खेती की रोकथाम हेतु जिला स्तरीय (नकॉर्ड) समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी एवं इसकी खेती पर रोकथाम करने पर चर्चा किया गया तथा विभिन्न स्तर पर समन्वय एवं सहयोग स्थापित करने हेतु नकॉर्ड समिति के सभी सदस्यों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर नशीली दवाओं की लत, मादक पदार्थों वाले क्षेत्रों, नशीली दवाओं के उपयोग के प्रमुख क्षेत्रों तथा नशीली दवाओं की समस्या से निपटने के लिए संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाई से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में जिले में नशीली दवाओं के दुरुपयोग व मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मादक पदार्थ की बिक्री, सेवन, तस्करी व उपयोग पर सजगता के साथ लोगो के ऐसे कार्यों में संलिप्तता पर नजर रखने और जिन क्षेत्र में अफीम की

खेती की सूचना मिलती है तो खेती के विनष्टीकरण के साथ-साथ जिनके द्वारा खेती की गई है और जो लोग उसमें संलिप्त हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने औषधि निरीक्षक को निर्देशित किया कि नशा वाली दवाइयों का प्रॉपर तरीके से रिपोर्ट रखें। दवा देते समय चिकित्सक की पर्ची का अनिवार्य रूप से जांच करें। इसके साथ ही झोला छाप चिकित्सकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। मौके पर पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, ड्रग इंस्पेक्टर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नवनिर्मित फोर लेन सड़क धंसी, चर्चा तेज

लोगों ने की मरम्मत की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चास। चास शहर की नवनिर्मित फोरलेन सड़क पर बड़ी लापरवाही सामने आई है। धर्मशाला मोड़ से पुरुलिया जाने वाली मुख्य सड़क पर वन विभाग के रेंजर ऑफिस के पास सड़क धंस गई है। बीच सड़क में करीब तीन फीट गहरा गड्ढा बन गया है और उसके चारों ओर दरारें फैल गई है।

हादसे से बचने के लिए स्थानीय लोगों ने टहनियां और लाल कपड़ा लगाकर रास्ता चिन्हित किया है, लेकिन इसके बावजूद यह जगह वाहनों के लिए बड़ा खतरा बनी हुई है। रोजाना सैकड़ों वाहन इसी मार्ग से गुजरते हैं।

सड़क निर्माण विभाग का कहना है कि चास नगर निगम द्वारा पानी सप्लाई योजना के तहत सड़क के नीचे इप लाइन बिछाया गया है। पाइप की टेस्टिंग के दौरान लीकेज हुआ, जिससे पानी रिसकर सड़क के नीचे की मिट्टी धंस गई। नवनिर्मित सड़क की ऊपरी परत टूटकर बैठ गई।

सड़क निर्माण करने वाली एजेंसी और पाइप लाइन टेस्टिंग करने वाली कंपनी एक-दूसरे पर गलती मढ़ रही हैं। इधर, झारखंड सरकार का पथ निर्माण विभाग का कार्यालय इसी सड़क से महज 500 गज की दूरी पर स्थित है, लेकिन विभाग के कार्यपालक अभियंता से लेकर अन्य कर्मचारी तक ने मौके का निरीक्षण करना भी जरूरी नहीं समझा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग की लापरवाही और ठेकेदारों की मनमानी से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। नागरिकों ने मांग की है कि तत्काल मरम्मत कार्य शुरू हो और जिम्मेदार एजेंसियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

आदिवासियों ने निकाली विरोध रैली

25 अक्टूबर को कोल्हान में आर्थिक नाकेबंदी की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। सारंडा को सेंचुरी घोषित करने के विरोध में सामाजिक संगठनों के बैनर तले जन आक्रोश रैली निकाली गई और कोल्हान -सारंडा क्षेत्र के लोग सड़कों पर उतरे हैं। इस मामले को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उच्चतम न्यायालय का रुख कर चुके हैं।

राज्य सरकार के अनुसार सारंडा जंगल क्षेत्र में रह रहे लोगों को किसी भी तरह से परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री की मुख्य चिंता सारंडा क्षेत्र में रह रहे लोग हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लड़ रहे हैं एवं लड़ते रहेंगे। वहां के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए, खनिज संसाधन को कुछ समय तक नजरअंदाज भी कर सकते हैं लेकिन लोगों के अधिकार से कोई समझौता नहीं होगा। हमारी सरकार उस क्षेत्र में रह रहे लोगों के अधिकार की रक्षा करने के शर्त के साथ कोर्ट जा रही है। कोर्ट का निर्णय मानेंगे तब जब हमारी इन मानवीय निर्णयों पर विचार किया जाएगा और दूसरी तरफ बता दूं कि यह लड़ाई वहां के लोगों के साथ - साथ मेरी भी है, हम हर संभव इसे जीतने का प्रयास करेंगे।

आदिवासी संगठनों ने महामहिम राज्यपाल के नाम सारंडा सेंचुरी मामले में पुनर्विचार करने को लेकर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन और कहा है कि 25 अक्टूबर को कोल्हान में आर्थिक नाकेबंदी करेंगे।

सोमेश सोरेन और बाबूलाल सोरेन होंगे आमने-सामने

घाटशिला उप चुनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

घाटशिला। झारखंड के घाटशिला विधानसभा में 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा से दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन को उम्मीदवार बनाया गया। पिता के निधन के बाद घाटशिला विधानसभा की राजनीति में सक्रिय हुए थे।

बीते 13 अक्टूबर को ही सोमेश ने घाटशिला अनुमंडल कार्यालय से नामांकन प्रपत्र खरीदा था। सोमेश पहली बार झामुमो की टिकट पर ये विधानसभा उपचुनाव लड़ेंगे। वहीं भाजपा के उम्मीदवार के रूप में बाबूलाल सोरेन के नाम की घोषणा की गई। वे पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र है।

पिछले विधानसभा चुनाव में वे झामुमो के प्रत्याशी रामदास सोरेन से चुनाव हार गए थे। महज कुछ दिनों के बाद ही रामदास सोरेन के निधन के बाद दोबारा हो रहे उपचुनाव में भी भाजपा ने बाबूलाल सोरेन को दोबारा प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा। राजनीति के जानकारों की मानें तो इस उपचुनाव में दोनों ही दल के बीच कांटे की टक्कर होने की प्रबल संभावना है।

घाटशिला उपचुनाव के रणभेरी में सीएम हेमंत सोरेन भी अब झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए मैदान में उतरेंगे। आगामी 17 अक्टूबर को घाटशिला के दाहीगोड़ा सर्कस मैदान में झामुमो की नामांकन सभा होगी।

इस नामांकन सभा में सीएम हेमंत सोरेन शामिल होंगे। दोपहर लगभग 12 :15 बजे सीएम हेमंत सोरेन हेलीकॉप्टर से दाहीगोड़ा सर्कस मैदान में पहुंचेंगे। नामांकन सभा के बाद वे झामुमो प्रत्याशी के नामांकन में सोमेश के संग अनुमंडल कार्यालय भी जाएंगे। सीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर झामुमो ने तैयारी शुरू कर दी है।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उपायुक्त ने दिये कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन व सड़क हादसे में कमी लाने के उद्देश्य से करें कर्या उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में शहरी परिवहन, यातायात एवं सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओ की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक, वन प्रमंडल पदाधिकारी, पश्चिमी, अपर समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान उपायुक्त सड़क सुरक्षा समिति द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने पेंडिंग हिट एंड रन केस के मामलों में

जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में सड़क हादसों को कम करने के उदेश्य से किये जा रहे कार्यों की समीक्षा के अलावा आईआरएडी एप पर सड़क दुर्घटनाओं में मृत व घायलों से जुड़ी जानकारी को अपडेट रखने का निदेश दिया। साथ ही दुर्घटनाओं को रोकने हेतु लगाई गई साइन बोर्ड की संख्या में वृद्धि कर वाहनों का स्पीड कम करने हेतु कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया।

जिले में दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से सभी घटनाओं के डेटा को संग्रहित कर एनालेसिस करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए ब्लैक स्पॉट को चिन्हित करते हुए उन स्थानों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कार्य करने का निदेश दिया गया, ताकि ब्लैक स्पॉट की जगह हादसों में कमी लाई जा सके। बैठक के दौरान उपायुक्त ने ओवर स्पीडिंग पर रोक लगाने, ज्यादा दुर्घटना वाले क्षेत्रों में हाई मास्ट लाइट लगाने, सीसीटीवी कैमरे, वाहन जांच अभियान, जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन, ब्लैक स्पॉट चिंहितिकरण आदि को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलने व अवैध परिवहन पर लगाम लगाने हेतु समय-समय पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमित रूप से जिले के सभी क्षेत्रों में सभी थाना प्रभारी को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। ताकि लोगों में जागरूकता फैले और वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग करें जिससे हो रही दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। इन सबके अलावा बैठक के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

आदिम जनजाति के युवक को हाथी ने कुचला

ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार से किया इंकार

जिला प्रशासन कर रही मान-मनौव्वल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेराल। मेराल थाना क्षेत्र के लुप्तप्राय आदिम जनजाति बाहुल्य आबादी वाला बहेरवा गांव में हाथियों की झुंड ने 25 वर्षीय रमेश परहिया को कुचलकर मार डाला। जानकारी के अनुसार आदिम जनजाति के रमेश परहिया बाजार से सामान खरीद कर जंगली तथा पथरीली रास्ते से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान हाथियों की नजर उस पर पड़ गई। देखते ही देखते हाथियों के झुंड रमेश पर टूट पड़ी तथा कुचलकर उसकी जान ले ली।

किसी प्रकार से आस-पास के लोगों को घटना की जानकारी मिल गई तथा लोगों ने रमेश के परिवार वालों तथा गांव के लोगों को इसकी जानकारी दी। मृतक के स्वजन तथा गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे तब तक हाथियों के झुंड वहां से निकल चुकी थी।

घटना के बाद जहां मृतक के स्वजन का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं लोगों में प्रशासन तथा वन विभाग के प्रति काफी नाराजगी भी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मेराल थाना के एसआई दिनेश कुमार मुंडा, पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर सोमवार को पहुंचे।

साथ ही वन विभाग के वनरक्षी भी वहां पहुंचे। अधिकारियों तथा वन विभाग के लोगों को देखते ही गांव वालों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए लोगों ने रमेश परहिया के शव को उठाने से पुलिस को रोक दिया।आक्रोशित लोग पीड़ित परिवार को तत्काल दो लाख नगद तथा अन्य सहायता उपलब्ध कराने की मांग करने लगे।

स्थानीय लोगों का गुस्सा इस बात पर अधिक था कि हाथियों के उत्पाद की जानकारी मिलने के बाद भी वन विभाग तथा प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिसके कारण आज रमेश परहिया की जान चली गई तथा उसके परिवार एवं बच्चे अनाथ हो गए।

जानकारी के अनुसार वन विभाग द्वारा पीड़ित परिवार को तत्काल 50 हजार रुपये नगद दिया जा रहा था, लेकिन लोगों ने इसे लेने से इनकार कर दिया। लोगों का कहना है कि वन विभाग की लापरवाही के कारण यह घटना घटी है।

हाथी के भय से कई लोग पहले भी बेघर हो चुके हैं। इसलिए पीड़ित परिवार को तुरंत दो लाख रुपये उपलब्ध कराया जाए। ताकि उसके बाल बच्चों का भरण-पोषण हो सके।

दूसरे दिन तक मेराल थाना की पुलिस तथा वन विभाग के लोग आक्रोशित लोगों को समझाने बुझाने में लगे हुए थे, जबकि रमेश परहिया का शव घटनास्थल पर ही पड़ा हुआ था। ग्रामीण उसके शव को घेर कर बैठे हुए हैं।

विहिप एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन, लगायी न्याय की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर थाना कांड सं0 251/25 अन्तर्गत धारा 191 (2)/ 191(3)/ 190/126(2) /115(2)/ 109/ 352/ 351/ (3) वीएनएस में उल्लेखित घटना क्रम के तथ्यों की सघनता एवं निष्पक्षता पूर्वक जाँचों उपरांत ही अंकित अभियुक्तो के विरूद्ध कार्रवाई करने एवं निर्दोष अभियुक्तो को आरोप मुक्त करने हेतु आवेदन पुलिस अधीक्षक को आवेदन देखकर अवगत कराया गया।

आवेदन में उल्लेखित सभी तथ्य आधारहीन झुठा, एवं मनगढंत तथा राजनैतिक रंग से भरा होने का आरोप लगाया गया है। उपरोक्त कांड की घटना का सिधा संबंध गिरिडीह नगर थाना कांड से 244/25 से हैं। घटना का संक्षिप्त विवरण है कि एक लाल रंग का टोटो वाहन जिसपर प्रतिबंधित गौ मांस छिपाकर बवरवाडीह की ओर ले जाया जा रहा था जिसे रामनगर के समीप कुछ युवकों ने रोका तथा पुछताछ किया तभी वहाँ प्रशासन की एक वाहन पहुँची जिसे युवको ने उन्हें रूकवाया। जिसपर पदाधिकारी ने कहा कि इसे मैं थाना ले जा रहा हूँ और टोटो वाहन को साथ लेकर चला गया। परन्तु वीर कुआर सिंह चौक से जिप्सी गाँधी चौक के तरफ चली गई तथा टोटो

तेज गति से सिधा भागने लगी थी। ऑल-इन-वन के समीप खडा युवक उसे रोका जिसपर टोटो चालक गाली-गलौज एवं धमकी देने लगा। जिसपर काफी लोग वहाँ जमा हो गये। तभी चालक हाथा-पाई कर भागने का प्रयास करने लगा जिसपर दोनो ओर से हाथापाई हुई । जिसे इन्कार नही किया जा सकता। तदुपरांत थाना को सूचना दिया गया। पुलिस पहुँची और टोटो का मुआयना किया जिसमें पिला रंग के बोरा में छिपाकर रखा गौ मांस पाया गया। प्रशासन टोटो एवं चालक दोनों को हिरासत में लिया तथा युवक को साथ में लेकर थाना आई। जब्ती सुची बनाई जिसपर युवक का हस्ताक्षर करवाई तथा प्राथमिकी दर्ज किया गया। जहाँ टोटो चालक ने अपना जुर्म कबुला तथा सरगना का नाम भी बताया।घटना के दुसरे दिन 11.10.2025 को टोटो चालक की मौ शहजादी प्रवीण मनगढंत कहानी बनाकर कुछ युवकों का नाम अंकित कर प्राथमिक दर्ज करने हेतु थाना में आवेदन दिया परन्तु थाना द्वारा उसपर कारवाई नही किया।

आवेदन में यह भी कहा गया है कि तब से पुनः समप्रदाय विशेष के राजनैतिक प्रभाव वाले व्यक्ति इस घटना को साम्प्रदायिक रंग देने एवं सामाजिक विद्वेष फैलाकर अपनी रोटी सेकने की नियत से नगर थाना कांड से 244/25 की जप्ती सूची के साक्षियों को भी अभियुक्त बनाते हुये थाना में आवेदन प्रस्तुत कर 13 लोगों के विरूद्ध विभिन्न अपराध की धाराओ से प्राथमिकी दर्ज करवाया गया। और समप्रदाय विशेष को खुश करने की कवायद हुई है। सभी घटना क्रम की साक्ष्य भी हमारे पास उपलब्ध है। यह भी ज्ञात हुआ है कि सम्प्रदाय विशेष के लोगो द्वारा घटना का बदला लेने तथा इसे सम्प्रदायिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। उपरोक्त कांड का अनुसंधानकर्ता भी समप्रदाय विशेष के पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है उपायुक्त से आग्रह है कि घटना की जाँच अपने स्तर से निष्पक्ष पूर्वक करते हुए अभियुक्तों को इंसाफ दिलाई जाय।

शिक्षिका से दुष्कर्म का प्रयास, गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गुरारू बाजार के स्टेशन रोड में सोसायटी भवन के पास स्थित रामप्रवेश यादव के मकान में किराएदार के रूप में रह रही उत्तर प्रदेश निवासी व स्थानीय प्रखंड के एक प्लस टू विद्यालय में कार्यरत शिक्षिका के साथ मकान मालिक के शादीशुदा पुत्र मुकेश कुमार यादव (उम्र लगभग 30 वर्ष) ने मंगलवार की देर रात जमकर जोर जबरदस्ती की।

इसी दौरान छेड़छाड़ करने लगा। अपनी आबरु बचाने के लिए मुकेश के चंगुल से छूट कर शिक्षिका कमरा के बालकनी में मुख्य सड़क की तरफ आकर.चिल्लाने लगी। इसके बाद सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

यह देख मुकेश ने बगल के एक-दूसरे से सटे तीन चार घरों के एक छत से दूसरे छत पर कूदते हुए भागने का प्रयास किया । लेकिन भीड़ ने उसे चौथे घर में कूदने पर धर दबोचा।

इसके बाद स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उसे हिरासत में लिया। वह उक्त मकान के दूसरी मंजिल पर कमरा लेकर वहां अकेली रहती थी । जबकि मुकेश मकान के पहली मंजिल पर अपनी पत्नी व दो पुत्रों के साथ रहता था।

मुकेश की पत्नी मंगलवार को वहां नहीं थी। पत्नी ने मुकेश के लिए भोजन बना देने के लिए शिक्षिका से बोली थी । रात में लगभग साढ़े दस बजे वह दूसरी मंजिल पर पहुंच शिक्षिका के बंद कमरे का दरवाजा खटखटाया व भोजन मांगा। जब रोटी देने के लिए शिक्षिका ने कमरे का दरवाजा खोला ।

तब उसने जोर जबरदस्ती शुरू कर दी। थानाध्यक्ष अखलेश कुमार ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की लिखित आवेदन शिक्षिका ने दी है। प्राथमिकी की गई है। हिरासत में लिए जाने के बाद जांच में आरोपित के शराब पिए रहने की पुष्टि हुई है।

जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय के सभाकक्ष में आज उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक की गयी। इस दौरान उपायुक्त ने अवैध उत्खनन के रोकथाम के लिए पूर्व के बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन की बिन्दुवार समीक्षा समीक्षा की। इस दौरान सीसीएल के पट्टा क्षेत्र, वन क्षेत्रों हो रहे मायका अभ्रक के अवैध उत्खनन व अन्य क्षेत्रों में कोयलों के अवैध उत्खनन व प्रेषण की रोकथाम व अन्य पर विचार विमर्श किया गया। बालू घाटों के संचालन एवं बालू के अवैध भंडारण उठाव एवं परिवहन के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

इसके अलावा उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को अवैध खनन, परिवहन, भंडारण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज कर उचित करवाई करें। साथ ही अवैध रूप से खनिज लदे वाहनों की भी जांच करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि अवैध उत्खनन रोकने की दिशा में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी से समन्वय बनाकर संबंधित विभाग कड़ा रूख अख्तियार करें। उन्होंने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए सख्त कदम उठाएं। जांच-पड़ताल के साथ छापेमारी अभियान चलाएं। बैठक में पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, जिला परिवहन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, आरओ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सभी अंचलाधिकारी, फैक्टरी इंस्पेक्टर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नदी से मिली युवक की लाश

जहानाबाद। थाना क्षेत्र के चुनुकपुर गांव के समीप फल्गु नदी से बुधवार की सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया। उसकी पहचान चुनुकपुर गांव के 19 वर्षीय कौशल कुमार के रूप में हुई। शव मिलने की सूचना पर स्वजन व ग्रामीण आक्रोशित हो गए और पुलिस पर युवक की हत्या कर शव नदी में फेंकने का आरोप लगा जहानाबाद- एकंगरसराय एनएच-33 पर झुनकी पुल के पास आवागमन बाधित कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की रात पुलिस ने पूर्व के केस में नामजद आरोपित कृष्णा यादव की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की थी, गिरफ्तारी का विरोध करने पर पुलिस ने खदेड़कर ग्रामीणों के साथ मारपीट की थी, जिसमें कौशल कुमार भी था। पुलिस कृष्णा यादव, कौशल कुमार समेत समेत चार-पांच लोगों को पकड़कर थाने ले गई थी, बाद में कृष्णा यादव व कौशल को छोड़कर बाकी ग्रामीण गांव लौट आए, कृष्णा यादव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। लेकिन कौशल कुमार घर नहीं लौटा।

आरोप है कि पुलिस की पिटाई से जख्मी कौशल कुमार की मौत हो गई, जिसका शव लाकर गांव के समीप पुलिस ने फेंक दिया। शव मिलने व सड़क जाम की सूचना पर एसडीपीओ संजीव कुमार दल बल के साथ मौके पहुंचे हैं, लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

तेजस्वी ने राघोपुर से किया नामांकन

हाजीपुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी रामबाबू बैठा के कार्यालय कक्ष में नामांकन पत्र दाखिल किया। जिसके बाद उन्होंने सभी अटकलों पर अपना जवाब दिया।

हाजीपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि राघोपुर से जनता हम पर लगातार दो बार भरोसा की है। जनता मालिक है, तीसरी बार राघोपुर से हमने नामांकन किया है। मुझे पूरा भरोसा है कि राघोपुर की जनता हम पर विश्वास करेगी।

हमारा एक संकल्प है हर एक परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी हो। बेरोजगारी को जड़ से मिटाना है। बिहार को हमको आगे ले जाना है। पढ़ाई दवाई कमाई सिंचाई सुनवाई और कार्रवाई वाली सरकार हमें चाहिए।

हमें केवल सरकार ही नहीं बनाना है, बल्कि बिहार को बनाने का काम करना है। लोग त्रस्त हो चुके हैं भ्रष्टाचार और अपराध से अब बिहार भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त प्रदेश बनना चाहता है। हम लोग नई सोच के हैं हर जात और हर धर्म हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का काम करेंगे। बहुत लोग हवा उड़ा रहे थे कि दो जगह से चुनाव लड़ेंगे लेकिन तेजस्वी यादव तो 243 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। लेकिन अगर एक सीट की बात आती है। हम पहले से राघोपुर लड़ते आए हैं और केवल राघोपुर से चुनाव लड़ेंगे। बाकी हमारा महागठबंधन 243 सीट पर चुनाव लड़ रहा है। यानी तेजस्वी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। अब लोग चाहते हैं पुराने 20 साल वाली जो पुराना खटारा सरकार है। अब बदलाव चाहती है। और बदलाव हो करके रहेगा।

पृष्ठ 1 का शेष

घाटशिला उपचुनाव में...

को जारी की जाएगी। कैंडिडेट के नोमिनेशन की अंतिम तारीख 21 अक्टूबर तक होगी। 24 अक्टूबर तक नाम वापस लिया जा सकेगा। घाटशिला विधानसभा सीट पूर्वी सिहभूम जिले में आती है और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित है। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,55,823 मतदाता हैं, जिनमें 1,24,899 पुरुष, 1,30,921 महिलाएं और 3 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। निर्वाचन क्षेत्र का लिग अनुपात 1,048 है। यहां महिलाओं की संख्या अधिक है। इसके अलावा 2,735 दिव्यांग मतदाता भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव आयोग ने कुल 300 मतदान केंद्र और 218 मतदान स्थल निर्धारित किए हैं।

शिक्षक की पिटाई ...

निलंबित कर दिया। निलंबन के कुछ ही देर बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया। इसके साथ ही प्रशासन ने मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय टीम का गठन किया है। जांच टीम घटना की सभी पहलुओं की पड़ताल करेगी। वहीं विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अनिल कुमार चौधरी को नया प्रभारी प्रधानाध्यापक नियुक्त किया गया है।

स्कूल से चोरी हुए...

चुराया। इसके बाद, चारों आरोपी उसी टेंपो का इस्तेमाल कर उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय गए और वहां से कंप्यूटर उपकरण चुराए। चोरी किए गए उपकरणों को उसी टेंपो से लाकर आयुष पांडे उर्फ चांसी के घर के पास बने एक सरकारी शौचालय में छिपा दिया गया था। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की निशानदेही पर चोरी किया गया टेंपो और कंप्यूटर उपकरण बरामद कर लिए गए हैं। अभय और दीप को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। दीप रंजन पांडे का आपराधिक इतिहास रहा है; वह पहले दो बार टेंपो चोरी और एक बार रंगदारी के मामले में जेल जा चुका है। दोनों फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जब्त किए गए सामान में टेंपो, 10 मॉनिटर, 7 कीबोर्ड, 1 सीपीयू, 1 प्रिंटर, 1 स्टेबलाइजर और 12 वोल्ट की 8 बैटरी शामिल हैं।

11 वर्षों में बिछाए...

अवसर पर भारतीय उद्योग परिसंघ और गति शक्ति विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए, जिससे उद्योग-अकादमिक सहयोग को और मजबूती मिलेगी। यह प्रदर्शनी और सम्मेलन तीन दिनों तक चलेगा जिसमें उद्योग से जुड़ी चचाएं, अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी, व्यावसायिक बैठकें और तकनीकी प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी, जिससे रेल परिवहन के भविष्य को आकार देने में भारत की भूमिका और सशक्त होगी। आइआरइइ 2025 में 14 से अधिक देशों जैसे ऑस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, जापान, नीदरलैंड्स, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि से 450 से अधिक प्रदर्शक और 20,000 से अधिक उद्योग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। भारतीय रेल अपना अब तक का सबसे बड़ा पैवेलियन प्रस्तुत कर रही है, जिसमें आधुनिकीकरण, डिजिटल पहलों और भविष्य की आवश्यकताओं को प्रदर्शित किया जा रहा है। आइआरसी में लगभग 500 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिनका मुख्य विषय है-भविष्य के लिए तैयार रेलवे: नवाचार, एकीकरण और वैश्विक साझेदारी। यह सम्मेलन तकनीकी प्रगति, सहयोग और वैश्विक संपर्क पर केंद्रित है तथा उद्योग-सरकार और खरीदार-विक्रेता के बीच संवाद को प्रोत्साहित कर नई साझेदारियों और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देता है।

CMYK

इन्फोसिस को ब्रिटेन से मिला 14000 करोड का दिवाली गिफ्ट, शेयर बनेगा रॉकेट?

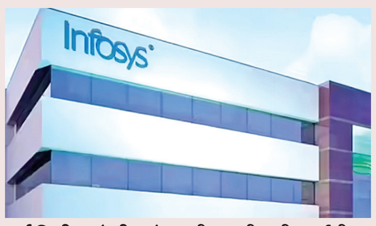

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस ने मंगलवार को घोषणा की कि उसे ब्रिटेन के एनएचएसबिजनेस सर्विसेज अथॉरिटी से एक नया कार्यबल प्रबंधन सिस्टम प्रदान करने के लिए 1.2 बिलियन (लगभग 14,137 करोड़) का अनुबंध मिला है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में यह जानकारी दी। यह नया सल्यूशन इंग्लैंड और वेल्स में 1.9 मिलियन एनएचएस कर्मचारियों के वेतन का प्रबंधन जारी रखेगा, जो 55 बिलियन से अधिक के वार्षिक भुगतान को कवर करेगा। 15 साल के इस समझौते के तहत इन्फोसिस फ्यूचर एनएचएस वर्कफोर्स सॉल्यूशन विकसित करेगी, जो एक डेटा संचालित कार्यबल प्रबंधन प्लेटफॉर्म है, जो मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक स्टाफ रेकॉर्ड सिस्टम की जगह लेगा। इन्फोसिस के सीइओ सलिल पारेख ने कहा, एनएचएस यूके में जीवन की आधारशिला है, जो हर दिन लाखों लोगों तक डीयूसी सेवाएं पहुंचाती है। फ्यूचर वर्कफोर्स सॉल्यूशन के माध्यम से पीढ़ीगत बदलाव लाने के लिए एनएचएसबीएसए द्वारा चुने जाने पर हमें गर्व है बेंगलुरु की इस कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 0.21 प्रतिशत गिरावट के साथ 1489.80 रुपये पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 2,006.80 रुपये है। कंपनी का शेयर पिछले साल 13 दिसंबर को इस स्तर पर पहुंचा था। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 1,307.10 रुपये है। इसी साल 7 अप्रैल को इन्फोसिस का शेयर इस स्तर पर आया था। टीसीएस के बाद इन्फोसिस देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी है।

हिंदी में स्पीच देकर एलजी इंडिया के एमडी ने निवेशकों का जीता दिल

मुंबई एजेंसी। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की कल भारतीय शेयर बाजारों में धांसू तरीके से एंट्री हुई। इसके 10 रुपये के शेयर का इश्यू प्राइस 1140 रुपये था। यह 50 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 1715 रुपये पर लिस्ट हुए। एक ही दिन में 50 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न ने इस आईपीओ के निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के एमडी हॉन्ग जु जियोन ने कल एक और अनूठा काम किया। उन्होंने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के अवसर पर जो स्पीच दिया, वह हिंदी में था। इस पर भी निवेशक लहालोट हो उठे। मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट किया है। उसमें लिखा है एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों की लिस्टिंग इश्यू प्राइस से 50 प्रतिशत ऊपर हुई। लेकिन असली प्रीमियम तो उनका हिंदी में बोला गया 卐नमस्ते卐 था। यही नहीं उन्होंने हिंदी में ही पूरा भाषण दिया। इस पर यूजर्स ने तरह-तरह की प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर कहते हैं यह भारतीयों से कनेक्ट करने का ब्रिलिएंट तरीका है। उन्होंने पूरी की पूरी लिस्टिंग स्पीच हिंदी में दी। जिस तन्मयता से उन्होंने हिंदी में अपना भाषण दिया, उससे पता चलता है कि वह भारत की संस्कृति और भाषा को कितना तवज्जो देते हैं। एक यूजर कहते हैं कि उन्हें गुजराती भी सीखनी चाहिए। उन्होंने शायद यह कहना चाहा है कि जब शेयर बाजार में गुजराती निवेशकों का बोलबाला है तो उन्हें गुजराती भी सीखनी चाहिए। एक यूजर ने तो कह डाला 卐मराठी कसाला नाही महाराष्ट्र आहे हे卐 मतलब कि वह महाराष्ट्र में हैं तो मराठी में क्यों नहीं? एक यूजर ने तो सुझाव दे दिया कि उन्हें बांग्ला भी सीखना चाहिए। 卐नमस्ते। माननीय अतिथिगण, विशेष रूप से, एनएसई के सीईओ श्री आशीष चौहान। इस ऐतिहासिक अवसर पर एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ शामिल होने के लिए आप सभी का धन्यवाद। यह आईपीओ एलजी के लिए सिर्फ एक वित्तीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह एक नए भविष्य की शुरुआत है।

दिसंबर तिमाही में पांच फीसदी घट सकता है भारत से निर्यात

तलाशने होंगे वैकल्पिक बाजार

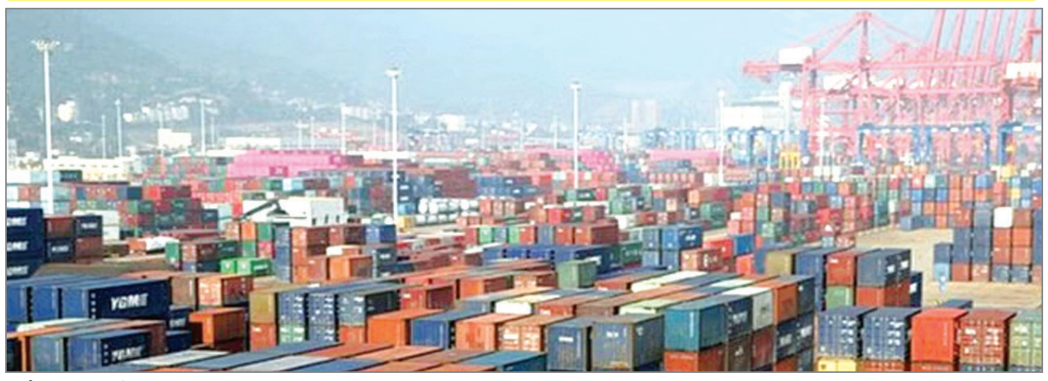

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका के 50 फीसदी उच्च टैरिफ के कारण चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दिसंबर तिमाही में भारत के वस्तु निर्यात में भारी गिरावट आ सकती है। इस नुकसान से बचने के लिए भारत को निकट भविष्य में वैकल्पिक बाजारों की तलाश करनी होगी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक अनिश्चितता और अन्य बाहरी चुनौतियों के कारण भारत निर्यात के मोर्चे पर दो वर्षों से दबाव झेल रहा है। ट्रंप सरकार के शटडाउन से स्थिति और गंभीर हो सकती है, क्योंकि अमेरिका भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है। अगर भारत निकट भविष्य में वैकल्पिक बाजार नहीं तलाशता है, तो उसके निर्यात में दिसंबर तिमाही में पांच फीसदी की गिरावट आ सकती है, जो 103.3 अरब डॉलर के बराबर होगी। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के निर्यात में करीब तीन फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि 2024-25 में यह लगभग स्थिर रहा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-अगस्त अवधि में भारत से निर्यात में 2.3 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान अमेरिका को 18 फीसदी ज्यादा निर्यात किया गया।दिलचस्प बात है कि 2025-26 की अप्रैल-अगस्त अवधि के दौरान भारत से चीन और हांगकांग को होने वाले निर्यात में सालाना आधार पर क्रमशः 19.6 फीसदी एवं 26.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। नीति आयोग के सीईओ ने हाल ही में कहा था कि भारत को चीन के साथ अपना निर्यात बढ़ाने की जररूत है। हालांकि, विविधीकरण के किसी भी उपाय से अमेरिका को होने वाले निर्यात में अनुमानित गिरावट की भरपाई संभव नहीं है। भारत के कुल निर्यात का पांचवां हिस्सा अमेरिका को भेजा जाता है, जो अन्य देशों की तुलना में काफी ज्यादा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स-फार्मा कर सकते हैं नुकसान की भरपाई

रत्न-आभूषण, कपड़ा और समुद्री उत्पादों के निर्यात पर सर्वाधिक असर पड़ने की आशंका है। मशीनरी एवं उपकरण, परिवहन उपकरण, जैविक/कृषि रसायन, चमड़ा और प्लास्टिक सहित अन्य क्षेत्रों पर भी काफी असर पड़ सकता है। इनके अलावा, वैश्विक बाजार में कीमतों में गिरावट के कारण दिसंबर तिमाही में पेट्रोलियम निर्यात भी घट सकता है। निर्यात में कुल गिरावट की भरपाई दो प्रमुख क्षेत्रों इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स के जरिये आंशिक रूप से की जा सकती है। इन क्षेत्रों के निर्यात के मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। सीएमआईई का आकलन है कि दिसंबर तिमाही में भारत से रत्न एवं आभूषण का निर्यात सालाना आधार पर 20.9 फीसदी घटकर 5.9 अरब डॉलर रह सकता है। सितंबर तिमाही में इसमें पांच फीसदी गिरावट की आशंका है। गंभीर बात है कि यह क्षेत्र पिछले तीन वर्षों से निर्यात में गिरावट झेल रहा है।

सोना 2850 की तेजी के साथ 1.3 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर, जानें चांदी का भाव

नई दिल्ली, एजेंसी।
धनतेरस से पहले खुदरा विक्रेताओं और आभूषण निर्माताओं की भारी त्योहारी खरीदारी के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 2850 रुपये मजबूत होकर पहली बार 1.3 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,850 रुपये बढ़कर 1,30,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछली सत्र में यह 1,27,950 रुपये पर बंद हुई थी।

वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,850 रुपये बढ़कर 1,30,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,27,350 रुपये प्रति 10 ग्राम था। अगर चांदी की बात करें तो इसमें भी 6,000 रुपये के उछाल देखने को मिला है। मंगलवार को चांदी 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो लगातार पांचवें दिन की बढ़त है।

पिछले बाजार सत्र में यह 1,79,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। व्यापारियों ने सर्राफा कीमतों में तेज वृद्धि की वजह त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम से पहले आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की निरंतर मांग और साथ ही मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपये में आई कमजोरी है, जो 12 पैसे गिरकर 88.80 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया।

देश की सबसे बड़ी डील करने की तैयारी में गौतम अडानी, सहारा में पैसा लगाने वालों की लगेगी लॉटरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के दूसरे बड़े रईस और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी रियल एस्टेट की दुनिया में एक बहुत बड़ी डील करने की तैयारी में हैं। सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह अपनी 88 प्रॉपर्टीज को अडानी प्रॉपर्टीज लिमिटेड को बेचना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक, इस डील की कीमत 1 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा हो सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यह देश के इतिहास में सबसे बड़ी रियल एस्टेट डील हो सकती है। सहारा ग्रुप की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने चीफ जस्टिस बी. आर. गवाई और जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एम. एम. सुंदरेश की बेंच को बताया कि दोनों कंपनियों के बीच एक टर्म शीट साइन हो गया है और उसे सीलबंद लिफाफे में कोर्ट में जमा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद ही इस डील को आगे बढ़ाया जाएगा। सिब्बल ने यह भी बताया कि इस डील से मिलने वाला पैसा सहारा ग्रुप के बकाये को चुकाने के लिए काफी होगा।

विदेशी कंपनी के लिए जहाज बनाएगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की शिपिंग इंडस्ट्री के लिए गुड न्यूज है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग कंपनी फ्रांस की सीएमए सीजीएम ने भारत को एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट दिया है। कंपनी भारत को एलएनजी से चलने वाले छोटे जहाजों के निर्माण के लिए एक विकल्प के तौर पर देख रही है। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ रोडॉल्फ साडे ने यह बात कही। उन्होंने कोचीन शिपयार्ड के साथ छह ऐसे जहाजों के निर्माण के लिए एक लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इनकी अनुमानित लागत करीब 300 मिलियन डॉलर है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह भारत में किसी ग्लोबल मेनलाइन शिप ऑपरेटर क पहला कंटेनर शिप ऑर्डर है।

साडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा, सबसे अच्छी बात यह रही कि मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी बिजनेस लीडर से बात कर रहा हूं, न कि किसी प्रधानमंत्री से। हमने बिजनेस की बात की। उन्होंने

कहा कि मोदी न केवल एक महान राजनीतिक नेता हैं बल्कि एक महान बिजनेस लीडर भी हैं। यह डील भारत की शिपिंग इंडस्ट्री के लिए काफी अहम मानी जा रही है। भारत शिपबिल्डिंग के मामले में दुनिया में 16वें स्थान पर है और इसका मार्केट शेयर 1 प्रतिशत से भी कम है। यह डील इसे बड़ी लीग में शामिल होने में मदद करेगी। भारत का लक्ष्य 2030 तक टॉप 10 और 2047 तक टॉप पांच में शामिल होना है। हाल ही में सरकार इस इंडस्ट्री के लिए 69,725 करोड़ रुपये का एक पैकेज मंजूर किया था ताकि इंडस्ट्री की क्षमताओं को बढ़ाया जा सके और चीन, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा की जा सके। हर जहाज की क्षमता 1,700 ञ्श्व होगी। ञ्श्व कंटेनर बिजनेस में क्षमता मापने का एक आम तरीका है। ये जहाज स्र्त्र से चलेंगे जिसे ष्ट्रू ष्त्ररू ग्लोबल शिपिंग इंडस्ट्री को डीकार्बोनाइज के रास्ते पर ले जाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण मानती है।

साडे ने एक इंटरव्यू में कहा कि पिछले कुछ साल में कंपनी ने मुख्य रूप से चीन और दक्षिण कोरिया में ऑर्डर दिए हैं। कंपनी छोटे जहाजों के लिए एक विकल्प चाहती हैं, जिन्हें हम अब भारत में बना सकें। यह एक लंबी सफलता की शुरुआत है, लेकिन कम से कम भारत अब एक ऐसा देश है जहा छोटे स्र्त्र-संचालित जहाज बनाए जा सकते हैं।

ट्रंप के टैरिफ का भारतीयअर्थव्यवस्था पर असर सीमित

- आईएमएफ ने भारत का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाया
- भारत की आर्थिक वृद्धि दर पांच तिमाहियों में सबसे अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी।
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में बढ़ोतरी की है। आईएमएफ ने भारत की विकास दर को 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ ने यह संशोधन भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि को देखते हुए किया है। पहली तिमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि के साथ यह अनुमान बढ़ाया गया है, जो अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को सीमित करेगा।

आईएमएफ ने मंगलवार को अपनी ताजा विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में मजबूत आर्थिक वृद्धि को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। यह ट्रंप टैरिफ के असर को सीमित करेगा। हालांकि, मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अपनी ताजा विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में 2026-27 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को 0.2 प्रतिशत घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया, ''जुलाई के विश्व आर्थिक परिदृश्य की अद्यतन रिपोर्ट की तुलना में, 2025 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया गया है। इसमें पहली तिमाही की मजबूत वृद्धि जुलाई से भारत से आयात पर अमेरिकी शुल्क दर में वृद्धि की भरपाई से कहीं अधिक है। इसके साथ 2026 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को कम किया गया है।

बता दें कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर अप्रैल-जून में 7.8 प्रतिशत रही, जो पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। विश्व बैंक ने भी इस महीने की शुरुआत में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। इसके साथ ही कहा था कि भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ ने जुलाई में भारत की आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान को संशोधित कर 2025 और 2026 दोनों के लिए 6.4 प्रतिशत कर दिया था। वहीं अप्रैल, 2025 के विश्व आर्थिक परिदृश्य में, देश की आर्थिक वृद्धि दर 2025 के लिए 6.2 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। आईएमएफ ने कहा कि वैश्विक वृद्धि दर 2024 में 3.3 प्रतिशत से घटकर 2025 में 3.2 प्रतिशत और 2026 में 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।यह जुलाई के विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में जताये गये अनुमान से अधिक है। लेकिन कुल मिलाकर अक्टूबर, 2024 के विश्व आर्थिक परिदृश्य में नीतिगत बदलावों से पहले किए गए अनुमान से 0.2 प्रतिशत कम है। आईएमएफ ने कहा कि उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए वृद्धि दर 2024 में 4.3 प्रतिशत से घटकर 2025 में 4.2 प्रतिशत और 2026 में चार प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बचपन में मां से मिले तोहफे ने बदल दी जिंदगी

टैंक से निकली 2 करोड़ की दौलत!

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के मुहम्मद बिन फारूक ने मछली पालन से अलग पहचान बनाई है। बचपन में मां से तोहफे में मिली गप्पी मछलियों से शुरू हुआ उनका शौक आज 2 करोड़ रुपये की एक सफल ऑर्नामेंटल फिश कंपनी में बदल चुका है। 28 साल के मुहम्मद ने फिशरीज और एक्वाकल्चर में कई डिग्रियां हासिल की हैं। वर्तमान में वह फिश जेनेटिक्स में पीएचडी कर रहे हैं। अपनी विशेषज्ञता का इस्?तेमाल करते हुए उन्होंने 7,500 वर्ग फीट में एक हाई-टेक हैचरी टैंक और 12,000 वर्ग फीट में इंडोर फार्म स्थापित किया है। यह सब न केवल भारत बल्कि खाड़ी देशों में भी उनकी 43 तरह की सजावटी मछलियों को निर्यात करने में मदद कर रहा है। आइए, यहां मुहम्मद बिन फारूक की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

मुहम्मद बिन फारूक केरल के कोल्लम में पले-बढ़े। मछलियों के प्रति उनका आकर्षण बचपन में ही शुरू हो गया था। यह तब हुआ जब उनकी मां ने उन्हें गप्पी मछलियां तोहफे में दी थीं। छोटे कंटेनरों और बोतलों में मछलियों की देखभाल करना जल्द ही एक गंभीर जुनून में बदल गया। कक्षा 8 तक उनका यह शौक वाणिज्यिक प्रयास बन चुका था। तब तक उनके घर पर लगभग 100 एक्वेरियम थे। इस बढ़ते जुनून को उन्होंने व्यावसायिक प्रशिक्षण से मजबूत किया। 11वीं और 12वीं में फिशरीज में

वोकेशनल ट्रेनिंग ली। यहीं से उनका शौकिया व्यवसाय एक सुव्यवस्थित उद्यम में तब्दील होने लगा। इसने उन्हें अपने कारोबार को स्थापित करने के लिए दो साल का ब्रेक लेने और एक मजबूत नींव बनाने के लिए प्रेरित किया। मुहम्मद बिन फारूक की सफलता सिर्फ जुनून पर आधारित नहीं है। यह गहरे अकादमिक ज्ञान का भी नतीजा है। उन्होंने फिशरीज एंड एक्वाकल्चर में डिग्री के साथ ऑर्नामेंटल फिशरीज में डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा किया है। इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्रियल फिशरीज में एमएससी पूरी की। वर्तमान में वह फिश जेनेटिक्स में पीएचडी कर रहे हैं। फारूक का मानना है कि उनकी पेशेवर जानकारी ने व्यवसाय का विस्तार करने में मदद की है। साथ ही उन्हें मछल?ियों में प्रजनन तकनीकों में सुधार और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जेनेटिक अध्ययन जैसे इनोवेशन करने में भी सक्षम बनाया है।

तोप के गोले बनाएगी गाजियाबाद की स्टील कंपनी, 400 करोड़ के निवेश की है योजना

नई दिल्ली, एजेंसी।
स्पेशलाइज्ड स्टील बनाने वाली गाजियाबाद की कंपनी गुडलक इंडिया लिमिटेड अब आर्टिलरी शेल यानी तोपखाना के गोले का बाहरी आवरण भी बनाएगी। इसके लिए कंपनी अपने डिफेंस ब्रांच में करीब 400 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। इसके लिए उत्तर प्रदेश के सिकंदराबाद यूनिट में विस्तार की योजना है। गुडलक स्टील के सीईओ राम अग्रवाल का कहना है कि इस परियोजना को अगले 12 से 18 महीनों में धरातल पर ले आया जाएगा।

भारत में कोई कंपनी डिफेंस सेक्टर में प्रोडक्शन तभी कर सकती है जबकि सरकार से इसके लिए लाइसेंस मिले। राम अग्रवाल ने बताया कि उन्हें इसके लिए लाइसेंस मिल चुका है। इसलिए कंपनी ने इसे निवेश से रक्षा क्षेत्र

में अपनी क्षमताओं को मजबूत करने की रणनीति बनाई है। गुडलक इंडिया लिमिटेड का लक्ष्य इस विस्तार के माध्यम से तोपखाने के गोले की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करना है।

उन्होंने बातया कि यह परियोजना यूपी के सिकंदराबाद स्थित कंपनी की रक्षा विनिर्माण इकाई, गुडलक डिफेंस एंड एरोस्पेस पर केंद्रित होगी। इस इकाई को आधुनिक बनाने और उत्पादन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए इस निवेश का उपयोग किया जाएगा। कंपनी ने इस विस्तार के लिए 12 से 18 महीनों की समय-सीमा निर्धारित की है। इस विस्तार से न केवल कंपनी की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि यह स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा कर सकता है। रक्षा उत्पादन में वृद्धि देश की रक्षा तैयारियों को भी मजबूत करती है।

राम अग्रवाल ने बताया कि अगले यूनिट में काम शुरू होने के बाद एक साल में डिफेंस यूनिट की निर्माण क्षमता को डेढ़ लाख आर्टिलरी सेल से बढ़ा कर चार लाख कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस सिकंदराबाद के इस यूनिट का निर्माण 275 करोड़ रुपये के निवेश से हुआ है। इस समय प्लांट में ट्रायल रन हो रहा है। उम्मीद है कि अगले साल प्लांट में फुल फ्लेज्ड प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। टो कंपोनेंट मार्केट में गुडलक स्टील की अच्छी उपस्थिति है। इसके प्लांट में जितना ऑटो कंपोनेंट बनता है, उनमें से करीब 25 फीसदी का निर्यात किया जाता है। यह निर्यात अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के देशों के साथ साथ पश्चिम एशियाई देशों में भी किया जाता है। कंपनी को पिछले साल इससे करीब 400 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला था। गुडलक इंडिया के शेयर बुधवार को फ्लैट दिख रहे हैं। कल बीएसई में इसके शेयर 1262.15 रुपये पर बंद हुए थे।

ऋषभ शेट्टी ने सूजे हुए पैरों से किया 'कांतारा चैप्टर 1' का क्लाइमैक्स सीन शूट

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इन दिनों सिनेमाघरों में जमकर कमाई कर रही है। फिल्म जल्द 500 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली है। फिल्म को थिएटर में रिलीज हुए अभी सिर्फ 11 दिन हुए हैं। इस फिल्म की शूटिंग के वक्त ऋषभ शेट्टी को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। हाल ही में ऋषभ एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें कुछ तस्वीरें भी थीं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से फिल्म का क्लाइमैक्स सीन शूट किया था। ऋषभ शेट्टी अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'क्लाइमेक्स की शूटिंग का वक्त, सूजा हुआ पैर, आराम से बैठा शरीर। आज करोड़ों लोगों ने इसे देखा और पसंद किया है। यह सिर्फ उन शक्तियों के आशीर्वाद से ही संभव है जिन पर हम विश्वास करते हैं। आप सभी का शुक्रिया जिन्होंने फिल्म देखी।' पोस्ट में ऋषभ ने अपने सूजे हुए पैरों की तस्वीर भी साझा की है। पैरों की हालत देखकर समझा जा सकता है कि ऋषभ के लिए यह सीन शूट करना कितना मुश्किल रहा होगा।

पेन किलर्स के सहारे पूरा किया था क्लाइमैक्स सीन

पिछले दिनों दिल्ली में 'कांतारा चैप्टर 1' की सक्सेस पार्टी में भी ऋषभ शेट्टी बताया था कि पेन किलर लेकर क्लाइमैक्स सीन पूरा किया था। वह कहते हैं, 'हमने रात और दिन, दोनों ही समय में फिल्म शूट की। 10-15 दिन तो मैंने मुश्किल से शूटिंग की, पेन किलर्स लेकर काम किया। मैं थोड़ा आराम करता, फिर सीन शूट करता था। ऋषभ ने अपनी टीम को पूरा क्रेडिट दिया, क्योंकि उन्होंने हमेशा निर्देशक को सपोर्ट किया है।

'कांतारा चैप्टर 1' का कलेक्शन

'कांतारा चैप्टर 1' के कलेक्शन की बात करें तो अब तक भारत में यह फिल्म 478.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। जल्द ही यह फिल्म 500 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। फिल्म वर्ल्डवाइड भी अच्छा कमा रही है, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब तक 623 करोड़ रुपये हो चुका है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड अहान पांडे के साथ अनीत पड्डा ने मनाया अपना जन्मदिन

सैयारा फिल्म से बेशुमार प्यार पाकर अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अनीत पड्डा 14 अक्टूबर को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर उन्होंने सैयारा को-स्टार के साथ जश्न मनाया। दोनों की नजदीकियां एक बार फिर सुर्खियों में हैं और सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं।

लंदन में अनीत ने मनाया जन्मदिन

अहान पांडे के साथ जश्न मनाते हुए अनीत का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अनीत ब्लैक आउटफिट में बेहद ग्लैमरस लग रही थीं। उनके साथ अहान पांडे भी पूरे स्टाइल में नजर आए। पार्टी के दौरान अहान ने उन्हें केक खिलाया और इस वीडियो को देखने के बाद फैंस भी अब इस पर अपने रिएक्शन्स दे रहे हैं।

फैंस ने किए कमेंट्स

अहान और अनीत के इस वीडियो पर फैंस ने कई कॉम्प्लिमेंट्स दिए। एक यूजर ने लिखा- शायद अगर हम अहीत फैंस ने आज भगवान से कुछ और मांग लिया होता, तो वो भी मिल जाता। वाकई आज का दिन अहान, अनीत और हम सबके लिए बहुत खास था। वहीं एक और यूजर ने लिखा- हे भगवान! मैं तो खुशी से चिल्ला रही हूं! ये सब कैसे संभालूं अब!

जोड़ी को मिला जबरदस्त प्यार

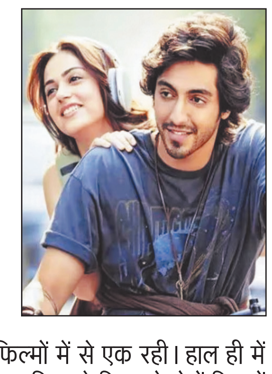

अनीत पड्डा ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उनके साथ डेब्यू कर रहे अहान पांडे की जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा। यह फिल्म साल की टॉप फाइव हिट फिल्मों में से एक रही। हाल ही में जब 'सैयारा' ने 50 दिन पूरे किए, तो दोनों सितारों ने मुंबई के माउंट मैरी चर्च जाकर आशीर्वाद लिया था।

अनीत और अहान के करियर की नई उड़ान

जहां अहान पांडे को अली अब्बास जफर की आने वाली रोमांटिक फिल्म में शरवरी वाघ के साथ साइन किया गया है, वहीं अनीत के हाथ भी बड़ा प्रोजेक्ट लगने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनीत अब 'शक्ति शालिनी' नाम की फिल्म में नजर आ सकती हैं, जो पहले कियारा आडवाणी के पास थी।

बालिका वधू ने बनाया घर-घर का हिस्सा, उस पर गर्व है

टीवी अभिनेत्री अविका गौर ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी के साथ रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में शादी की। वह टीवी सीरियल बालिका वधू के लिए आज भी याद की जाती हैं। इसमें उन्होंने आनंदी का किरदार निभाया था। उनका यह किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में बताया कि इस किरदार को जो प्यार लोगों ने दिया, उस पर उन्हें गर्व है। इसकी वजह से ही वह घर-घर फेमस हुईं। जब उनसे पूछा गया कि लोग उन्हें अब भी आनंदी कहकर पुकारते हैं, तो उन्हें कैसा लगता है? इसका जवाब देते हुए अविका गौर ने कहा, सच कहूं तो, मुझे गर्व महसूस हो रहा है। अब यह मेरा दूसरा नाम जैसा लगता है। आज ही एयरपोर्ट पर एक अनजान महिला सामने आईं और मेरे गाल खींचते हुए मुझे आनंदी कहने लगीं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे यह नाम देना बंद करें क्योंकि यह एक ऐसी पहचान है जो मुझे इस देश के हर घर से जोड़ती है। उस शो और उस किरदार ने मुझे कई परिवारों की बेटी बना दिया। मैं इसे हमेशा संजोकर रखूंगी।

रवीना ने अदा किया मातृभूमि का शुक्रिया

अभिनेत्री रवीना टंडन त्योहारों की शुरुआत से बेहद खुश हैं। यही वजह है कि एक्ट्रेस ने समृद्ध रंगीन संस्कृति, इतिहास और खुशी की वजह देने के लिए मातृभूमि भारत को धन्यवाद किया है। रवीना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें सुनीता कपूर, शिल्पा शेट्टी, महीप कपूर, भावना पांडे, सोनम कपूर और मीरा राजपूत सहित करवा चौथ का त्योहार मनाती नजर आईं। इन तस्वीरों के अलावा रवीना ने कैप्शन में लिखा, जश्न का मौसम शुरू हो गया है। प्यार, परिवार, जन्मदिन, खुशी, मुस्कान, रंग, हंसी, संगीत और डांस। आगे रवीना ने अपनी मातृभूमि का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, मेरे भारत, मेरी मातृभूमि, मुझे यह समृद्ध, रंगीन संस्कृति, इतिहास और खुशी की वजह देने के लिए धन्यवाद।

रवीना टंडन का करियर

रवीना टंडन आखिरी बार निर्देशक बिनॉय गांधी की फिल्म घुड़चढ़ी में नजर आई थीं। इस फिल्म में रवीना के अलावा संजय दत्त, पार्थ समथान, खुशाली कुमार और अरुणा ईरानी ने मुख्य भूमिका निभाई है। वहीं ओटीटी की बात करें तो, रवीना आखिरी बार कर्मा कॉलिंग में नजर आई थीं। इस सीरीज में रवीना के अलावा नम्रता सेठ, वरुण सूद और विक्रमजीत विर्क भी हैं। यह माइक केली द्वारा निर्मित टीवी सीरीज रिवेंज का भारतीय रीमेक है। इस सीरीज की कहानी एलेक्जेंडर डुमास के 1844 के उपन्यास द काउंट ऑफ मोंटे क्रिस्टो से प्रेरित है।

रवीना का वर्कफ्रंट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रवीना संभावित शीर्षक सूर्या 46 में नजर आएंगी। इस फिल्म में सूर्या और ममिथा बैजू मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा अप्रैल 2025 में संभावित शीर्षक सूर्या 46 के तहत की गई थी। यह फिल्म सूर्या की मुख्य भूमिका वाली 46वीं फिल्म है।

सुहाना ने माधुरी दीक्षित के लिए दिखाया सम्मान

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान बीती शाम मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में नजर आई। रविवार शाम मुंबई में मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में शामिल हुई सुहाना ने अपने बर्ताव से इंटरनेट पर नेटिजन्स का दिल जीत लिया। इस बार चर्चा उनके लुक की नहीं बल्कि उनके संस्कारी अंदाज की है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है।

रात की इस रौनक भरी पार्टी में जब सुहाना खान और माधुरी दीक्षित आमने-सामने आईं, तो वहां मौजूद कैमरों ने एक प्यारा सा पल कैद कर लिया। वीडियो में सुहाना को माधुरी दीक्षित से बेहद सम्मान के साथ मिलते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने पहले उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया और फिर विनम्रता से कहा कि वह पहले पोज दें। खुद सुहाना थोड़ी पीछे हटकर उनके बाद कैमरे के सामने आईं। इस छोटे से जेस्चर ने फैंस का दिल जीत लिया।

सुहाना के संस्कारों की हुई तारीफ

सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होते ही फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। किसी ने लिखा- शाहरुख खान और गौरी ने सच में बहुत अच्छे संस्कार दिए हैं। वहीं एक अन्य यूज़र ने कहा- आज की जनरेशन में ऐसा व्यवहार दुर्लभ है, सुहाना वाकई संस्कारी हैं। एक यूजर ने लिखा - देखकर अच्छा लगा कि एक नई पीढ़ी की स्टारकिड इतनी विनम्र है। इस मौके पर सुहाना ने बैंगनी रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी, जिसमें सुनहरे सीक्विन की लेस जड़ी हुई थी। उन्होंने इसे ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज और सुनहरी कढ़ाई वाले बेल्ट के साथ पेयर किया। उनका लुक पारंपरिक होने के साथ-साथ बेहद ग्लैमरस था। दूसरी ओर माधुरी दीक्षित नीले रंग की शानदार साड़ी में सबका ध्यान खींच रही थीं। पार्टी में करीना कपूर, करण जौहर, गौरी खान, अर्जुन कपूर जैसे कई सितारे शामिल हुए।

द आर्चीज से सुहाना ने किया डेब्यू

सुहाना खान ने 2023 में जोया अख्तर की वेब फिल्म 'द आर्चीज़' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में उनके साथ खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा और वेदांग रैना नजर आए थे। अब वह अपने पिता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आने वाली हैं। पहले इस फिल्म को सुजॉय घोष डायरेक्ट करने वाले थे, लेकिन अब सिद्धार्थ आनंद इसके निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, जैकी श्रॉफ, अनुपम खेर, अभिषेक बच्चन और जयदीप अहलावत जैसे बड़े सितारे भी शामिल हैं।

अरिजीत के साथ झगड़े पर सलमान ने तोड़ी चुप्पी

सलमान खान ने हाल ही में गायक अरिजीत सिंह के साथ अपने कथित झगड़े पर खुल कर बात की है। सुपरस्टार ने इसे गलतफहमी बताया है। बिग बॉस 19 के वीकेंड का वॉर एपिसोड में सलमान ने खुलासा किया कि दोनों के बीच कभी कोई असली दुश्मनी नहीं थी। वे अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गलतफहमी अरिजीत की तरफ से नहीं, बल्कि उनकी तरफ से हुई थी।

अवॉर्ड लेने मंच पर गए अरिजीत

लगभग एक दशक से चली आ रही यह कहानी 2014 के स्टार गिल्ड अवॉर्ड्स की है। उस वक्त अरिजीत सिंह अपने बेहतरीन गाने तुम ही हो से मशहूर हुए थे। वह एक अवॉर्ड लेने के लिए मंच पर गए। लगातार दो शो के बाद थके हुए और साधारण से कपड़े पहने अरिजीत ने सलमान खान समेत मेजबानों का अभिवादन किया।

सलमान को अच्छी नहीं लगी टिप्पणी

अरिजीत सिंह जब मंच पर आए तो सलमान ने उन्हें चिढ़ाते हुए कहा क्या आप सो रहे थे। इस पर अरिजीत मुस्कुराए और जवाब दिया आप लोगों ने सुला दिया यार। इस पर दर्शक हंसने लगे। बताया जाता है कि कथित तौर पर सलमान खान को यह टिप्पणी अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इसे अपने अपमान के तौर पर लिया।

फिल्मों से गाने हटवाने की अफवाहें

इसके बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया कि अरिजीत ने बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक को नाराज कर दिया है। अगले कुछ वर्षों में, अफवाहें फैलीं कि सलमान ने अपनी कई फिल्मों से अरिजीत के गानों को हटा दिया, जिनमें किक, बजरंगी भाईजान और सुल्तान शामिल हैं। इनमें सबसे मशहूर गाना फिल्म सुल्तान का जग घुमेया था, जिसे बाद में अरिजीत की जगह राहत फतेह अली खान ने गाया।

सलमान खान ने दी सफाई

बिग बॉस 19 में आखिरकार सलमान ने इस मामले में पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने स्वीकार किया कि गलतफहमी उनकी अपनी थी, अरिजीत की नहीं। सलमान खान ने कहा अरिजीत और मैं बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह गलतफहमी थी और वह गलतफहमी मेरी तरफ से हुई थी। उसके बाद उसने मेरे लिए गाने भी गाए। टाइगर 3 में गाने गाए। आगे गलवां (बैटल ऑफ गलवां) में भी गाने गा रहे हैं। बैटल ऑफ गलवां सलमान खान की अपकमिंग फिल्म है।

अरिजीत ने मांगी माफी

जब मामला शांत नहीं हुआ, तो अरिजीत ने 2016 में सोशल मीडिया पर सलमान से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। एक भावुक पोस्ट में, गायक ने कहा कि उनका कभी भी उन्हें अपमानित करने का इरादा नहीं था और यह पूरी घटना गलतफहमी का नतीजा थी। यह पोस्ट रातोंरात वायरल हो गई और फैंस ने सलमान से माफी स्वीकार करने का अनुरोध किया। इस बारे में सार्वजनिक रूप से किसी ने बात नहीं की।

भारतीय खिलाड़ी डरते हैं...

अजिंक्य रहाणे ने बीसीसीआई सेलेक्टर्स पर साधा निशाना!

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के सीनियर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम सेलेक्शन पर बड़ा बयान दिया है. रहाणे ने कहा कि भारत में खिलाड़ियों के सेलेक्शन प्रोसेस में बड़े बदलाव की जरूरत है. रहाणे ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी सेलेक्टर्स के डर से खुलकर नहीं खेल पाते और इससे टैलेंट दब जाता है. टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने भारतीय क्रिकेट में सेलेक्शन सिस्टम को लेकर बड़ी बहस छेड़ दी है. रहाणे का मानना है कि सेलेक्टर्स की नियुक्ति में बुनियादी सुधारों की जरूरत है. खासकर डोमेस्ट लेवल पर... उन्होंने कहा कि टीम चुनने की जिम्मेदारी केवल हाल ही में रिटायर हुए फर्स्ट क्लास खिलाड़ियों को दी जानी चाहिए, क्योंकि वे मॉडर्न क्रिकेट की ड?मांड और खिलाड़ियों की क्षमता को बेहतर समझते हैं. ध्यान रहे रहाणे ने इंटरनेशनल क्रिकेट से आधिकारिक रूप से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने इस साल की शुरुआत में मुंबई टीम के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया था. रहाणे के इस बयान से यह भी संकेत मिलता है कि कई खिलाड़ी वर्तमान सेलेक्टर्स के डर से खुलकर प्रदर्शन नहीं कर पाते, और इसलिए सिस्टम में बदलाव बेहद जरूरी है.

वनडे में अफगान बल्लेबाज का दबदबा

● रोहित-विराट और बाबर को चुटकियों में पिछाड़ा, 3 मैचों ने बदल दी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने बुधवार को ताजा वनडे रैंकिंग जारी की है, जिसमें अफगानिस्तान के स्टार बल्लेबाज इब्राहिम जादरान ने कमाल कर दिया। जादरान ने रोहित शर्मा, विराट कोहली और बाबर आजम जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया और उनसे आगे निकल गए। इब्राहिम जादरान 8 पायदान की छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वह 764 रेटिंग पॉइंट्स के साथ वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। यह उनके करियर के बेस्ट वनडे रेटिंग पॉइंट्स हैं।

बांग्लादेश वनडे सीरीज में जमकर बोला बल्ला– बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में इब्राहिम जादरान का बल्ला जमकर बोला है। उन्होंने 3 मैचों में 71 की शानदार औसत से बल्लेबाजी करते हुए 213 रन बनाए। जादरान ने 2 अर्धशतक ठोके। उनका हाइएस्ट स्कोर 95 रन रहा। वह इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बने। बता दें कि 3 मैचों की वनडे सीरीज में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया और 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। भारत के नए वनडे कप्तान शुभमन गिल लेटेस्ट आईसीसी वनडे रैंकिंग्स में शीर्ष पर 784 रेटिंग पॉइंट्स के साथ बरकरार हैं। तीसरे पर 754 रेटिंग पॉइंट के साथ रोहित शर्मा, चौथे पर 739 रेटिंग पॉइंट के साथ बाबर आजम तो पांचवें नंबर पर 736 रेटिंग पॉइंट के साथ के विराट कोहली हैं। आने वाली ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा अपने वनडे रैंकिंग में सुधार कर सकते हैं। शुभमन गिल के पास भी टॉप पर बने रहने का अच्छा मौका होगा।

महिला विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए भारत पर जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। विशाखापत्तनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। गत चैंपियन टीम ने भारत के 330 रनों के लक्ष्य को एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि भारत अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे था। यह जुर्माना एमिरेट्स

आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल पेरेरा ने लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार - जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है - खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड स्वीकार कर लिया, जिसका अर्थ है कि किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। यह आरोप मैदानी अंपायर सू रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स द्वारा लगाया गया था।

आर्चरी प्रीमियर लीग

भारतीय तीरंदाजी में एक नया अध्याय

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 का आयोजन भारतीय तीरंदाजी संघ ने किया, जिसमें दुनियाभर के कई सर्वश्रेष्ठ तीरंदाजों ने अपनी चमक बिखेरी। इस लीग में छह टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें कुल 48 तीरंदाज शामिल थे। इनमें 36 भारतीय और 12 विदेशी थे। आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एक साथ खेले, जिसमें युवा तीरंदाजों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिला। इनमें कुछ विदेशी दिग्गज भी शामिल थे, जिससे भारतीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय मुकाबलों का अनुभव मिला। इसने यकीनन उनके प्रदर्शन और मानसिक मजबूती को बेहतर बनाने में मदद की। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 का पहला राउंड-रॉबिन चरण 2-6 अक्टूबर और दूसरा 7-11 अक्टूबर के बीच आयोजित किया गया। इस दौरान प्रत्येक प्लेइंग लाइनअप में कम से कम एक विदेशी तीरंदाज को शामिल किया गया था, जिन्होंने मिश्रित रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 में दो राउंड-रॉबिन चरण हुए, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबलों का आयोजन किया गया, जिनमें सेमीफाइनल और फाइनल शामिल थे।

राउंड-रॉबिन चरण में रोजाना तीन मुकाबलों का आयोजन हुआ। फ्लडलाइट में खेली गई प्रत्येक प्रतियोगिता 20 मिनट की हुई। इसमें प्रत्येक तीरंदाजी के लिए 15 सेकंड का समय दिया गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में यह समय 20 सेकंड होता है।

इस लीग में एरो शूटिंग की दूरी ओलंपिक मानक के अनुरूप ही थी। रिकर्व के लिए 70 मीटर, जबकि कंपाउंड के लिए 50 मीटर के लिए दूरी तय की गई। आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में इन छह टीमों ने राउंड-रॉबिन चरण में एक-दूसरे का सामना किया। दोनों राउंड-रॉबिन चरणों के बाद शीर्ष चार टीमें नॉकआउट चरण में पहुंची, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले गए। राजस्थान की टीम राजपूताना रॉयल्स ने दिल्ली की पृथ्वीराज योद्धा को हराकर गोल्डन ट्रॉफी अपने नाम की। तीरंदाजी की जड़े बहुत पुरानी हैं। मध्य पाषाण युग के उत्तरार्ध से धनुष-बाण का प्रयोग होता था, लेकिन ओलंपिक ने इसे आधुनिक खेल के रूप में लोकप्रिय बनाया। 1900, 1904, 1908 और 1920 के ओलंपिक में तीरंदाजी को शामिल किया गया। ओलंपिक 1904 में यह महिलाओं की स्पर्धाओं को शामिल करने वाले पहले खेलों में से एक था। लेकिन तीरंदाजी के प्रारूप असंगत थे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गोल की बारिश करते हुए बना दिया विश्व रिकॉर्ड

देखते रह गए लियोनेल मेसी, दुनिया दंग

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 40 साल की उम्र में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मंगलवार को हंगरी के खिलाफ खेले गए मैच में रोनाल्डो ने दो गोल दागकर अपने कुल गोल की संख्या 41 कर ली और ग्वाटेमाला के कार्लोस रुइज को पीछे छोड़ दिया। कार्लोस रुइज ने कुल 39 गोल दागे थे।

● रिकॉर्ड के कारण टीम ने किया ड्रॉ

लिस्बन के जोस अल्वाडे स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में रोनाल्डो का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन पुर्तगाल इंजरी टाइम में गोल खाने के बाद हंगरी के खिलाफ मैच ड्रॉ कराने में सफल रहा। मैच के 8वें मिनट में हंगरी ने बढ़त बनाई। 22वें मिनट में रोनाल्डो ने अपना पहला गोल किया, जो उनके करियर का 947वां गोल था, जिससे पुर्तगाल ने 1-1 की बराबरी की। हाफ टाइम से ठीक पहले 45वें मिनट में उन्होंने दूसरा गोल दागकर पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया। यह उनके करियर का 948वां गोल था। हालांकि, हंगरी ने इंजरी टाइम में गोल करके मैच को ड्रॉ करा दिया, जिससे पुर्तगाल का वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन थोड़ा और लंबा खिंच गया।

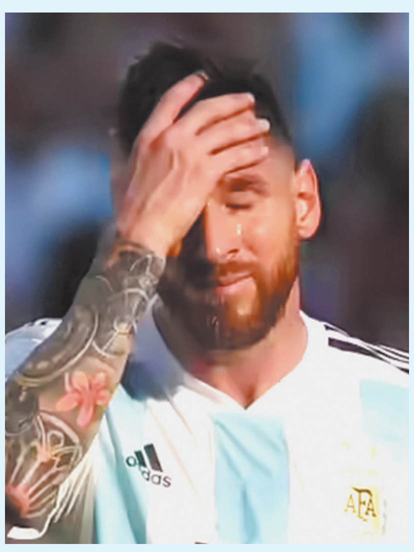

लियोनेल मेसी से आगे

रोनाल्डो अब स्ख्ढ्ढस्न वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में 41 गोल के साथ सबसे आगे हैं, जो अर्जेंटीना के उनके चिर-प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी के 36 गोल से 5 गोल ज्यादा है। इस लिस्ट में ईरान के अली देई (35 गोल) और पोलैंड के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की (33 गोल) भी शामिल हैं।

पैट कमिंस ने चुनी भारत-ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम वनडे 11

सिर्फ 3 भारतीयों को चुना, विराट कोहली को जगह नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैच की रोमांचक वनडे सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली है। उससे ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने भारत और ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम वनडे 11 टीम चुनी है। अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को 2023 का वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले पैट कमिंस खुद भारत के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में चोटिल होने की वजह से नहीं खेल रहे हैं। लेकिन, उन्होंने सीरीज से पहले अपनी ऑल टाइम भारत–ऑस्ट्रेलिया की वनडे 11 चुनी है। हालांकि, इसमें कमिंस ने भारत के विराट कोहली को जगह नहीं दी है।

पैट कमिंस ने विराट कोहली को नहीं चुना– वनडे फॉर्मेट में 51 शतक लगाने वाले विराट कोहली को पैट कमिंस ने भारत–ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम वनडे 11 में नहीं चुना, यह काफी हैरान करने वाला है, क्योंकि कोहली वनडे के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। पैट कमिंस ने विराट कोहली को ही नहीं बल्कि रोहित शर्मा को भी नहीं चुना है। हालांकि, उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि वो सिर्फ पूर्व खिलाड़ियों को चुनेंगे और करंट खिलाड़ियों को नहीं। पैट कमिंस ने यह टीम स्टार स्पोर्ट्स पर चुनी है।

सिर्फ इन 3 भारतीय प्लेयर्स को कमिंस ने चुना– पैट कमिंस ने भारत–ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम वनडे 11 टीम में महान सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी और जहीर खान को चुना। इन तीनों के अलावा किसी और भारतीय खिलाड़ियों को उन्होंने शामिल नहीं किया।

भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी में मिलाया हाथ

जोहोर बाहरू (मलयेशिया), एजेंसी। मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए दिखे। यह दृश्य खास इसलिए था क्योंकि कुछ हफ्ते पहले हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच ऐसा कोई दृश्य नहीं देखने को मिला था। भारत और पाकिस्तान के बीच खेल प्रतिस्पर्धा भले ही दशकों पुरानी हो, लेकिन सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के दौरान दोनों देशों के खिलाड़ियों ने खेल भावना की एक नई मिसाल पेश की। मंगलवार को खेले गए जूनियर हॉकी मैच से पहले जब दोनों देशों के राष्ट्रीय गान बजाए गए, तो उसके तुरंत बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाई-फाइव किया और हाथ मिलाया।

मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ। इसके बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए दिखे। यह दृश्य खास इसलिए था क्योंकि कुछ हफ्ते पहले हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच ऐसा कोई दृश्य नहीं देखने को मिला था।

क्रिकेट में थी दूरी, हॉकी में दिखी नजदीकी– एशिया कप क्रिकेट में भारत की कप्तानी सूर्यकुमार यादव ने की थी, और उस दौरान भारतीय टीम ने पाकिस्तान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। यह फैसला ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के प्रति सम्मान

जताने के लिए लिया गया था। फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती, लेकिन उस वक्त भी टीम इंडिया ने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इससे साफ था कि मैदान के बाहर की राजनयिक तनाव की स्थिति का असर क्रिकेट मैदान पर भी दिखाई दे रहा था।

द. अफ्रीका, आइवरी कोस्ट, सेनेगल, कतर और सऊदी अरब ने क्वलिफाई किया

यूरोप से इंग्लैंड बनी पहली टीम

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड ने लाटविया पर 5-0 की बड़ी जीत के साथ विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया और इस तरह यूरोप का पहला देश बना जिसने टूर्नामेंट में जगह पक्की की। अफ्रीका से विश्व कप 2026 के लिए तीन बड़ी टीमें- दक्षिण अफ्रीका, आइवरी कोस्ट और सेनेगल ने अपना टिकट पक्का कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को रवांडा को 3-0 से हराकर अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह 2010 के बाद पहला मौका है जब दक्षिण अफ्रीका फीफा विश्व कप में हिस्सा लेगा। इस जीत के साथ ही नाइजीरिया को अपने ग्रुप में दूसरा स्थान मिला और उसे अब प्लेऑफ के जरिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। हालांकि नाइजीरिया ने बेनिन को उसके घरेलू मैदान पर विक्टर ओसिमेन की हैट्रिक की बदौलत 4-0 से हराया। उधर, आइवरी कोस्ट ने कीनिया पर 3-0 की जीत दर्ज कर सीधा क्वालिफिकेशन हासिल किया, जबकि सेनेगल ने मॉरिटानिया को 4-0 से हराकर लगातार तीसरी बार

विश्व कप में जगह बनाई।

एशिया से कतर और सऊदी अरब का टिकट पक्का– एशियाई क्वालिफायर के चौथे दौर में कतर और सऊदी अरब ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर विश्व कप 2026 में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। कतर ने दोहा में खेले गए मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 2-1 से हराया, जबकि सऊदी अरब ने जेद्दा में इराक के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। दोनों टीमें अब एशिया से विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सातवीं और आठवीं टीम बन गई हैं। कतर दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा लेगा। पिछली बार वह मेजबान देश के रूप में खेला था। लेकिन इस बार कतर ने अपने दम पर क्वालीफिकेशन हासिल किया, जो उसके फुटबॉल इतिहास में एक नया अध्याय है। सऊदी अरब अब तक सातवीं बार विश्व कप में हिस्सा लेने जा रहा है। इससे पहले जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, उज्बेकिस्तान और जॉर्डन एशिया से जून में ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

678 से 217; झारखंड में घटने लगी हाथियों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की पहली डीएनए-आधारित जनगणना के अनुसार, झारखंड में जंगली हाथियों की आबादी में भारी गिरावट दर्ज की गई है। यह संख्या 217 तक पहुंच गई है, जो 2017 के 678 के आंकड़े से बहुत कम है। वन्यजीव विशेषज्ञों ने इसे चिंताजनक बताया है और इस गिरावट के लिए बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष, हाथियों के आवागमन के गलियारों पर अतिक्रमण और पर्यावास के नुकसान को जिम्मेदार ठहराया है।

अखिल भारतीय समकालिक हाथी आकलन 2025 ने झारखंड में हाथियों की आबादी को 149 और 286 के बीच रखा है, जिसका औसत 217 है। यह रिपोर्ट केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने मंगलवार को जारी की, जबकि सर्वेक्षण 2021 में शुरू हुआ था।

राज्य वन्यजीव बोर्ड के पूर्व सदस्य डी एस श्रीवास्तव ने बताया, झारखंड अब हाथियों के लिए सुरक्षित ठिकाना नहीं रहा। हमने खनन, सड़क निर्माण और अन्य गतिविधियों के माध्यम से उनके प्राकृतिक आवासों को नष्ट कर दिया है। उनके आवागमन के गलियारों पर या तो अतिक्रमण कर लिया गया है या उन्हें नष्ट कर दिया गया है। जंगलों के अंधाधुंध विनाश के कारण हाथियों को भोजन, विशेष रूप से बांस की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है। उनके पास राज्य से बाहर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, हाथी राज्य का पशु है, लेकिन सरकार की ओर से उनके संरक्षण के लिए कोई खास पहल नहीं की गई है।

झारखंड का वन क्षेत्र इसके कुल भौगोलिक क्षेत्र का 31.51 प्रतिशत (25,118 वर्ग किमी) है। यह खनिज और वन संपदा से समृद्ध राज्य है, जिसकी सीमाएं पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और बिहार से लगती हैं। एक वन अधिकारी के अनुसार, पलामू टाइगर रिजर्व और झारखंड का कोल्हान प्रमंडल जिसमें सरायकेला-खरसावां, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम जैसे तीन जिले हैं जो हाथियों की आबादी के लिए मुख्य निवास स्थान रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आवास के नुकसान के बीच, हाथी हजारीबाग और रांची जैसे नए क्षेत्रों में पलायन कर रहे हैं, जिससे संघर्ष को कम करने में चुनौतियां आ रही हैं। इस वजह से गंभीर मानव-हाथी संघर्ष भी हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 2004 और 2017 के बीच हाथियों की लगभग 30 मौतें दर्ज की गईं, जो मुख्य रूप से बीमारियों, बिजली के झटके, जहर दिए जाने, अवैध शिकार और ट्रेन दुर्घटनाओं के कारण हुईं। एक राज्य वन अधिकारी ने बताया कि हाल के वर्षों में पश्चिमी सिंहभूम जिले में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (ढ्ढश्वष्ठ) विस्फोटों में कम से कम पाँच हाथी मारे गए थे। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से संसद में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2019-20 वित्तीय वर्ष के बाद से पाँच वर्षों की अवधि में झारखंड में हुए संघर्षों में 474 मानव जीवन का भी नुकसान हुआ है। मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एस आर नटेश ने कहा कि वे हाथियों के आकलन रिपोर्ट का अध्ययन कर रहे हैं। नटेश ने बताया, रिपोर्ट में दिखाया गया यह आंकड़ा हमारे आकलन से काफी कम है। 2017 तक, सीधे तौर पर देखना भी गणना के तरीके का हिस्सा था। हमें यह देखना होगा कि इसे इस आकलन में शामिल किया गया था या नहीं। न्होंने कहा कि हाथियों के आवासों को बहाल करने के लिए कई पहलें चल रही हैं। उन्होंने कहा, हम घास के मैदान विकसित कर रहे हैं और जंगलों में हाथियों का भोजन उगा रहे हैं। गलियारों की पहचान कर ली गई है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर मिली छूट से मुख्यमंत्री गदगद

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में दीवाली पर पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। यह अनुमति कोर्ट ने दीवाली के दौरान 4 दिनों के लिए दी है। इस मामले पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का रिएक्शन सामने आया है। सीएम ने खुशी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया है। सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने लिखा कि दिल्ली सरकार के विशेष आग्रह पर राजधानी में ग्रीन पटाखों के उपयोग की अनुमति प्रदान करने हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय का आभार। उन्होंने कहा कि यह निर्णय दीपावली जैसे पवित्र पर्व पर जनभावनाओं और उत्साह का सम्मान करता है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। रेखा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद कहा कि दिल्ली सरकार जनभावनाओं का सम्मान करते हुए स्वच्छ और हरित दिल्ली के संकल्प के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि त्योहारों की रौनक बरकरार रहे और पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। इस दीपावली, हम सब मिलकर ग्रीन पटाखों के साथ उत्सव और पर्यावरण संरक्षण का सामंजस्य स्थापित करें और हरित एवं खुशहाल दिल्ली के संकल्प को साकार करें। सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद दिल्ली सरकार में कानून मंत्री कपिल मिश्रा का रिएक्शन भी सामने आया है। कपिल मिश्रा ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि सरकार बदली और हिंदुओं के त्योहारों पर बैन लगना बंद हो गया। कपिल ने कहा कि सालों बाद दिल्लीवाले परंगपरागत तरीके से दीवाली मना पाएंगे। उन्होंने कहा कि दीवाली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देने का उच्चतम न्यायालय का निर्णय स्वागत योग्य है। इस मामले पर कपिल मिश्रा ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का भी आभार जताया।

सांसत में दिल्ली की हर सांस! हर घंटे बढ़ रहा पलूशन

नई दिल्ली, एजेंसी। ठंड की आहट के साथ ही दिल्ली-एनसीआर की हवा खराब होने लगी है। तापमान में गिरावट के साथ ही दिल्ली का प्रदूषण हर घंटे बढ़ता जा रहा है। अब आने वाले दिनों में इससे राहत मिलने की कम संभावना है। बुधवार को दिल्ली का प्रदूषण स्तर गिरकर खराब कैटेगरी में पहुंच गया है। 15 अक्टूबर को दिल्ली का एक्यूआई 201 दर्ज किया गया है। इस दौरान सबसे खराब हवा दिल्ली के आनंद विहार में रही, जबकि वजीरपुर दूसरे नंबर पर रहा। दिल्ली में आगे भी पलूशन से राहत मिलने की संभावना नहीं है, तापमान में जितनी गिरावट आएगी दिल्ली की हवा उतनी ही खराब होती जाएगी। बुधवार को सुबह जब एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया तो उस समय 19 डिग्री सेल्सियस था। सेंट्रल पलूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, मंगलवार शाम को 24 घंटे का एवरेज एक्यूआई 211 था। बता दें कि 0-50 तक एक्यूआई अच्छा और 51-100 तक संतोजनक माना जाता है। 101-200 तक खराब और 201-300 तक खराब माना जाता है। 301-400 तक बहुत खराब, जबकि 401-500 तक का एक्यूआई गंभीर कैटेगरी में माना जाता है। एक्यूआई अच्छा नहीं रहा। नोएडा में एक्यूआई 228 से बढ़कर 369 तक पहुंच गया। गाजियाबाद में 320 से 325 के बीच एक्यूआई दर्ज किया गया है। फरीदाबाद में 252-267 तक एक्यूआई दर्ज किया गया। बढ़ते पलूशन के कारण एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स ऐक्शन प्लान लागू कर दिया है। ईडब्ल्यूएस फोरकास्ट के अनुसार, दिल्ली में बढ़ते पलूशन से अभी राहत नहीं मिलने वाली है।

खतरों के बीच चल रहे झूले

● दिल्ली में सुरक्षा नियमों की खुलेआम अनदेखी

नई दिल्ली, एजेंसी।
हर साल दशहरा और दीवाली के मौके पर दिल्ली-एनसीआर के कई मैदानों में मेले सजते हैं। रंग-बिरंगे फेरिस व्हील, कार्निवल झूले और विशालकाय जहाज जैसे झूले बच्चों से लेकर बड़ों तक को लुभाते हैं। लेकिन इनकी चमक-दमक के पीछे छिपा है एक डरावना सच। इनमें से ज्यादातर झूले बिना किसी ठोस सुरक्षा जांच के चलाए जाते हैं। सितंबर के आखिरी हफ्ते में पश्चिम दिल्ली के एक मेले में एक महिला फेरिस व्हील पर अपनी सीट से फिसलकर हवा में लटक गई। वहां सेफ्टी बेल्ट का नामोनिशान नहीं था। रोहिणी में एक झूला पलटते-पलटते बचा और कापसहेड़ा में एक युवती की जान चली गई। ये हादसे बता रहे हैं कि मस्ती के इन झूलों में कितना बड़ा जोखिम छिपा है।

पंजाबी बाग और पश्चिम विहार के मेलों में हाल ही में की गई जांच में न तो कोई आपातकालीन योजना दिखी, न ही फिटनेस सर्टिफिकेट थे। एक ऑपरेटर ने तो साफ कहा, टेस्ट बस खानापूर्ति है। बनारस से पंजाबी बाग मेले में काम करने आए 25 साल के सोनू गुप्ता बताते हैं, मैंने 10 साल में सब कुछ ऑन-द-जॉब सीखा। सोनू और उनकी छोटी सी टीम कई झूलों को संभालती है, जिन्हें ऑफ-सीजन में मुंडका के गोदाम में रखा जाता है। मेले में काम करने वाले 20 साल के नीलेश कुमार कहते हैं, हमें पता है ये खतरनाक है। अगर कोई खराबी दिखती है, तो हम रुक जाते हैं। लेकिन बारिश के बाद मैदान कीचड़मय हो जाता है, फिर भी मालिक कहते हैं- चालू करो। इस बार हमने मना कर दिया। कोई आधिकारिक निरीक्षण या मरम्मत टीम नहीं है, सब कुछ ऑपरेटरों के जिम्मे है।

एमसीडी के रिकॉर्ड्स के मुताबिक, हर साल 500-600 मेलों को परमिशन दी जाती है, खासकर अक्टूबर-नवंबर में दशहरा, रामलीला और दीवाली के लिए। जनमाष्टमी और ईद के मौके पर भी मेले बढ़ते हैं। हर मेले में दर्जनों अस्थायी झूले लगते हैं, जो खतरे को और बढ़ाते हैं।

जिम्मेदारी का टालमटोल

हादसों के बाद भी जिम्मेदारी तय करना मुश्किल है। पुलिस जांच आमतौर पर लापरवाही के बेलेबल धाराओं तक सीमित रहती है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ऑपरेटर या कभी-कभी राइड का मालिक पकड़ा जाता है। लेकिन सेफ्टी चेक एमसीडी की जिम्मेदारी है और पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था देखती है। बस, मामला वहीं खत्म हो जाता है। एमसीडी के प्रवक्ता ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया।

जनता जोखिम में

मेले में आने वाले लोग भी खतरे को भांप लेते हैं। 30 सितंबर को रामलीला ग्राउंड में झूले टखनों तक पानी में चल रहे थे, बिजली के तार जमीन पर बिखरे थे। खानपुर के रमेश सैनी ने कहा, अगर ये पलट गया तो जिम्मेदार कौन है? चारों तरफ खुले तार और गीला मैदान है। ये झूले धूल, बारिश और असमान जमीन पर चलते हैं। यूनाइटेड आरडब्ल्यूए जॉइंट एक्शन के अध्यक्ष अतुल गोयल कहते हैं, इन झूलों में इतनी टूट-फूट होती है कि सेफ्टी को सिर्फ ऑपरेटर के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। हर बड़े मेले से पहले स्वतंत्र विशेषज्ञों से अनिवार्य जांच होनी चाहिए।

क्या है जमीनी हकीकत?

कागजों पर तो मेले के आयोजकों को जिला मजिस्ट्रेट से परमिट लेना होता है, जिसके लिए दिल्ली पुलिस और स्ष्ठ से सुरक्षा और मशीनों की फिटनेस की मंजूरी चाहिए। स्ष्ठ का इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल विभाग झूलों की जांच करता है। इसमें सैंडबैग से लोड टेस्ट, सेफ्टी बेल्ट चेक और आपातकालीन योजना की जांच की जाती है। लेकिन हकीकत में ये नियम सिर्फ फाइलों तक सिमटे रहते हैं।

पुराने नियम, नए खतरे

एमसीडी के एक इंजीनियर ने बताया कि झूलों की फिटनेस के लिए नियम 2001 में बने थे, जिनमें 2022 में थोड़ा बदलाव हुआ। लेकिन आज के जटिल झूलों के लिए ये नियम नाकाफी हैं। नियम कहते हैं कि इंजीनियरों को लोड टेस्ट, नट-बोल्ट, वेल्डिंग पॉइंट्स और बॉल बेयरिंग की जांच करनी चाहिए। लेकिन ज्यादातर निरीक्षण सिर्फ देखने तक सीमित रहते हैं। सैंडबैग टेस्ट भी कभी-कभार होता है।

पूरन कुमार के सुसाइड पर एएसआई संदीप लाठर को नाचना गाना चाहिए था

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता उदित राज ने हरियाणा पुलिस में एएसआई यानी सहायक उप निरीक्षक संदीप कुमार के दावों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर आईपीएस वाई पूरन कुमार भ्रष्टाचार में शामिल थे, तो संदीप को उनकी आत्महत्या के बाद खुश हो जाना चाहिए था। साथ ही उन्होंने छुट्टी पर भेजे गए पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के खिलाफ भी करोड़ों की आय के आरोप लगाए हैं। साथ ही जांच की मांग की है।

उदित राज ने कहा, सवाल यह होता है कि अगर वाई पूरन कुमार भ्रष्ट उत्पीड़क थे संदीप लाठर के तो उनके सुसाइड करने के बाद नाचना गाना चाहिए थे। इनका क्या लेना देना है, ये क्यों आत्महत्या कर लिए। ये बहुत बड़ी साजिश है। कल एक खुलासा हुआ कि 1 करोड़ 60 लाख रुपये सिर्फ किराए की आमदनी है शत्रुजीत कपूर डीजीपी की। ये दोनों के भ्रष्टाचार की जांच होनी चाहिए। इस तरह से कई बार ऐसा हुआ है कि जो मास्टरमाइंड हैं, जो खुल्लर आईएएस अफसर है, जो नायब सिंह सैनी को भी आदेश देते हैं।

उन्होंने आरोप लगाए हैं कि इसे दलित बनाम जाट बनाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, कुछ लोग मिलने गए, तो सीएम सैनी ने दोनों को बिजराणिया और डीजीपी कपूर को सस्पेंड करने के लिए कहा था, तो उसी समय खुल्लर ने कहा कि यह नहीं हो सकता है। तो वह आदेश देते हैं। ऐसे में तो संदीप लाठर को तो खुशी मनाना चाहिए बजाए कि आत्महत्या कर लिए। क्या मतलब होता है कि इनका बीच में आने का। किस लिए बीच में आए। इनका शत्रु, इनका उत्पीड़क दुनिया में नहीं रहा तो और खुश होना चाहिए। यह मामला जाट बनाम दलित करने का है।उन्होंने कहा, इसकी जांच तो हो या तो मेरे खिलाफ कार्रवाई हो। ये जो 1 करोड़ 60 लाख रुपये शत्रुजीत कपूर का हर महीने रेंट आता है, वो जांच उसकी हो। जांच तो होती नहीं है। अगर आखिरी में भी जांच नहीं हो पाई। ...चूंकि एजेंसी बीजेपी और आरएसएस के पास है तो जांच हो नहीं पाएगी। यह तो प्रमाण है न कि कितनी संपत्ति किसके पास है।

2 घंटे से ज्यादा फोन चलाना मना है, जापान के इस शहर में नए नियम पर कैसा है लोगों का रिएक्शन?

टोक्यो, एजेंसी।
मोबाइल फोन का इस्तेमाल ज्यादातर लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा बन चुका है। पढ़ाई से लेकर टाइम पास तक, हर चीज का ख्याल आते ही सबसे पहले हाथ स्मार्टफोन पर ही जाता है। मगर, कैसा हो जब आपको दिन भर में सिर्फ 2 घंटे की फोन इस्तेमाल करने की अनुमति मिले?

ऐसा ही कुछ हुआ है जापान के एक शहर में। शहर की मेयर ने फोन के इस्तेमाल पर लिमिट लगा दी है। अब लोगों को 2 घंटे से अधिक फोन इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है।

यह दिशानिर्देश 1 अक्टूबर को सामने आए थे, जिसके बाद न सिर्फ जापान बल्कि पूरी दुनिया में खलबली मच गई है। हर कोई जानना चाहता है कि फोन इस्तेमाल करने की लिमिट लागू होने के बाद लोगों की दिनचर्या

कैसी गुजर रही है? यह मामला सेंट्रल जापान में स्थित आइची शहर का है। इस शहर की आबादी 68,000 के लगभग है। यहां की मेयर ने 1 अक्टूबर को गाइडलाइंस जारी करते हुए लोगों को 2 घंटे से अधिक मोबाइल फोन या टैबलेट इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। टोयोएक महानगरपालिका ने ईमेल भेजते हुए कहा- अपनी सेहत और सोने के घंटों का खास ख्याल रखें। आप जितने भी घंटे फोन या अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं, उसकी बजाए अपने परिवार के साथ समय बिताएं।

वहीं, एक दूसरे ईमेल में शिक्षकों और स्थानीय सरकार से कहा गया, यह अध्यादेश जारी करने का मुख्य उद्देश्य है कि लोग अपनी नींद पूरी कर सकें। जापानी मीडिया को दिए इंटरव्यू में मेयर मासाफुमी कोकी ने कहा, लोग स्क्रीन को देखते हुए घंटों बिता देते हैं। दिन से रात कब होती है, पता ही नहीं चलता है। लोगों की नींद पूरी नहीं होती और इसका उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। कोकी खुद फोन का बहुत अधिक इस्तेमाल करने लगी थीं, जिसके चलते उन्होंने घंटों को कम करने का फैसला किया है। 6-12 वर्ष के बच्चों को रात 9 बजे के बाद फोन और टैबलेट इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है। वहीं, 12 साल से अधिक उम्र वालों के लिए यह समयसीमा रात 10 बजे की निर्धारित की गई है। अगस्त के आखिर में इसकी घोषणा की गई थी और 1 अक्टूबर से यह अध्यादेश लागू कर दिया गया है। मेयर कोकी के इस फैसले से कुछ लोग खुश हैं, तो कई लोग उनकी आलोचना भी कर रहे हैं। एक स्थानीय नेता का कहना है, एक शब्द में कहूं तो, यह आपका काम नहीं है। एक दूसरे नेता का कहना है, कई समर्थकों के अनुसार यह अच्छा फैसला है, लेकिन यह अध्यादेश पूरी तरह से बकवास है। हालांकि, कई लोग मेयर के फैसले का समर्थन कर रहे हैं। स्थानीय नागरिक शोकी मोरियामा के अनुसार, अब मैं बचे हुए समय में किताबें पढ़ता हूं और जिम भी जाने लगा हूं। विश्वविद्यालय के छात्र अकारी सैतो का कहना है, कॉलेज जाते समय ट्रेन में फोन का इस्तेमाल न कर पाना काफी मुश्किल होता है।

डोनाल्ड ट्रंप का शटडाउन पर बड़ा एलान- हम डेमोक्रेट पार्टी के शुरू किए सरकारी कार्यक्रमों को बंद कर रहे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शटडाउन के बीच डेमोक्रेट्स पार्टी के सपोर्ट से होने वाले प्रोग्राम को बंद करने का एलान किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रशासन की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं और बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची भी जल्द जारी होने की सूचना है। डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (14 अक्तूबर) को घोषणा करते हुए कहा कि प्रशासन चल रहे सरकारी शटडाउन का इस्तेमाल डेमोक्रेट समर्थित संघीय कार्यक्रमों को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची शुक्रवार को जारी की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा, शटडाउन के कारण डेमोक्रेट्स की हार हो रही है, क्योंकि हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिनका हम विरोध करते थे और अब किसी कीमत पर वापस नहीं आने दिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान में आगे कहा कि इसलिए हम वो काम कर पा रहे हैं, जो हम पहले नहीं कर पाते थे। हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिन्हें हम बंद करना चाहते थे या जिन्हें हम कभी नहीं होने देना चाहते थे, और अब हम उन्हें बंद कर रहे हैं, और हम उन्हें वापस नहीं आने देंगे। बंद होने वाले कार्यक्रमों में ऐसे कई कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप ने समाजवादी और अर्ध-साम्यवादी करार दिया है। व्हाइट हाउस से बोलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस सूची में कई ऐसे कार्यक्रम शामिल होंगे, जिन्हें उन्होंने समाजवादी और अर्ध-कम्युनिस्ट बताया है। उन्होंने कहा, हम शुक्रवार को इनकी एक सूची जारी करेंगे।

7वीं बार यूएन की मानवाधिकार परिषद के लिए निर्विरोध चुना गया भारत

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2026-28 के लिए भारत को मानवाधिकार परिषद का सदस्य चुन लिया है। तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए भारत का चुनाव निर्विरोध हुआ। इस तरह भारत अब तक इस निकाय में 7वीं बार चुना गया है। चुनाव की घोषणा के बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि यह भारत की मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत अपने कार्यकाल के दौरान इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है और सभी देशों का

समर्थन के लिए आभार प्रकट किया। मानवाधिकार परिषद संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख संस्था है जिसमें 47 सदस्य देश शामिल हैं। इसका गठन 2006 में यूएन महासभा द्वारा किया गया था। इसी वर्ष भारत पहली बार इसका सदस्य चुना गया था। परिषद का मुख्य कार्य दुनियाभर में मानवाधिकारों को बढ़ावा देना, सदस्य देशों में उनकी स्थिति की समीक्षा करना और उनसे जुड़े मुद्दों पर चर्चा का मंच प्रदान करना है।

पाकिस्तान-अफगान में फिर हिंसक झड़प

तालिबान का दावा- 7 पाक सैनिक मारे

काबुल/ इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात को फिर झड़पें हुईं। एपी के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सीमा पर दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। आसिफ ने कहा था, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हम तुरंत जवाब देंगे। इस लड़ाई में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के पोस्ट पर कब्जा करने का दावा किया है। साथ ही टैंकों के नुकसान की भी खबर है। पाकिस्तानी सरकारी मीडिया ने तालिबान पर बिना उकसावे के पहली गोली चलाने का आरोप लगाया। वहीं, अफगानिस्तान समर्थित सोशल हैंडल ने दावा किया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान में उन जगहों को निशाना बनाया है जहां से अफगानिस्तान के लिए खतरा पैदा होता है। इसके साथ ही 7 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने की भी बात कही।

पाकिस्तान का दावा- तालिबान चौकियों को भारी नुकसानः पाकिस्तान ने सूत्रों ने दावा किया है कि पाकिस्तान के हमले में कई तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा और उनकी चौकियों से आग की लपटें उठती देखी गई पाकिस्तानी पीटीवी न्यूज ने बताया, अफगान तालिबान और फितना अल-खवारिज ने कुर्रम में बिना वजह गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत से जवाब दिया। दावा किया गया कि पाकिस्तान की जवाबी गोलीबारी में एक तालिबानी टैंक नष्ट हो गया, जिससे हमलावर अपनी चौकियां छोड़कर इलाके से भागने पर मजबूर हो गए। वहीं, काबुल का दावा है कि वह अपनी हवाई सीमा और संप्रभुता के उल्लंघन का जवाब दे रहा है।

पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट परः सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरफ से तैयार है। वहीं अफगानिस्तान समर्थित वॉर ग्लोब न्यूज ने एक वीडियो जारी करते हुए दावा किया कि तालिबान के एक ड्रोन ने पख्तूनख्वा के सीमावर्ती इलाकों में एक पाकिस्तानी सैन्य अड्डे पर विस्फोटक किया। अफगानिस्तान में दो टीटीपी गुट साथ आए

इस बीच अफगानिस्तान में टीटीपी के दो गुटों ने पाकिस्तान के खिलाफ एक होने की घोषणा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने घोषणा की है कि इसके दो समूह एक हो रहे हैं। इनमें से एक का नेतृत्व कुर्रम जिले के मुफ्ती अब्दुर रहमान कर रहे हैं, और दूसरा खैबर जिले की तिराह घाटी के कमांडर शेर खान हैं। इन दोनों कमांडरों ने टीटीपी के तरफ वफादारी की खसम खाई है।

संक्षिप्त समाचार

घाटशिला उपचुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित है : सीता सोरेन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने कहा है कि घाटशिला उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है। रांची से कतरास

जाते समय वे बुधवार को बोकारो सर्किट हाउस में रुकीं, जहाँ दुर्गा सेना के कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए सीता सोरेन ने कहा कि इस बार घाटशिला उपचुनाव में भाजपा पूरी एकजुटता के साथ मैदान में है। उन्होंने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और यह उपचुनाव इसका संकेत बनेगा। सीता सोरेन ने दावा किया कि इस बार का चुनावी समीकरण पूरी तरह अलग है, जिससे परिणाम भी अप्रत्याशित रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठित हैं और जनता के बीच पार्टी की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। ह्ययह उपचुनाव सरकार के लिए चेतावनी साबित होगा, क्योंकि जनता अब विकास और सुशासन चाहती है,ह्व उन्होंने कहा। भाजपा नेत्री ने आगे कहा कि घाटशिला में इस बार का प्रदर्शन ह्यहटकेह्व होगा और परिणाम यह दिखाएगा कि जनता अब मौजूदा सरकार से नाराज है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से एकजुट होकर अंतिम चरण तक मेहनत करने का आह्वान किया।

वाहन जांच के दौरान डीटीओ ने वसूली 1 लाख रुपए से ज्यादा जुर्माना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय राज्यमार्ग 32 पर चास प्रखंड अंतर्गत पुपुनकी टॉल प्लाजा पर जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज द्वारा आज चलाए गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान कुल 14 वाहनों से 1 लाख 17 हजार रुपए का जूमार्ना लिया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज द्वारा जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 14 वाहन से 1 लाख 17 हजार रुपए जुमार्ना वसूला गया। डीटीओ के नेतृत्व में अभियान के तहत कुल 47 वाहनों की जांच की गई, जिसमें फिटनेस सर्टिफिकेट, रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग, इंश्योरेंस फेल एवं टैक्स फेल होने को लेकर 14 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला लिया गया। साथ ही डीटीओ मारुति मिंज ने चास प्रखंड के जोधाडीह मोड़, आईटीआई मोड़ सहित अन्य जगहों के चौक चौराहों पर दो पहिया वाहनों सहित चार पहिया वाहनों की जांच की गई, जिसमें हेलमेट, रजिस्ट्रेशन, पॉल्यूशन, लाइसेंस, सीट बेल्ट, रिफ्लेक्टिव टेप सहित अन्य की जांच की। इस दौरान दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के साथ चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने का निर्देश भी दिया गया।

बीबीएमकेयू विवि में निकाली शव यात्रा

पीएचडी में नामांकन पर छात्रों में आक्रोश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जेईटी की परीक्षा पूर्ण हुए बगैर पीएचडी में एडमिशन के विरोध में बुधवार को आजसू छात्र संघ के द्वारा बिनोद बिहारी कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) परिसर में आजसू छात्र संघ के द्वारा बीबीएमकेयू के अधिकारियों का शव यात्रा निकाली गई। इस दौरान छात्र संघ के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों का चार अलग-अलग अर्थिया सजाकर उसपर उनकी शव यात्रा निकाला गया और यह यात्रा विश्वविद्यालय के प्रांगण में घुमाते हुए राम नाम सत्य है, विश्वविद्यालय प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए गए। वहीं इस दौरान आजसू छात्र संघ के इस शव यात्रा का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता विशाल महतो ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा एक सोची समझी साजिश के तहत झारखंड के छात्र-छात्राओं को पीएचडी में नामंकन से वंचित रखा जा रहा है। झारखंड सरकार के द्वारा कई वर्षो बाद जेईटी की परिक्षा ली जा रही है, वो परिक्षा जबतक पूर्ण नही हो जाता है, तबतक विश्वविद्यालय में पीएचडी में नामंकन रोक कर रखा जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि झारखंड के कई ग्रामीण इलाके से आने वाले छात्र-छात्राएं जो पीएचडी में नामांकन लेने के इक्षुक हैं, वो इस परीक्षा को पास नही कर पाते, जबकि पीएचडी एंट्रेंस टेस्ट को एक बार लेने के बाद यहां बंद कर दिया गया। वहीं जेईटी की परीक्षा के समय विश्वविद्यालय के द्वारा एडमिशन का प्रोसेश शुरू कर दिया जाता। उन्होंने बताया कि यहाँ कार्यरत एक दर्जन से अधिक कर्मियों के रिश्तेदार यहाँ होने वाले पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से दाखिला लेकर आज पीएचडी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के प्रशासन को झारखंड के गरीब छात्रों से कोई लेनादेना नही है, ये बस अपने निजी स्वार्थ के लिए यहाँ नई-नई नीति नियम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जबतक झारखंड में जेईटी की परीक्षा पूर्ण नही हो जाता है, तब तक आजसू छात्र संघ यहां पीएचडी में एडमिशन नहीं होने देगा।

पोक्सो एक्ट के आरोपी आकाश मुंडा रिहा परिवार ने जताई खुशी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के विशेष न्यायाधीश सह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवेश कुमार त्रिपाठी की अदालत ने आज पोक्सो एक्ट (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) के तहत दायर मामले पोक्सो 45/2024 में विचारण के पश्चात साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। यह फैसला पोक्सो एक्ट के विशेष कोर्ट ने सुनाया, जिसमें मुंडा के वरीय वकील श्री रणजीत गिरि द्वारा पेश किए गए तर्कों को सही ठहराते हुए रिहा करने का आदेश दिया। आकाश मुंडा शिक्षक पर आरोप था कि एक नाबालिक लड़की को भागने का आरोप लगा था। घटना अप्रैल 2024 की है, जब बोकारो के एक आवासीय इलाके में एक नाबालिक लड़की ने आकाश मुंडा पर पोक्सो एक्ट की धारा 8 और 12 एवं 363/366ए आई पी सी के तहत सेक्टर 12 थाना कांड संख्या 48/24 शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने तुरंत मुंडा को गिरफ्तार कर लिया था और मामला विशेष अदालत में विचाराधीन था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य जुटाए थे, लेकिन मुंडा के बचाव पक्ष के वकील रणजीत गिरि ने दावा किया कि मामला बनावटी था और भयादोहन करने के नियत से किया गया था। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि "न्यायिक प्रक्रिया में निर्दोष को सजा नहीं दी जा सकती। साक्ष्यों की समीक्षा के बाद रिहा कर दिया गया। इस फैसले के बाद आकाश मुंडा के परिवार ने खुशी जाहिर की। उनके भाई महेश मुंडा ने कहा, "हमारा भाई निर्दोष है। यह फैसला न्याय की जीत है। सनद रहे कि पोक्सो एक्ट 2012 में लागू हुआ था, जो नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने के लिए बनाया गया। इस कानून के तहत अपराधों की सजा कड़ी है, लेकिन यदि साक्ष्य अपर्याप्त हों या आरोपी निर्दोष साबित हो, तो रिहाई संभव है।

किसानों के बीच किया गया कृषि उपकरण का वितरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अदानी फाउंडेशन द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के तहत किसानों के बीच कृषि उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों को मिनी ट्रैक्टर, घास काटने की मशीन, सिंचाई पाइप और सोलर ड्रायर जैसे आधुनिक कृषि उपकरण वितरित किए गए। मुख्य अतिथि डीपीएम, जेएसएलपीएस शैलेश रंजन ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ-साथ किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होंगे। अदानी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन उपकरणों से खेती के कार्यों में आसानी होगी तथा उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीपीएम, जेएसएलपीएस शैलेश

रंजन थे। उनके साथ डीएम राजीव कुमार पांडेय, बीपीएम, जेएसएलपीएस शम्भु विश्वाश, भृगु नंदन, अदानी सीमेंट प्लांट प्रबंधक पुष्प राज गौतम सिंह, तथा सीएसआर क्लस्टर हेड प्रदीप कुमार पांडेय की उपस्थिति में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इसके अतिरिक्त सीएसआर टीम के श्री विनोद कुमार एवं श्रीमति प्रियंका शर्मा भी उपस्थित रहीं।

धनबाद : ट्रेन की चपेट में आने से दो की मौत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के कुमारघुबी ओपी क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। दरअसल, ओवरब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मृतक कुमारघुबी बाजार नीचे पट्टी के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेज दिया। मृतकों में एक की पहचान सज्जाद अंसारी (50) और लालचंद बाउरी का 30 वर्षीय पुत्र के रूप में हुई है। दोनों पार्टी करने रेलवे लाइन की तरफ गए थे, तभी ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। मृतक के परिजन दुलाल बावरी ने बताया कि मृतक उसका चचेरा भाई था और वह आने बुजुर्ग माता-पिता के साथ रहा करता था। वह अपने साथी के साथ रेलवे लाइन के पास पार्टी करने गया था, तभी ट्रेन आई और दोनों उसकी चपेट में आ गए। वहीं दूसरे मृतक के परिजन सद्दाम अंसारी ने बताया कि सज्जाद अंसारी और एक अन्य व्यक्ति दोनों रेलवे ट्रैक की तरफ खाने-पीने गए थे।

बोकारो स्टील के एग्जीक्यूटिव हॉस्टल का छज्जा गिरा, लोग भयभीत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-1इ स्थित एग्जीक्यूटिव हॉस्टल में बीती रात बड़ा हादसा होने से टल गया। देर रात अचानक हॉस्टल की गैलरी का छज्जा गिर गया, जिससे आसपास अफरा-तफरी मच गई। सौभाग्य से उस समय अधिकांश लोग अपने-अपने कमरों में सो रहे थे, जिसके कारण कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि, घटना ने हॉस्टल की जर्जर स्थिति और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर कर दिया है। हॉस्टल में रह रहे न्यायालय पोल के कर्मचारी राहुल कुमार पांडेय ने बताया कि पूरा भवन वर्षों से जर्जर अवस्था में है। उन्होंने कहा कि कई बार नगर सेवा भवन में लिखित और मौखिक शिकायत की गई, लेकिन आज तक मरम्मत या रखरखाव का कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। दीवारों में दरारें और छत से झड़ता प्लास्टर पहले ही खतरे का संकेत दे रहे थे। वहीं हॉस्टल में रहने वाली गुड़िया महतो ने बताया कि छज्जा गिरने की तेज आवाज सुनकर सभी लोग दहशत में बाहर निकल आए। उन्होंने कहा कि हॉस्टल में करीब 60 परिवार रह रहे हैं, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि हॉस्टल की सुरक्षा जांच तत्काल कराई जाए और आवश्यक मरम्मत कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। फिलहाल नगर सेवा भवन के अधिकारी मौके का निरीक्षण करने की तैयारी में जुटे हैं। विदित हो कि तीन दिन पूर्व ही सेक्टर 1 स्थित एचएससीएल कॉलोनी में चार तल्ला बिल्डिंग का कुछ हिस्सा गिर गया था। इस भवन के 16 परिवार आज भी मैदान में रहने को विवश हैं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment
(उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन)

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (AISSEE-2026) के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने की घोषणा

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए देश भर के सैनिक स्कूल/नए सैनिक स्कूलों में कक्षा 6 और कक्षा 9 में प्रवेश के लिए सैनिक स्कूल सोसाइटी (रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत) की ओर से AISSEE-2026 परीक्षा आयोजित करने जा रही है।

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की तिथि	10.10.2025 to 30.10.2025
परीक्षा की तिथि	माह जनवरी 2026 में
परीक्षा की पद्धति	पेन और पेपर के माध्यम से (OMR)
प्रश्नो के प्रकार	वस्तुनिष्ठ प्रकार (MCQs)

परीक्षा के लिए पंजीकरण के संबंध में अन्य सभी आवश्यक विवरणों के साथ सूचना विज्ञप्ति राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट www.nta.ac.in & https://exams.nta.nic.in/sainik-school-society/ पर उपलब्ध है।

इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि या इससे पहले आवेदन कर सकते हैं और नवीनतम अपडेट हेतु नियमित रूप से उपरोक्त आधिकारिक वेबसाइटों पर जाए।

यदि किसी उम्मीदवार को AISSEE 2026 के लिए आवेदन करने में कठिनाई होती है, तो वह 011-40759000 / 011-69227700 पर संपर्क कर सकता है या aissee@nta.ac.in पर ई-मेल कर सकता है।

हस्ताक्षर/-
(निदेशक)

cbc21354/12/0004/2526

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment
Department of Social Justice & Empowerment
Ministry of Social Justice & Empowerment Government of India
(उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन)

लक्षित क्षेत्रों के उच्च विद्यालयों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा योजना (श्रेष्ठा 2026) के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने की घोषणा

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा शैक्षिक सत्र 2026-27 में अनुसूचित जाति (SC) छात्रों के लिए कक्षा 9 और 11 में प्रवेश हेतु सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ओर से SHRESHTA (NETS)-2026 परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। श्रेष्ठा (SHRESHTA) एक योजना है, जो केवल अनुसूचित जाति (एससी) के मेधावी छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करती है।

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की तिथि	10.10.2025 to 30.10.2025
परीक्षा की तिथि	माह दिसंबर 2025 में
परीक्षा की पद्धति	पेन और पेपर के माध्यम से (OMR)
प्रश्नो के प्रकार	वस्तुनिष्ठ प्रकार (MCQs)

परीक्षा के लिए पंजीकरण के संबंध में अन्य सभी आवश्यक विवरणों के साथ सूचना विज्ञप्ति राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट www.nta.ac.in & https://exams.nta.nic.in/shreshta/ पर उपलब्ध है।

इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि या इससे पहले आवेदन कर सकते हैं और नवीनतम अपडेट के लिए नियमित रूप से उपरोक्त आधिकारिक वेबसाइटों पर जाए।

यदि किसी उम्मीदवार को SHRESHTA 2026 के लिए आवेदन करने में कठिनाई होती है, तो वह 011-40759000 / 011-69227700 पर संपर्क कर सकता है या shreshta@nta.ac.in पर ई-मेल कर सकता है।

हस्ताक्षर/-
(निदेशक)

cbc21354/12/0003/2526

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत 'जागृति' क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत बी एस एल के कार्मिकों के लिए 'सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी' विषय पर 'जागृति' क्विज प्रतियोगिता का आयोजन मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में किया गया. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी के साथ मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री ज्ञानेश झा तथा सतर्कता विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे. कार्यक्रम में कुल 32 टीमों के 64 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था. अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी ने सभी को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी और संबोधित किया. 'जागृति' क्विज प्रतियोगिता में क्विज मास्टर के रूप में श्री आनंद राज, सहायक महाप्रबंधक (अधिशासी निदेशक-संकार्य सचिवालय) तथा श्री शुभम वर्मा, वरीय प्रबंधक (कॉन्ट्रैक्ट सेल-संकार्य) उपस्थित थे. क्विज प्रतियोगिता का उद्देश्य सभी प्रतिभागियों के बीच संगठन की प्रणाली एवं प्रक्रिया, आचार एवं नीति, शासन, आचरण नियम, साइबर सुरक्षा, क्रय, इस्पात व्यवसाय, रिश्वत विरोधी प्रबंधन प्रणाली, नैतिकता और सतर्कता संबंधी विषय पर जागरूकता का प्रसार करना था. क्विज प्रतियोगिता 'जागृति' में श्री शुभम, वरीय प्रबंधक (आरसीएल) और श्री अमन कुमार मिश्रा, वरीय प्रबंधक (गैस यूटिलिटीज) की टीम को प्रथम, श्री डी चौधरी, महाप्रबंधक (एचएसएम) और श्री राजीव गौतम, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) की टीम को द्वितीय तथा सुश्री प्रेरणा कुमारी, वरीय प्रबंधक(सीओ & सी सी) और सुश्री जी स्नेहा राजू, वरीय प्रबंधक(सीओ &सी सी) की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. कार्यक्रम के सभी विजेताओं को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा. क्विज प्रतियोगिता 'जागृति' में कार्यक्रम का सञ्चालन सुश्री सौम्या खाटी, प्रबंधक (सतर्कता) तथा धन्यवाद ज्ञापन वरीय प्रबंधक (सतर्कता) सुश्री चित्रा पराशर के द्वारा किया गया.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा आज दिनाँक 15 अक्टूबर को सामग्री प्रबंधन डिवीजन में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री सी आर मिश्रा, श्री हर्ष निगम मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन), श्री राकेश सिंह मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन), मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री ज्ञानेश झा तथा सतर्कता विभाग एवं सामग्री प्रबंधन डिवीजन के वरीय अधिकारी उपस्थित थे. मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री ज्ञानेश झा ने सभी को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी और संबोधित किया. कार्यक्रम में वरीय प्रबंधक (सतर्कता) सुश्री चित्रा पराशर के द्वारा एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सामग्री प्रबंधन के मामलों के प्रसंस्करण की विसंगतियों प्रणाली एवं प्रक्रिया, आचार एवं नीति, क्रय, तथा रिश्वत विरोधी प्रबंधन प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-09 /ए में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा आज दिनाँक 15 अक्टूबर को डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-09 /ए, में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 70 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों सतर्कता, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर अपने विचारों को रंगों के माध्यम से रचनात्मकता के साथ सुंदर और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. इस अवसर पर बीएसएल के श्री ज्ञानेश झा, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ, श्री शनि रंजन, सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) के साथ श्री सुनील कुमार, प्राचार्य एवं सतर्कता विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे. विद्यालय के शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों में नैतिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास बताया।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी को मिला एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी धनबाद के पदेन उपाध्यक्ष सह एसडीएम धनबाद राजेश कुमार के द्वारा एक एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस वाहन का नारियल फोड़कर एवं फीता विधिवत उद्घाटन किया गया।जिसका क्रमशः 26 रुपया प्रति किलो मीटर के चार्ज साथ कार्डियक एंबुलेंस के तौर पर सेवा बहाल की जाएगी। समिति के अध्यक्ष कौशलेंद्र सिंह ने कहा 4 वर्षों के बाद पुनः यह सेवा बहाल की गई है ताकि कार्डियक अटैक के मरीज और ब्रेन हेमरेज के मरीज तत्काल सेवा से लाभान्वित हो सके । बाजार के एंबुलेंस से इस एंबुलेंस का चार्ज भी बहुत कम रखा गया है।आज के कार्यक्रम में चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, वाईस चेयरमैन धनेश्वर महतो, सचिव रविन्द्र नाथ ठाकुर, संयुक्त सचिव महोदय दिलीप सिंह, कोषाध्यक्ष महोदया श्वेताम्बरा पाठक, कार्यकारिणी सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार कुमार मधुरेन्द्र सिंह, नोडल पदाधिकारी स्वास्थ्य डाक्टर जिम्मी अभिषेक, नोडल पदाधिकारी वाहन देवेन्द्र कुमार, अनिल भगत, नोडल पदाधिकारी ब्लड बेनजीर परवीन, आजीवन सदस्य लीला माजी, वाईस पैटरान एडवोकेट बिजेंद्र कुमार, दुर्गा सिंह एवं आजीवन सदस्य मीथलेश कुमार चालक उपलब्ध रहें।

हवन पूजन के बाद बालकों को दिया गया सुवर्ण प्राशन की खुराक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विद्या भारती योजना के तहत विद्या विकास समिति झारखंड के तत्वावधान में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी के प्रांगण में वैदिक रीति रिवाज के साथ भगवान धन्वंतरि के पूजन और हवन के पश्चात बालकों को विद्यालय के सचिव गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह सुवर्ण प्राशन की खुराक देने की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि यह दवा बालकों के सर्वांगीण विकास में सहयोगी सिद्ध होगा। इससे उनकी स्मरण शक्ति तेज होगी और मन हमेशा आनंदित रहेगा। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने अपने संदेश में कहा कि इस दवा की गुणवत्ता एक निश्चित नक्षत्र में पिलाने पर अधिक प्रभावी होती है वह नक्षत्र पुष्य नक्षत्र है इसलिए आज पुष्य नक्षत्र के दिन ही इस दवा को पिलाने का

शुभारंभ किया गया है। विद्या भारती योजना में हम वैदिक रीति रिवाज के साथ अपनी संस्कृति और धरोहर को संग्रहित करते हुए किस प्रकार से आयुर्वेदिक पद्धति से बालकों का सर्वांगीण विकास करें इसका ध्यान रखा गया है जिसके तहत यह दवा पूरे झारखंड के विद्यालयों में पिलाई जा रही है। इस कार्यक्रम की संयोजिका विद्यालय की आचार्य शिखा सिन्हा ने बताया की यह खुराक विद्यालय में प्रत्येक माह के पुष्य नक्षत्र को दिया जाएगा। इस दवा का प्रयोग 12 वर्ष तक के बालकों को देने से अधिक प्रभावी होता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com